केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बोले- कांग्रेस पश्चिम बंगाल में अपना खाता भी नहीं खोल पाएगी - 7

शेयर बाजार में तीन दिन की तेजी पर विराम, सेंसेक्स 757 अंक फिसला- 10

प्रवासी भारतीय जर्मनी और भारत के बीच मजबूत सेतु- 11

टेनिस जगत में धूम मचाने को तैयार हैं स्पेन का एक और 'राफा' - 12

आज का मौसम

41.0⁰ अधिकतम तापमान

24.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.39

सूर्यास्त 06.42

अमृत विचार

लखनऊ

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

बैशाख शुक्ल पक्ष सप्तमी 08:49 उपरांत अष्टमी विक्रम संवत 2083

गुरुवार, 23 अप्रैल 2026, वर्ष 36, अंक 75, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

कोलकाता में पहले चरण का चुनाव कराने के लिए रवाना होतीं पोलिंग पार्टियां।

प. बंगाल में पहले चरण का चुनाव आज, सुरक्षा अभेद्य

पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और निर्वाचन आयोग के बीच जद्दोजहद आरोप-प्रत्यारोप के लंबे सिलसिले के बाद पहले चरण का चुनाव गुरुवार को होगा। आयोग ने इसके लिए अभूतपूर्व सुरक्षा व्यवस्था की है। केंद्रीय बलों के दो लाख से ज्यादा जवानों के साथ बंगाल में पहली बार बख्तरबंद वाहन भी तैनात किए जाने की खबरें हैं। पहले चरण में 16 जिलों की 152 सीटों के लिए लगभग 3.60 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

तमिलनाडु में भी आज मतदान

तमिलनाडु की सभी 234 विधानसभा सीटों के लिए भी गुरुवार को वोट डाले जाएंगे। राज्य में एक ही चरण में चुनाव होगा। इस बार यहां 5.67 करोड़ से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे जिनमें 2.89 करोड़ महिलाएं हैं।

विस्तृत समाचार ... पेज- 7

आतंकवाद कैसा भी हो, भारत उसके आगे कभी नहीं झुकेगा

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहलगाम आतंकी हमले की पहली बरसी पर बुधवार को कहा कि भारत आतंकवाद के किसी भी रूप के आगे कभी नहीं झुकेगा और भारत के खिलाफ आतंकवादियों के नापाक इरादे कभी सफल नहीं होंगे।

प्रधानमंत्री ने उन परिवारों के लिए संवेदना भी जताई, जिन्होंने अपने परिजनों को इस नृशंस हमले में खोल दिया था। पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा ने पिछले वर्ष 22 अप्रैल को ही जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हमला किया था, जिसमें 26 लोग मारे गए थे। इनमें अधिकांश पर्यटक थे। मोदी ने इस हमले की बरसी पर 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, पिछले वर्ष इसी दिन हुए भीषण पहलगाम आतंकी हमले में जान गंवाने वाले निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि। उन्हें कभी भुलाया नहीं जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि दुख की इस घड़ी में उनकी संवेदनाएं शोकाकुल परिवारों के साथ हैं, जो इस क्षति को सहने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, एक राष्ट्र के रूप में हम शोक और संकल्प में एकजुट हैं। भारत आतंकवाद के किसी भी रूप के आगे कभी नहीं झुकेगा। आतंकियों के नापाक इरादे कभी सफल नहीं होंगे।

- पहलगाम हमले की बरसी पर प्रधानमंत्री ने कहा- कभी सफल नहीं होंगे आतंकवादियों के नापाक इरादे

आतंकवाद को हराने के लिए भारत संकल्पित: मुर्मू

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी बुधवार को पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी और कहा कि देश हर जगह आतंकवाद को हराने के अपने दृढ़ संकल्प पर कायम है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, उस जघन्य कृत्य में निर्दोष लोगों की दुखद मौत हमारी सामूहिक स्मृति में अंकित है। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं। पूरा देश उनके साथ खड़ा है। आतंक के ऐसे कृत्य शांति और एकता के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता को नहीं रोक सकते।

नया भारत आतंकवाद को नष्ट करने के लिए प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर लिखा, पहलगाम की पीड़ा हर भारतीय के हृदय में अंकित अविस्मरणीय आघात है। उन्होंने काल-कवलित हुए नागरिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए लिखा, उन पुण्यात्माओं की स्मृति आज भी हमें झकझोरती है, उनका बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। आतंकवाद मानवता का सबसे बड़ा शत्रु है। नया भारत एकजुटता से आतंक के हर रूप के निर्मूलन के लिए प्रतिबद्ध है।

ब्रीफ न्यूज

मोदी को आतंकवादी बताने पर खरगे को चुनाव आयोग का नोटिस

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विरुद्ध उनकी उस टिप्पणी पर बुधवार को नोटिस जारी कर उसने सफाई मांगी है जिसमें विपक्ष के नेता ने मोदी को आतंकवादी कहा था। आयोग के सूत्रों के मुताबिक प्रधानमंत्री मोदी को आतंकवादी बताए जाने को गंभीरता से लिया गया है। भाजपा की शिकायत पर खरगे को जारी नोटिस का जवाब 24 घंटे में देने को कहा गया है। भाजपा ने आयोग के समक्ष खरगे की तमिलनाडु में एक मीडिया-कांफ्रेंस में की गई उक्त विवादास्पद टिप्पणी पर मंगलवार को शिकायत दर्ज कराई थी।

छह महीने बंद रहने के बाद केदारनाथ धाम के कपाट खुले

देहरादून। सर्दियों में छह माह बंद रहने के बाद बुधवार को सुबह पूरे विधि विधान के साथ केदारनाथ मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए फिर खोल दिए गए जहां पहली पूजा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम से की गई। रुद्रप्रयाग जिले में स्थित ग्यारहवें ज्योतिर्लिंग के कपाट विशेष पूजा अर्चना के बाद वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सुबह आठ बजे श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी पत्नी गीता के साथ उपस्थित थे। मंदिर के कपाट खोले जाने की प्रक्रिया सुबह पांच बजे शुरू हुई। गर्भगृह में विधिवत पूजा-अर्चना की गई और ठीक आठ बजे कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए।

धमकियां देने के बाद ट्रंप फिर बैकफुट पर अनिश्चितकाल के लिए बढ़ाया युद्धविराम

अमेरिकी राष्ट्रपति ने 24 घंटे पहले ही दी थी समझौता न होने पर भारी बमबारी करने की चेतावनी

वाशिंगटन/इस्लामाबाद, एजेंसी

करीब 24 घंटे पहले ही समझौता न होने पर ईरान को भारी बमबारी करने की धमकी देने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बुधवार को अपने रुख से पलट गए। युद्धविराम खत्म होने से कुछ घंटे पहले उन्होंने नाटकीय ढंग से इसे अनिश्चितकाल के लिए बढ़ाने की घोषणा कर दी। हालांकि, ट्रंप ने साफ किया कि उन्होंने यह कदम पाकिस्तान के आग्रह पर आंतरिक मतभेदों से जूझ रहे तेहरान को युद्ध समाप्त करने के लिए प्रस्ताव तैयार करने का मौका देने के लिए उठाया है।

ट्रंप की घोषणा के साथ ही ईरान के साथ शांति वार्ता के लिए उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के नेतृत्व वाले अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल की इस्लामाबाद यात्रा भी टल गई। ट्रंप ने कहा कि ईरान के बंदरगाहों पर आर्थिक नाकेबंदी जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि उन्होंने सेना को सभी मामलों में पूरी तरह तैयार रहने का निर्देश दिया है। युद्धविराम बढ़ाने का फैसला ट्रंप के रुख में बड़ा बदलाव माना जा रहा है। मंगलवार सुबह उन्होंने कहा था कि यदि बुधवार तक समझौता नहीं हुआ तो ईरान पर बमबारी होगी।

शहबाज ने जताया ट्रंप का आभार

ट्रंप की घोषणा के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने 'एक्स' पर लिखा, मैं व्यक्तिगत रूप से और फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर की ओर से राष्ट्रपति ट्रंप का तहे दिल से धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने कूटनीतिक प्रयासों को आगे बढ़ने देने के लिए युद्धविराम बढ़ाने के हमारे अनुरोध को स्वीकार किया। **इस बीच ट्रंप ने अगले 36 से 72 घंटे में ईरान के साथ वार्ता होने की संभावना जताई है। कहा, अमेरिका ईरान को ज्यादा वक्त नहीं देगा।**

अब ईरान के खिलाफ ऑपरेशन इकोनॉमिक फ्यूरी

ताजा घटनाक्रम के बीच अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने ईरान, तुर्किये और संयुक्त अरब अमीरात स्थित 14 व्यक्तियों, संस्थाओं और विमानों पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की। इन पर ईरानी शासन की ओर से हथियार या हथियारों के पुर्जों की खरीद-फरोख्त में शामिल होने का आरोप है। बेसेंट ने कहा, ईरान के समुद्री व्यापार पर रोक सीधे उसके राजस्व के मुख्य स्रोतों पर चोट है। अमेरिकी वित्त मंत्रालय इकोनॉमिक फ्यूरी के जरिए अधिकतम दबाव बनाए रखेगा, ताकि तेहरान की धन जुटाने की कोशिश सफल न हो।

अमेरिका के खिलाफ ईरान के कड़े तेवर

युद्धविराम विस्तार को अमेरिका चाल बताकर किया खारिज, कहा- हमने नहीं की थी मांग

ईरान ने ट्रंप के युद्धविराम को एकतरफा बढ़ाने की घोषणा पर शक जताते हुए कहा है कि यह एक चाल है और उसने कभी इसकी मांग नहीं की थी। विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि ईरान ने धमकियों के साये में युद्धविराम विस्तार या नई बातचीत की कोई गुजारिश नहीं की है। अराघची ने ईरानी बंदरगाहों की अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी की निंदा करते हुए इसे युद्ध की कार्रवाई और मौजूदा युद्धविराम सिद्धांतों का उल्लंघन करार दिया और कहा कि ईरान जानता है कि दबंगई का मुकाबला कैसे करना है। ईरानी संसद के अध्यक्ष बगर गालिबाफ के वरिष्ठ सलाहकार महदी मोहम्मदी ने भी कहा कि ईरान के लिए इस युद्धविराम का कोई मतलब नहीं है और इसकी कोई वास्तविक अहमियत नहीं है। उन्होंने इस कदम को अचानक हमले के लिए वक्त हासिल करने की रणनीति बताया।

होर्मुज में राहत नहीं: ईरान की सेना ने किया तीन जहाजों पर हमला, दो को कब्जे में लिया

दुबई। ट्रंप की घोषणा के बाद ईरान के अर्द्धसैन्य बल रिवोल्यूशनरी गार्ड ने बुधवार को होर्मुज जलडमरूमध्य में तीन जहाजों पर हमले किए। इन हमलों ने होर्मुज में परिवहन के बढ़ते खतरों के साथ युद्धविराम के बीच भी वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव बने रहने की ओर इशारा किया है। ब्रिटेन की सेना के अनुसार ईरान ने बुधवार सुबह जलडमरूमध्य में एक कंटेनर जहाज पर गोलीबारी की और थोड़ी ही देर बाद एक दूसरे जहाज पर भी हमला किया। ईरानी सरकारी टेलीविजन के अनुसार ये जहाज अब रिवोल्यूशनरी गार्ड के कब्जे में हैं और उन्हें ईरान ले जाया जा रहा है। एक जहाज इजराइल का एमएससी फ्रांन्सेस्का है, दूसरा एपामिनोड्स भारत के गुजरात आ रहा था। रिवोल्यूशनरी गार्ड ने यूफोरिया नामक तीसरे जहाज पर भी हमला किया।

एक जहाज इजराइल का, दूसरा आ रहा था भारत

दिल्ली में आईआरएस अधिकारी की बेटी की दुष्कर्म के बाद हत्या

नई दिल्ली, एजेंसी

दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के पॉश कैलाश हिल्स इलाके में भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के वरिष्ठ अधिकारी की 22 वर्षीय बेटी की बुधवार सुबह दुष्कर्म के बाद मोबाइल फोन चार्जर की केबल से गला घोंटकर हत्या कर दी गई। युवती को लाठी से भी पीटा जिससे उसके चेहरे और सिर पर भी गंभीर चोटें मिली हैं। पुलिस ने आईआरएस अधिकारी के पुराने नौकर को गिरफ्तार किया है, जिसे एक महीने पहले ही नौकरी से उन्होंने निकाल दिया था।

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) परीक्षा की तैयारी कर रही आईआरएस अधिकारी की बेटी घटना के वक्त घर में अकेली थी। घर के ही एक कमरे में उसे मृत पाया गया। पुलिस के अनुसार घटना तड़के उस वक्त हुई, जब युवती के माता-पिता जिम गए हुए थे। आरोपी 19 वर्षीय राहुल मीणा इसी थोड़े समय का फायदा उठाकर घर में घुसा और 40 मिनट के अंदर दुष्कर्म और हत्या की घटना को अंजाम देकर निकल गया। शाम को पुलिस ने द्वारका के एक होटल से उसे गिरफ्तार कर लिया। आईआरएस अधिकारी के मुताबिक राहुल ने घर में करीब आठ महीने तक काम किया था। ऑनलाइन गेम की लत और आसपास के लोगों से पैसा उधार लेने के कारण उन्होंने करीब एक महीने पहले ही काम से निकाल दिया गया था। मीणा को उनके घर के बारे में सबकुछ पता था।

- लाठी से पीटने के बाद मोबाइल फोन चार्जर की केबल से घोंटा गला
- नौकरी से निकाले गए घरेलू सहायक ने दिया घटना को अंजाम, गिरफ्तार

एक दिन पहले अलवर में महिला से किया दुष्कर्म

दक्षिण रेंज के संयुक्त पुलिस अयुक्त (जेसीपी) विजय कुमार ने बताया कि आरोपी पर अलवर में भी कल ही दुष्कर्म का मामला दर्ज किया गया है। उसने 21 अप्रैल को राजगढ़ में एक महिला के साथ दुष्कर्म किया था और अलवर से भागकर दिल्ली आ गया था। आईआरएस अधिकारी के घर से उसने दो-ढाई लाख रुपये लूटे हैं जिसमें से कुछ कैश की आरोपी के पास से कुछ बरामदगी की गई है।

मिर्जापुर में भिड़ंत के बाद आग का गोला बनीं दो कारें, 11 जिंदा जले

मिर्जापुर, एजेंसी

मिर्जापुर के ड्रमंडगंज इलाके में बुधवार रात एक भीषण हादसे में दो ट्रकों की चपेट में आने के बाद दो कारें आग का गोला बन गईं और उनमें सवार 11 लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद सड़क पर भीषण जाम लग गया। देर रात तक पुलिस जाम खुलवाने की कोशिश कर रही थी।

पुलिस के मुताबिक यह भीषण हादसा रात लगभग साढ़े आठ बजे हुआ। ड्रमंडगंज घाटी से नीचे उतरते वक्त एक ट्रक सम्भवतः ब्रेक फेल होने के कारण एक दूसरे ट्रक से टकरा गया और उनके बीच एक कार फंस गई। ट्रक ने एक और कार को भी टक्कर मारी जिससे उसमें आग लग गई। सूचना मिलने केबाद पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और स्थानीय लोगों की मदद से राहत और बचाव कार्य तत्काल प्रभाव से शुरू किया। पुलिस के मुताबिक इस घटना में अभी तक 11 लोगों की मृत्यु होने की पुष्टि हुई है, जिनकी शिनाख्त की जा रही है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मौके पर पुलिस रास्ते पर यातायात बहाल करने की कोशिश कर रही है। दुर्घटनाग्रस्त हुआ एक ट्रक बिहार का जबकि दूसरा मध्यप्रदेश का था।

- ब्रेक फेल होने के बाद बेकाबू ट्रक ने दोनों कारों को रौंदा
- दो भारी वाहनों के बीच फंसीं दोनों कारें, बढ़ सकती है मृतक संख्या

एक कार सोनभद्र जिले की है जबकि जिस कार में आग लगी वह मिर्जापुर में पंजीकृत है। पुलिस मृतकों के परिजन से संपर्क करने की कोशिश कर रही है।

ट्रक के चालक और खलासी भी गंभीर रूप से घायल हैं, जिन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। वाहनों के दरवाजे लॉक होने और आग की तीव्रता अधिक होने के कारण यात्रियों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मृतकों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त की है।

आज शाम चार बजे घोषित होगा यूपी बोर्ड परीक्षा का परिणाम

लखनऊ/प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) वर्ष 2026 की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा का परिणाम गुरुवार को शाम 4 बजे घोषित करेगा। परीक्षार्थी अपना रिजल्ट परिषद की आधिकारिक वेबसाइट और डिजिलॉकर पोर्टल पर देख सकेंगे। इस वर्ष हाईस्कूल में करीब 26.02 लाख और इंटरमीडिएट में 24.91 लाख परीक्षार्थी शामिल हुए। बोर्ड के अधिकारियों के मुताबिक 254 केंद्रों पर 2.75 करोड़ उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन 18 मार्च से चार अप्रैल के बीच रिकॉर्ड समय में पूरा हुआ।

- वेबसाइट और डिजिलॉकर पर देख सकेंगे परीक्षार्थी

एक्सप्रेस वे पर उड़ान

सुलतानपुर : वायुसेना के लड़ाकू विमानों का दो दिवसीय अभ्यास बुधवार को पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे की आपातकालीन हवाई पट्टी पर शुरू हुआ। इस अभ्यास में बुधवार को सुखोई, जगुआर और मिराज विमानों ने टच एंड गो ऑपरेशन किया।

स्नातक, स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष के छात्र भी कर सकेंगे आवेदन

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के पायलट चरण में अंतिम वर्ष के स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों को शामिल करने के लिए बुधवार को पात्रता मानदंडों को संशोधन किया। कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय ने कहा कि उच्च शिक्षा विभाग और शिक्षा मंत्रालय के साथ परामर्श के बाद ये संशोधन किए गए हैं। संशोधित नियमों के तहत अब 18 से 25 वर्ष आयु वर्ग के स्नातक एवं स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष के छात्र पीएमआईएस पोर्टल के माध्यम से देश की प्रमुख कंपनियों में इंटर्नशिप के लिए आवेदन कर सकते हैं। इंटर्नशिप के दौरान छात्रों को भुगतान भी किया जाएगा।

- पीएम इंटर्नशिप योजना के मानदंडों में संशोधन

नेपाल : वित्तीय विवाद के बीच गृह मंत्री गुरुंग ने दिया इस्तीफा

काठमांडू। नेपाल के गृह मंत्री सुदन गुरुंग ने वित्तीय आचरण से संबंधित आरोपों के बाद बुधवार को इस्तीफा दे दिया। एक विवादास्पद व्यवसायी के साथ व्यापारिक संबंधों और शेयरों के लेनदेन को लेकर वह निशाने पर थे। गुरुंग को 27 मार्च को गृह मंत्री नियुक्त किया गया था। गुरुंग ने सोशल मीडिया पर लिखा कि उन्होंने अपने वित्तीय आचरण संबंधी मामलों की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने और पद पर रहते हुए हितों के टकराव से बचने के लिए पद से इस्तीफा दिया है।

फिर वही परेशानी | पश्चिमी उत्तर प्रदेश की गन्ना बेल्ट में 30 चीनी मिलों ने नहीं किया भुगतान, उत्पादन घटना का संकट भी कारण

गन्ना किसानों का फिर अटक गया 1878 करोड़ का भुगतान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मेरठ, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, शामली, बिजनौर और बागपत जिलों में गन्ना किसानों का भुगतान संकट एक बार फिर गहरा गया है। इन छह जिलों की करीब 30 चीनी मिलों पर किसानों का लगभग 1878 करोड़ रुपये बकाया है। हर साल दोहराई जाने वाली यह समस्या इस बार भी किसानों की आर्थिक सेहत पर भारी पड़ रही है।

यह मुद्दा राजनीतिक रूप से भी संवेदनशील है, क्योंकि पश्चिमी उत्तर प्रदेश की राजनीति में गन्ना हमेशा केंद्रीय भूमिका निभाता रहा है। केवल आठ मिलें ही पूरी तरह भुगतान कर पाई हैं। जबकि बाकी मिलों में भुगतान आंशिक है या काफी पीछे चल रहा है। गन्ना इस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और भुगतान रुकते ही गांवों में नकदी का प्रवाह ठप हो जाता है। इसका असर खेती, बाजार और छोटे कारोबार तक दिखाई देने लगा है। मेरठ में हालात सबसे गंभीर हैं। यहां बजाज की किनोनी मिल पर किसानों का 60 प्रतिशत से अधिक गन्ना मूल्य बकाया है। इस मिल पर किसानों का लगभग 350 करोड़ रुपये बकाया है। भुगतान के लिए किसान दर-दर भटक रहे हैं, लेकिन उनकी सुनी नहीं जा रही है। जबकि मोहिउद्दीनपुर और सकौती मिलों पर भी करोड़ों रुपये लंबित हैं। मुजफ्फरनगर में 283 करोड़, सहारनपुर में 237 करोड़ और शामली में 312 करोड़ रुपये का भुगतान बाकी है। बागपत की मलकपुर चीनी मिल में मंगलवार को अपर गन्ना आयुक्त वीबी सिंह व डिप्टी केन कमिश्नर राजीव राय ने मिल अधिकारियों की बैठक ली। जहां किसानों का बकाया गन्ना भुगतान प्राथमिकता पर करने के निर्देश दिए। मलकपुर मिल पर किसानों का 2025-26 के पेराई सत्र का करीब 350 करोड़ रुपये बकाया है। यही हाल रमाला मिलों का भी है।

चीनी उत्पादन में महाराष्ट्र अव्वल

2025-26 के पेराई सत्र में प्रदेश का चीनी उत्पादन घटकर 89 लाख मीट्रिक टन रह गया, जो पिछले वर्ष 91 लाख मीट्रिक टन था। इस गिरावट के साथ प्रदेश देश का सबसे बड़ा चीनी उत्पादक राज्य नहीं रह गया और महाराष्ट्र आगे निकल गया। विशेषज्ञों के अनुसार यह बदलाव पूरे गन्ना अर्थतंत्र के दबाव का संकेत है।

खांडसारी की ओर झुके किसान

इस सत्र में गन्ना खांडसारी इकाइयों की ओर गया। कारण साफ है कि बेहतर दाम और जल्दी भुगतान। जहां मिलों का राज्य परामर्शित मूल्य करीब 400 रुपये प्रति क्विंटल रहा, वहीं खांडसारी इकाइयों ने 450 रुपये तक कीमत दी। इससे मिलों को पर्याप्त गन्ना नहीं मिला और उत्पादन प्रभावित हुआ।

अमृत विचार

लखनऊ, गुरुवार, 23 अप्रैल 2026

न्यूज ब्रीफ

गोरखपुर में विकास परियोजनाओं का आज लोकार्पण करेंगे योगी

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को सुबह 10 बजे राप्ती इको पार्क में आयोजित कार्यक्रम में गोरखपुर नगर निगम क्षेत्र की 497 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। करीब 1,055 करोड़ की लागत वाली इन परियोजनाओं में नौसड़-मलौनी सड़क मार्ग, कूड़ा निस्तारण व्यवस्था से विकसित राप्ती इको पार्क, सड़क निर्माण, पेयजल, सीवरेज और जल निकासी से जुड़ी योजनाएं शामिल हैं। इसके साथ ही मुख्यमंत्री स्वच्छ स्कूल अभियान के पोस्टर और टूलकिट का भी विमोचन करेंगे। यह कार्यक्रम गोरखपुर में शहरी आधारभूत ढांचे को मजबूत करने और स्वच्छता व विकास को नई गति देने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

परिवहन विभाग के कर्मियों का महंगाई भत्ता पांच फीसदी बढ़ा

अमृत विचार, लखनऊ : योगी सरकार ने परिवहन विभाग के करीब 14 हजार नियमित अधिकारियों और कर्मचारियों को बड़ी राहत देते हुए उनके महंगाई भत्ते (डीए) में 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने का फैसला किया है। इस निर्णय से कर्मचारियों के वेतन में 55 प्रतिशत की दर से महंगाई भत्ता दिया जाएगा। परिवहन विभाग की अपर मुख्य सचिव अर्चना अग्रवाल की ओर से 5 प्रतिशत महंगाई भत्ता बढ़ोतरी का आदेश जारी कर दिया गया है। अब निगम के पूर्णकालिक कार्मिकों को 7वें वेतनमान में 55 प्रतिशत महंगाई भत्ते की किश्त के भुगतान की स्वीकृति 1 जनवरी 2026 से दी गई है। महंगाई भत्ता (डीए) बढ़ाने को लेकर गठित एम्पावर्ड कमेटी की ओर से इसकी संस्तुति की गई थी। फिलहाल इसके लिए कोई एरियर अनुमन्य नहीं होगा। भविष्य में भत्ते की बढ़ी किश्तों के लिए पुनः कमेटी के सामने रखा जाएगा।

कृषि मंत्रियों की जोनल कांफ्रेंस कल

अमृत विचार, लखनऊ : विभिन्न प्रांतों के कृषि मंत्रियों के लिए राजधानी लखनऊ में 24 अप्रैल को 'जोनल कॉन्फ्रेंस-2026' का आयोजन किया जाएगा। यह सम्मेलन सुशांत गोल्फ सिटी स्थित द सेंट्रम होटल में होगा, जिसकी अध्यक्षता केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री करेंगे। सम्मेलन में उत्तर प्रदेश सहित उत्तराखंड, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, दिल्ली और जम्मू-कश्मीर के कृषि मंत्री शामिल होंगे। साथ ही चंडीगढ़ और लद्दाख के प्रतिनिधि भी भाग लेंगे। सुबह 9:30 बजे से शाम 7:30 बजे तक चलने वाले इस सम्मेलन में कृषि विकास, किसानों के कल्याण और विभिन्न योजनाओं पर विस्तार से चर्चा होगी। साथ ही क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने पर भी जोर दिया जाएगा।

केशव मौर्य ने प्रतिभाओं को किया सम्मानित

अमृत विचार, लखनऊ/प्रयागराज : प्रयागराज में आयोजित 'प्रतिभा सम्मान समारोह-2026' में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सफल अभ्यर्थियों को सम्मानित किया। यह कार्यक्रम संस्कृति आईएएस द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग-2024 में चयनित युवाओं को मेडल, प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशासनिक सेवा केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि राष्ट्र सेवा का अवसर है। साथ ही, युवाओं को ईमानदारी, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करने की प्रेरणा दी। उन्होंने प्रयागराज को प्रतियोगी छात्रों का प्रमुख केंद्र बताते हुए कहा कि यहां की पावन भूमि परिश्रम और सफलता की प्रेरणा देती है। इस मौके पर संस्थान के निदेशक अखिल मूर्ति समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

स्टूडेंट रिपोर्ट कार्ड सिस्टम से जुड़े 67,200 स्कूल

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश की परिषदीय शिक्षा व्यवस्था तेजी से डिजिटल और परिणाम आधारित मॉडल की ओर बढ़ रही है। निपुण विद्यालय मूल्यांकन के तहत 1.06 लाख से अधिक स्कूलों का आकलन किया गया, जिनमें से 67,200 से ज्यादा विद्यालय स्टूडेंट रिपोर्ट कार्ड सिस्टम से जुड़ चुके हैं। यह कुल का करीब 63 प्रतिशत है। इस प्रणाली ने पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत किया है। अब छात्रों की शैक्षणिक प्रगति का रियल-टाइम आकलन संभव हो गया है, जिससे शिक्षकों, अभिभावकों और विभाग के बीच समन्वय बेहतर हुआ है। विद्यार्थियों के अंक, ग्रेड, उपस्थिति और समग्र प्रदर्शन का डेटा ऑनलाइन उपलब्ध रहने से अभिभावक घर बैठे ही प्रगति देख पा रहे हैं। रिपोर्ट कार्ड डाउनलोड में बागपत, गाजियाबाद, सहारनपुर और सिद्धार्थनगर ने 100% उपलब्धि हासिल की। वहीं संत कबीर नगर, फिरोजाबाद, फतेहपुर, अंबेडकर नगर, चंदौली और मऊ ने भी उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की।

बंगाल की पहचान काबा नहीं, मां कालीबाड़ी से : योगी

पश्चिम बंगाल की चुनावी सभाओं में गरजे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, कहा- 4 मई को लहराएगा भगवा ध्वज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- टीएमसी आतंक, माफिया राज और भ्रष्टाचार का पर्याय, राज्य का अस्तित्व मिटाना चाहते हैं बुआ-भतीजा : योगी

अमृत विचार: यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पश्चिम बंगाल की चुनावी सभाओं में सत्तारूढ़ ममता बनर्जी सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि बंगाल की पहचान काबा से नहीं, मां कालीबाड़ी से है। उन्होंने आरोप लगाया कि बुआ-भतीजा (ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी) राज्य के अस्तित्व को कमजोर कर रहे हैं।

कोलकाता के जोरासांको में जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने दावा किया कि पहले चरण में भाजपा 80 प्रतिशत सीटें जीत रही है और 4 मई को राज्य में "भगवा ध्वज" लहराएगा। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वे बंगाल की अस्मिता के साथ खिलवाड़ करने वालों को लोकतांत्रिक तरीके से जवाब दें। योगी ने टीएमसी शासन को "आतंक, माफिया राज और भ्रष्टाचार का पर्याय" बताते हुए कहा कि यहां उद्योग बंद हो रहे हैं, नौजवान बेरोजगार हैं और किसान परेशान हैं। उन्होंने बंगाल की सांस्कृतिक विरासत का उल्लेख करते हुए रवींद्रनाथ टैगोर और बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय जैसे महापुरुषों का नाम लिया और आरोप लगाया कि टीएमसी शासन में उनकी विरासत का सम्मान नहीं हो रहा।

पश्चिम बंगाल के नदिया जिले के चकदहा में आयोजित चुनावी जनसभा में आए लोगों को संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

योगी ने कहा कि "गुरुदेव की धरा पर राजनीतिक कब्जा और प्रतीकों का अपमान बंगाल की आत्मा के खिलाफ है।"

वहीं, नदिया जिले के चकदहा में दूसरी सभा में योगी आदित्यनाथ ने 'डबल इंजन सरकार' का नारा देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश की तरह बंगाल में भी विकास, सुरक्षा और सांस्कृतिक पुनर्जागरण संभव है। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी बंकिम चंद्र घोष के समर्थन में मतदान की अपील करते हुए कहा कि "कमल निशान पर इतना वोट दीजिए कि विपक्ष की जमानत जब्त हो जाए।"

भाजपा को रोकने की औकात टीएमसी के गुंडों में नहीं

उदयनारायणपुर में टीएमसी के गुंडों की अराजकता व धमकी के बावजूद हजारों की भीड़ चिलचिलाती धूप में सिर पर गमछा और छाता लिए सीएम योगी को देखने-सुनने के लिए उमड़ पड़ी। योगी ने लोगों को आश्वस्त किया कि भाजपा को रोकने की औकात टीएमसी के गुंडों में नहीं है। 4 मई के बाद तृणमूल कांग्रेस के गुंडों की उल्टी गिनती शुरू हो जाएगी। योगी मंच पर भाजपा कार्यकर्ता स्व. सुबोध जीत की मां से मिले और उनका दर्द बांटा, फिर कहा कि टीएमसी के गुंडों ने सुबोध को मारकर उनके जैसे हजारों कार्यकर्ताओं को पैदा किया है।

यूपी बीज निगम कर्मियों को मिलेगा सातवां वेतनमान

अमृत विचार, लखनऊ: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उप्र. राज्य बीज विकास निगम के कर्मचारियों को सातवां वेतनमान देने का निर्णय लिया है। इस फैसले से लंबे समय से इसकी मांग कर रहे कर्मियों में खुशी की लहर है।

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही के प्रयासों से यह निर्णय संभव हो सका। अब तक निगम कर्मियों को सरकारी कर्मचारियों की तरह सातवें वेतन आयोग का लाभ नहीं मिल रहा था। निगम की वित्तीय स्थिति में पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। वर्ष 2019-20 से लगातार लाभ में चल रहा निगम वित्तीय वर्ष 2025-26 में 40 करोड़ रुपये से अधिक मुनाफा अर्जित करने की स्थिति में है। वहीं 2024-25 तक निगम का कुल संचित लाभ 143.07 करोड़ रुपये पहुंच चुका है।

सहायक आचार्य पुनर्परीक्षा की प्रोविजनल उत्तरकुंजी जारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/प्रयागराज

- आपत्तियां दर्ज करने की अंतिम तिथि 28 अप्रैल

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग ने 18 और 19 अप्रैल को आयोजित सहायक आचार्य लिखित पुनर्परीक्षा की प्रोविजनल उत्तरकुंजी जारी कर दी है। अभ्यर्थी आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध मास्टर सेट उत्तरकुंजी के माध्यम से अपने प्रश्नपत्र का मिलान कर सकते हैं।

आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने अभ्यर्थियों से सावधानीपूर्वक उत्तरों का मिलान करने की अपील की है। यदि किसी प्रश्न या उत्तर पर आपत्ति हो तो उसे केवल ऑनलाइन माध्यम से ही दर्ज किया जा सकेगा। इसके लिए आयोग ने विशेष लिंक जारी किया है, जहां अभ्यर्थी लॉगिन कर आपत्ति दर्ज कर सकते हैं। आपत्तियां दर्ज करने की अंतिम तिथि 28 अप्रैल 2026 की रात 12 बजे तक निर्धारित की गई है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि ऑफलाइन, ईमेल या डाक से भेजी गई आपत्तियां स्वीकार नहीं होंगी। यह पूरी प्रक्रिया उच्च न्यायालय में विचाराधीन विशेष अपील संख्या-368/2026 के आदेशों के अधीन संचालित की जा रही है।

'यदि मरीज के लिए वेंटिलेटर नहीं तो आंकड़े किस काम के'

विधि संवाददाता, लखनऊ

- हाईकोर्ट ने दी नसीहत- न्यूनतम मानकों को पूरा कर संतुष्ट न हों
- पूछा, प्राइवेट अस्पतालों की फीस पर नियंत्रण के लिए क्या कोई नियामक व्यवस्था है

अमृत विचार: हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान अस्पतालों में वेंटिलेटर की उपलब्धता को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। कोर्ट ने कहा है कि यदि मरीजों को आवश्यकता पड़ने पर वेंटिलेटर उपलब्ध ही नहीं हो पा रहे हैं तो वेंटिलेटरों की संख्या के संबंध में प्रस्तुत आंकड़ों का कोई औचित्य नहीं रह जाता। इन टिप्पणियों के साथ कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा है कि चिकित्सा सुविधाओं के लिए कुल बजट का कितना हिस्सा आवंटित किया गया है? अस्पतालों में सुविधाओं की स्थिति क्या है? मामले की अगली सुनवाई 25 मई को होगी।

उक्त आदेश न्यायमूर्ति राजन रॉय व न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की खंडपीठ ने वी द पीपल संस्था की ओर से दाखिल याचिका पर दिया है। कोर्ट ने कहा कि प्रश्न यह है कि क्या कोई भी अस्पताल इस स्थिति में है कि वह शपथपत्र पर यह कह सके कि जब भी किसी मरीज को वेंटिलेटर की आवश्यकता होती है तो अस्पताल उसे उचित समय के भीतर वेंटिलेटर उपलब्ध करा देगा। यदि ऐसा नहीं है, तो शपथपत्र में दिए गए आंकड़ों का कोई अर्थ नहीं रह जाता। प्रयास यह होना चाहिए कि पर्याप्त संख्या में वेंटिलेटर उपलब्ध कराए जाएं, ताकि वेंटिलेटर की अनुपलब्धता के कारण किसी की मृत्यु न हो। कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि प्रस्तुत आंकड़े इस पहलू पर संतोषजनक नहीं हैं। वस्तुतः ऐसा प्रतीत होता है कि राज्य में यह निर्धारित करने की कोई व्यवस्था ही नहीं है कि अस्पताल में वेंटिलेटर की मांग क्या है और जीवन बचाने हेतु कितने वेंटिलेटर उपलब्ध होने चाहिए। जब तक यह व्यवस्था विकसित नहीं की जाती, तब तक इस प्रकार के आंकड़े देना निरर्थक होगा। कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार इस पूरे विषय पर पुनर्विचार करे और सिर्फ राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम मानकों जैसे कि अस्पतालों में कुल बेड का 10 से 15 प्रतिशत वेंटिलेटर की उपलब्धता से संतुष्ट न रहे।

कोर्ट ने राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग और केंद्र सरकार को भी पक्षकार बनाते हुए नोटिस जारी करने का आदेश दिया है। न्यायालय ने निजी अस्पतालों व क्लीनिकों के नियमन तथा उनकी फीस और सेवाओं की निगरानी व्यवस्था की जानकारी भी मांगी। न्यायालय ने कहा कि सरकार यह भी स्पष्ट करे कि क्या किसी कानून, नियम या अन्य किसी प्रावधान के तहत निजी अस्पतालों के संचालन को नियंत्रित करने के लिए कोई नियामक व्यवस्था है, विशेषकर मरीजों के उपचार के लिए वसूले जाने वाले शुल्क के संबंध में। कोर्ट ने यह भी टिप्पणी की कि सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल केवल लखनऊ तक सीमित न रहें, बल्कि अन्य जिलों में भी विकसित किए जाएं। सरकारी डॉक्टरों के कम वेतन के कारण उनके निजी क्षेत्र में जाने की प्रवृत्ति पर भी कोर्ट ने चिंता जताई। कहा कि सरकारी डॉक्टरों को दिए जा रहे वेतन की पर्याप्तता का प्रश्न भी विचारणीय है, विशेषकर निजी अस्पतालों में कार्यरत डॉक्टरों को दिए जा रहे वेतन की तुलना में।

मतदाता अयोग्यता पर सपा का विरोध, सूची मांगी

अमृत विचार, लखनऊ: समाजवादी पार्टी ने बड़ी संख्या में मतदाताओं को अयोग्य घोषित किए जाने पर आपत्ति जताते हुए मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। पार्टी ने नो-मैपिंग और लॉजिकल एरर के आधार पर अयोग्य घोषित 3 लाख 50 हजार 436 मतदाताओं की विस्तृत सूची राजनीतिक दलों को उपलब्ध कराने की मांग की है।

प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल की ओर से दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि इन मतदाताओं की जनपद, विधानसभा और पोलिंग बूथवार सूची तत्काल साझा की जाए। साथ ही अयोग्य घोषित मतदाताओं को अपील के लिए दी गई अंतिम तिथि 25 अप्रैल 2026 को कम से कम 15 दिन बढ़ाने की मांग भी की गई है।

सपा का आरोप है कि 10 अप्रैल को प्रकाशित मतदाता सूची में कई नामों के सामने "डिलीटेड क्यू" अंकित किया गया है। कई मामलों में मामूली त्रुटियों के आधार पर मतदाताओं को लॉजिकल एरर श्रेणी में डालकर अयोग्य घोषित कर दिया गया, जबकि वे वर्षों से मतदान करते आ रहे हैं। पार्टी ने यह भी कहा कि सुनवाई के दौरान अयोग्यता के स्पष्ट कारण नहीं बताए गए, जो नियमों के विपरीत है।

महिला आरक्षण बिल 2023 में पास हो चुका है : अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कहा- नफरत फैलाना और समाज में दूरी बनाना ही भाजपा का प्रिय एजेंडा

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा संगठित गिरोह है। नफरत फैलाना और समाज में दूरी बनाना ही भाजपा का प्रिय एजेंडा है। भाजपा का आचरण निम्न स्तरीय है। वह सपा कार्यकर्ताओं के साथ दुश्मनों जैसा व्यवहार करती हैं।

सपा प्रमुख, बुधवार को सपा प्रदेश कार्यालय में अनुसूचित जाति-जनजाति के लिए सुरक्षित सीटों के पूर्व प्रत्याशियों और नेताओं की बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा महिला आरक्षण को लेकर भ्रम फैला रही है। देश में महिला आरक्षण बिल को 2023 में संसद से पास कर दिया है। लेकिन भाजपा के नेता झूठ बोलने से नहीं बाज आ रहे है। पीडीए की एकता से घबराई भाजपा जनता के बीच इसी तरह का प्रोपेगंडा चलाती है। भाजपा भ्रष्टाचार, लूट, महंगाई, बेरोजगारी

पार्टी नेताओं को संबोधित करते सपा प्रमुख अखिलेश।

से ध्यान हटाने के लिए झूठ का सहारा लेती है।

अखिलेश यादव ने कहा कि 2027 के लिए आज से ही काम शुरू करना है। बूथ स्तर पर विशेष ध्यान देना है, चुनाव जमीन पर ही होगा। दूसरों पर भरोसा नहीं करना है। अपनी ताकत पर निर्भर रहना है। 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने लोकतांत्रिक व्यवस्था के साथ खिलवाड़ किया था। लोकतंत्र को बचाना है।

संगठित ढांचे से तेज हुआ नशामुक्ति अभियान

अमृत विचार, लखनऊ: प्रदेश में नशे के खिलाफ चल रहा अभियान अब अधिक संगठित और प्रभावी रूप लेता जा रहा है। सरकार ने मद्यनिषेध विभाग के ढांचे को मजबूत कर इसे जनकेंद्रित बनाया है, जिससे नशामुक्ति के प्रयासों को नई गति मिली है।

विभाग अब केवल प्रशासनिक इकाई न रहकर समाज में जागरूकता फैलाने का सशक्त माध्यम बन गया है। विद्यालयों, ग्राम पंचायतों, स्वयं सहायता समूहों और सामाजिक संगठनों के जरिए अभियान चलाए जा रहे हैं। नुक्कड़ नाटक, पोस्टर प्रतियोगिता, सेमिनार और जनसंवाद के माध्यम से नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। विभाग में 7 क्षेत्रीय अधिकारी, 6 उप क्षेत्रीय अधिकारी, 27 जिला अधिकारी और 7 प्राविधिक पर्यवेक्षक तैनात किए गए हैं।

मनरेगा श्रमिकों के लिए 1789 करोड़ रुपये जारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- केंद्र ने पहली किस्त की मंजूर लंबित बकायों का होगा भुगतान
- पारदर्शिता के लिए डिजिटल भुगतान पर जोर

अमृत विचार : प्रदेश में मनरेगा श्रमिकों के लिए बड़ी राहत की खबर है। केंद्र सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के तहत पहली किस्त जारी करते हुए राज्य को 1789.79 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। इस राशि में पिछले वित्तीय वर्ष 2025-26 के करीब 1129.55 करोड़ रुपये के लंबित भुगतान भी शामिल हैं, जिससे श्रमिकों के बकाये का निपटारा जल्द हो सकेगा।

जारी बजट को विभिन्न श्रेणियों में बांटा गया है। इसमें अनुसूचित जाति के लिए 536.65 करोड़ रुपये, अनुसूचित जनजाति के लिए 45.53 करोड़ रुपये और अन्य श्रेणियों के लिए 1207.60 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी भुगतान तय गाइडलाइंस के अनुसार समय से किए जाएं और किसी भी प्रकार का दोहरा भुगतान न हो। उन्होंने कहा कि खर्च का पूरा विवरण 'मनरेगा सॉफ्ट' पोर्टल पर अनिवार्य रूप से दर्ज किया जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पूरी धनराशि 'नेशनल इलेक्ट्रॉनिक फंड मैनेजमेंट सिस्टम' (एनईएफएमएस) के माध्यम से सीधे श्रमिकों के बैंक खातों में भेजी जाएगी।

पार्टी का जनाधार बढ़ाएं कार्यकर्ता

अमृत विचार, लखनऊ : बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने सभी जिला अध्यक्षों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से कैडर के जरिए पार्टी का जनाधार बढ़ाने और आर्थिक मजबूती पर विशेष ध्यान देने को कहा है।

बसपा प्रमुख ने बुधवार को पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं। निर्देश दिया कि बैठकों में बीएसपी सरकार के दौरान हुए विकास कार्यों और जनहित योजनाओं को जनसामान्य को प्रमुखता से बताया जाए। उन्होंने बताया कि वह पार्टी कार्य से दिल्ली जा रही हैं और कार्य पूरा होते ही जल्द वापस लौटेंगी। महिला आरक्षण मुद्दे पर धरना-प्रदर्शन न करने की हिदायत देते हुए कार्यकर्ताओं से कहा कि इस मुद्दे पर भ्रम न फैलने दें।

आरटीई : 25 अप्रैल तक हर हाल में लक्ष्य पूरा करने के निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- शत-प्रतिशत नामांकन को लेकर प्रदेश सरकार सख्त
- डीएम और बीएसए ने लापरवाही की तो कार्रवाई तय

अमृत विचार: शिक्षा का अधिकार (आरटीई) के तहत गरीब बच्चों के नामांकन में धीमी प्रगति पर प्रदेश सरकार ने सख्त रुख अपना लिया है। अपर मुख्य सचिव, बेसिक व माध्यमिक शिक्षा सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने सभी जिलाधिकारियों और बेसिक शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिया है कि 25 अप्रैल तक हर हाल में शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित किया जाए।

वर्ष 2026-27 के लिए आरटीई के तहत 1,95,740 बच्चों का आवंटन किया गया है, लेकिन अब तक केवल 1,08,866 बच्चों का ही प्रवेश हो सका है। इस पर सरकार ने गंभीर संज्ञान लेते हुए शेष बच्चों के दाखिले के लिए फील्ड स्तर पर तेज कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। निर्देश में स्पष्ट कहा गया है कि जिन बच्चों का अभी तक नामांकन नहीं हुआ है, उनकी सूची तैयार कर तत्काल संबंधित विद्यालयों से समन्वय स्थापित किया जाए और प्रवेश प्रक्रिया पूरी कराई जाए। किसी भी स्तर पर देरी या लापरवाही स्वीकार नहीं होगी। सरकार ने पूरे अभियान की सख्त मॉनिटरिंग के निर्देश दिए हैं। जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग को रोजाना प्रगति की समीक्षा करने को कहा गया है, ताकि तय समयसीमा के भीतर लक्ष्य हासिल किया जा सके।

अब ऐसे होगी कार्रवाई

- लंबित बच्चों की सूची तैयार कर तत्काल प्रवेश
- स्कूलों से समन्वय बढ़ाकर प्रक्रिया तेज
- रोजाना प्रगति की समीक्षा अनिवार्य
- समयसीमा से चूकने पर जिम्मेदारी तय

क्या है आरटीई प्रावधान

शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत निजी विद्यालयों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों के लिए 25 प्रतिशत सीटें आरक्षित रहती हैं। इन सीटों पर चयनित बच्चों का प्रवेश सुनिश्चित कराना सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी होती है।

आरोप | गोरखपुर में नारी शक्ति वंदन सम्मेलन में विपक्षी दलों पर योगी ने साधा निशाना

महिला विरोधी हैं कांग्रेस व सपा के कारनामे : मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गोरखपुर

- बोले-महिलाओं को नेतृत्व का अधिकार नहीं देना चाहती हैं विपक्षी पार्टियां

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक को पारित न होने देने वाली कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा) सहित सभी विपक्षी दलों पर एक बार फिर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि ये पार्टियां महिलाओं को नेतृत्व का अधिकार नहीं देना चाहती हैं। कांग्रेस और सपा का इतिहास और उनके कारनामे महिला विरोधी हैं।

योगी बुधवार शाम योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित नारी शक्ति वंदन सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को महिलाओं का अधिकार बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में देश में जब नया संसद भवन बना तो पीएम ने नए संसद भवन में सबसे पहला अधिनियम नारी शक्ति वंदन का ही पारित कराया। उन्होंने कहा कि संशोधन विधेयक के जरिये 2029 के लोकसभा चुनाव से ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महिलाओं को कानून बनाने और उसके क्रियान्वयन में भागीदारी का अधिकार देना चाहते हैं लेकिन विधेयक के गिरने पर जश्न मनाने वाले महिला विरोधी विपक्ष को यह मंजूर नहीं है। उन्होंने इसके लिए मुख्य रूप से कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, टीएमसी और डीएमके को जिम्मेदार ठहराया।

कार्यक्रम के दौरान बच्चे का अन्प्राशन संस्कार कराते मुख्यमंत्री योगी।

महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी आवश्यक

योगी ने कहा कि आत्मनिर्भर और विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी आवश्यक है। पंचायतों और स्थानीय निकायों में महिलाओं को सुनिश्चित प्रतिनिधित्व मिल गया है और उसके परिणाम भी सुखद हैं। राज्य में 54 प्रतिशत ब्लॉक प्रमुख महिलाएं ही हैं। इसी तरह ग्राम पंचायतों और जिला पंचायतों को देखें तो महिलाओं की भागीदारी 50 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी। सीएम ने कहा कि अब संसद और विधानसभाओं में भी महिलाओं 33 प्रतिशत आरक्षण देने का अभियान पीएम मोदी ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के जरिये शुरू किया तो सपा, कांग्रेस जैसे महिला विरोधी दल बहानेबाजी करने और लटकाने-भटकाने पर उतर आए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस और सपा के कारनामे शुरू से ही महिला विरोधी रहे हैं। कांग्रेस ने महिलाओं, दलितों, वंचितों, पिछड़ो के अधिकार में हमेशा बाधा डालने का काम किया। जबकि सपा तो घोषित रूप से नारी विरोधी है। सपा के बारे में यह कहा भी जाता है, 'देख सपाई, बिटिया घबराई।'

कौशल विकास कार्यक्रमों को रोजगार से जोड़ें : कपिल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

मंत्री कपिल देव अग्रवाल

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने के लक्ष्य के तहत सरकार ने कौशल विकास योजनाओं पर फोकस बढ़ा दिया है। राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने निर्देश दिए कि स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रमों को सीधे रोजगार से जोड़ा जाए, ताकि प्रशिक्षण के बाद युवाओं को तुरंत अवसर मिल सकें।

समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि कौशल विकास केवल प्रशिक्षण तक सीमित न रहकर युवाओं को इंडस्ट्री-रेडी बनाने पर केंद्रित होना चाहिए। इसके लिए आईटीआई संस्थानों में गुणवत्ता सुधार, आधुनिक तकनीकों को शामिल करने और पाठ्यक्रम को उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप अपडेट करने पर जोर दिया गया।

मंत्री ने आईटीआई के आधुनिकीकरण, टाटा टेक्नोलॉजीज के साथ सहयोग और ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग को बढ़ावा देने की बात कही। साथ ही बढ़ते ड्रॉपआउट पर चिंता जताते हुए समाधान लागू करने के निर्देश दिए। 'प्रोजेक्ट प्रवीण' के तहत न्यू एज टेक्नोलॉजी आधारित कोर्स शुरू कर युवाओं को रोजगार योग्य बनाने पर भी बल दिया गया।

मिलते-जुलते नामों, डिज़ाइन व कलर स्कीम से भ्रमित न हों
केवल असली होलोग्राम युक्त एम. के. बन्धानी हींग ही खरीदें
पाँच पीढ़ी की विश्वसनीय हींग परम्परा
पुष्पश्लोक गोलोकवासी बाबू किशोर चन्द कपूर "किशोर" जी के आशीर्वाद से अभिसिंचित एवम् संचालित
एम. के. बन्धानी हींग
श्री के. एम. डिस्ट्रीब्यूटर

विक्रय केन्द्र : नारायन प्लाजा, 51/71 नयागंज कानपुर 208001, फोन - 9519456555, 9695416555

427 हज यात्रियों को लेकर पहली उड़ान रवाना

इस बार की हजयात्रा बेहतर अनुभव वाली होगी : अंसारी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : हज- 2026 के लिए बुधवार को लखनऊ से 427 यात्रियों को लेकर पहली उड़ान रवाना हुई। पहली उड़ान में 222 पुरुष और 205 महिलाएं शामिल रहीं। अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी ने हज हाउस में हज यात्रियों को झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर शिया-सुन्नी धर्मगुरु भी मौजूद रहे।

दानिश आजाद अंसारी ने हज यात्रियों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सन्देश देते हुए कहा कि हज के दौरान जब वह अपने हाथ दुआ के लिए उठायें तो अपने प्रदेश और देश की तरक्की के लिए भी दुआ करें। उन्होंने कहा कि हज का 40 दिनों का सफ़र सुकून के साथ पूरा हो इसके लिए सरकार ने पूरी तैयारियां की हैं। प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर मैंने मक्का और मदीना में जाकर सारी व्यवस्थाएं खुद देखी हैं। अच्छे होटलों का चयन किया है। हज के दौरान आने-जाने की बेहतर व्यवस्थाएं और अच्छे खाने का इंतजाम भी किया है।

इस मौके पर मौलाना उमैर इलयासी साहब, मौलाना यासूब अब्बास, मौलाना सुफियान निजामी, मौलाना सैयद अजीज अशरफ, मौलाना सैफ अब्बास, संयुक्त निदेशक अल्पसंख्यक कल्याण आरपी सिंह, सचिव राज्य हज समिति एसपी तिवारी भी मौजूद रहे।

स्मार्ट वाच करेगी हजयात्रियों की मदद

उन्होंने बताया कि हज यात्रियों को जो किट दी गई है उसमें एक स्मार्ट वाच भी है। यह पहला हज है जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल किया गया है। इस स्मार्ट वाच में अजान के समय की जानकारी मिलेगी। इसमें जीपीएस ट्रैकर लगाया गया है। गम हो जाने की स्थिति में यह वाच तलाश में मदद करेगी। इसके ऊपरी भाग में एक इमरजेंसी बटन है, इसे दबाने के 5 मिनट के अन्दर सहायता उपलब्ध हो जायेगी।

5 घंटे देरी से रवाना हुई हज की उड़ान

लखनऊ से हज की पहली उड़ान दोपहर 2:20 बजे रवाना होनी थी लेकिन मौसम की खराबी की वजह से यह उड़ान शाम 7:41 बजे रवाना हुई। हज यात्रियों को लेकर फ्लाईनास एयरलाइन्स रवाना हुई। पिछले साल तक सऊदी एयरलाइन्स की उड़ान हज यात्रियों को ले जाती थी, इस बार पहली बार फ्लाईनास एयरलाइन्स के साथ सरकार ने अनुबंध किया। यह एयरलाइन्स भी सऊदी अरब के रियाद की है लेकिन इसका किराया सऊदी एयरलाइन्स से कम है।

पहली बार भगवा झंडे से दी गई हजयात्रियों को विदाई

किसी भी शुभ यात्रा में हरी झंडी दिखाकर सफ़र की शुरुआत की परम्परा रही है लेकिन इस बार उत्साह इतना ज्यादा था कि हजयात्रियों को भगवा झंडा दिखाकर रवाना कर दिया गया। बाद में इस तरफ ध्यान दिलाया गया तो फ़ौरन ही हरी झंडी के साथ फोटो सेशन करा लिया गया।

हरी झंडी दिखाकर हज यात्रियों को रवाना करते अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी।

आरईपीएल क्रूसेडर्स और ध्रुव एकेडमी के बीच होगी खिताबी जंग

अमृत विचार, लखनऊ: सीसीबी टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल ध्रुव क्रिकेट एकेडमी और आरईपीएल क्रूसेडर्स के बीच खेला जाएगा। दोनों टीमों ने अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबले जीतकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई है। पहले सेमीफाइनल में ध्रुव क्रिकेट एकेडमी ने अंश यादव की शानदार बल्लेबाजी के दम पर यार्कर क्रिकेट क्लब को 17 रन से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए ध्रुव ने तीन विकेट पर 158 रन बनाए, जिसमें अभिषेक पाण्डेय ने नाबाद 58 और अंश यादव ने नाबाद 57 रन बनाए। जवाब में यार्कर की टीम छह विकेट पर 141 रन ही बना सकी। ध्रुव की ओर से दीपक यादव ने तीन विकेट लिए। दूसरे सेमीफाइनल में आरईपीएल क्रूसेडर्स ने प्रिंस आर्या की घातक गेंदबाजी के बदौलत कल्पना क्रिकेट फाउंडेशन को 27 रन से पराजित किया।

न्यूज ब्रीफ

स्कूलों की छुट्टी के बाद लगा लंबा जाम

अमृत विचार, लखनऊ: हजरतगंज और आसपास के इलाकों में दोपहर के समय स्कूलों की छुट्टी के बाद ट्रैफिक जाम की स्थिति सुधरने का नाम नहीं ले रही है। बुधवार को हजरतगंज के चारों ओर लोग घंटों जाम में फंसे रहे। इस दौरान स्कूल वैन में सवार बच्चे भी भीषण गर्मी में बेबस नजर आए। जाम का मुख्य कारण स्कूलों के बाहर सड़क पर खड़ी गाड़ियां और अभिभावकों द्वारा अनियंत्रित तरीके से पार्क वाहन है। दोपहर करीब 1:30 बजे छुट्टी के समय फुटपाथ से लेकर मुख्य सड़क तक वाहनों का कब्जा होने से स्थिति गंभीर हो गई। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि कोर्ट ने स्कूलों को छुट्टी के समय ट्रैफिक मार्शल तैनात करने के निर्देश दिए थे। इसके लिए 20 से अधिक स्कूलों के प्रतिनिधियों को ट्रेनिंग भी दी गई थी, लेकिन जाम के समय मार्शल मौके से नदारद रहते हैं।

कोतवाली में मारपीट का आरोपी प्रधान जिला बदर

अमृत विचार, लखनऊ: मोहनलालगंज एसीपी कार्यालय व कोतवाली में हुई मारपीट में शामिल रहे कल्ली पूरब ग्राम प्रधान राम खेलावन को पुलिस ने तीन महीने के लिए जिला बदर किया है। एसीपी विकास पांडेय ने बताया कि जेसीपी कानून एवं व्यवस्था की कोर्ट से ग्राम प्रधान राम खेलावन को तीन माह के लिए जिला बदर किया गया है। कुछ समय पहले गांव व बाद में मोहनलालगंज कोतवाली व एसीपी आफिस परिसर में दो पक्षों में रास्ते को लेकर मारपीट हुई थी। इसमें विपक्षियों ने ग्राम प्रधान पर मारपीट का आरोप लगाया था।

लखनऊ के ओम पहुंचे सेमीफाइनल में

अमृत विचार, लखनऊ: शहर के ओम यादव ने बुधवार को आइटा पुरुष टेनिस चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त मुकिल रामानन को हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। आशियाना स्थित उन्नाद टेनिस एकेडमी में खेले गए मुकाबले में ओम ने पहले सेट में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी की और 4-6, 7-6(2), 6-4 से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ उन्होंने यूपी की पदक उम्मीदों को बनाए रखा। टॉप सीड मयंक शर्मा (दिल्ली) ने गुजरात के देवराज गोहिल को 6-1, 6-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। तीसरी वरीयता प्राप्त पार्थ पाटिल (महाराष्ट्र) ने सौरव यादव (दिल्ली) को 6-2, 6-3 से पराजित किया, जबकि पंजाब के आदित्य तिनजैन ने ऋषि यादव को 6-1, 6-1 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। मयंक शर्मा (दिल्ली) व एकलव्य सिंह (यूपी) ने देवराज गोहिल व अभिषेक को 6-1, 6-1 से हराया। प्रतीक श्योराण (हरियाणा) व ध्रुव शर्मा व सचिन को 6-3, 6-1 से मात दी।

विदाई समारोह में छात्राओं ने साझा की यादें

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: नवयुग कन्या महाविद्यालय में बीए तृतीय वर्ष की छात्राओं का विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं ने महाविद्यालयीन जीवन की यादें साझा कीं, जिससे माहौल भावुक और उत्साहपूर्ण बना रहा। आयोजन निलाक्षी शर्मा, वेदिका तिवारी, कोमल रावत, रोशनी, खुशी और शुभांगी की टीम ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्या व शिक्षकों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। मुस्कान मिश्रा ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की, जबकि संचालन मुस्कान मिश्रा और अरुंधति ने किया।

कार्यक्रम में रोशनी, वेदिका और निलाक्षी के नृत्य तथा शुभांगी सिंह की स्टैंड-अप कॉमेडी ने सभी का मनोरंजन किया। टाइटल सेरेमनी में रैम्पवॉक, टैलेंट और प्रश्नोत्तरी के आधार पर दिव्यांशी को मिस फेयरवेल 2026 चुना गया। रश्मि सिंह प्रथम उपविजेता और नंदिता यादव द्वितीय उपविजेता रहीं। वैष्णवी श्रीवास्तव को ऑल राउंडर और शीतल मिश्रा को ब्यूटीफुल स्माइल का खिताब मिला। प्राचार्या डॉ. मंजुला उपाध्याय ने छात्राओं को शुभकामनाएं दीं।

नवयुग कन्या महाविद्यालय में आयोजित विदाई समारोह में छात्राएं प्राचार्या व शिक्षिकाएं।

डिग्री कॉलेज में विदाई समारोह का आयोजन

अमृत विचार, लखनऊ: खुनखुन जी डिग्री कॉलेज में बीए, बीकॉम व एमए अंतिम वर्ष की छात्राओं के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन व सरस्वती वंदना के साथ हुई। प्राचार्या एवं शिक्षकों ने विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। छात्राओं ने अपने कॉलेज जीवन की यादों को साझा किया और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से सभी का मन मोह लिया। समारोह का मुख्य आकर्षण "मिस खुन खुन जी" का चयन रहा, जिसमें प्रतिभागियों ने आत्मविश्वास और अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में मिस खुन खुन जी का खिताब मसरत उन निसा को प्रदान किया गया। वहीं आशी सिंह को प्रथम रनर-अप एवं तुसी करयप को द्वितीय रनर-अप घोषित किया गया। इसके साथ ही महाविद्यालय में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए ऑल राउंडर स्टूडेंट्स के रूप में बीए से भूमि सक्सेना, बीकॉम से फरहत शिरीन एवं एमए से अंजलि साहू को सम्मानित किया गया।

खुनखुन जी डिग्री कॉलेज में विदाई समारोह में उपस्थित छात्राएं व प्राचार्या।

आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों ने विधानसभा का किया घेराव

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: 69000 शिक्षक भर्ती से जुड़े अभ्यर्थियों ने बुधवार को जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। "योगी बाबा न्याय करो" और "न्याय नहीं तो इस्तीफा दो" जैसे नारों के साथ अभ्यर्थियों ने अपनी नाराजगी जताई। प्रदर्शन के दौरान अभ्यर्थी दो गुटों में बंट गए। एक समूह ने चारबाग रेलवे स्टेशन के पास भीख मांगकर विरोध दर्ज कराया, जबकि दूसरे समूह ने विधानसभा का घेराव किया।

अभ्यर्थियों का आरोप है कि भर्ती प्रक्रिया में अनियमितताओं और सुप्रीम कोर्ट में कमजोर पैरवी के चलते उन्हें वर्षों से नियुक्ति नहीं मिल सकी। उन्होंने कहा कि आरक्षण घोटाले के बावजूद सरकार कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रही है। उनका दावा है कि वे हाई कोर्ट और आयोगों से न्याय पा चुके हैं, फिर भी नियुक्ति लंबित है। प्रदर्शन के दौरान पुलिस और अभ्यर्थियों के बीच करीब आधे घंटे तक धक्का-मुक्की और नोकझोंक हुई। हालात बिगड़ने पर पुलिस ने कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर ईको गार्डन भेज दिया। महिला अभ्यर्थियों ने पुलिस पर अभद्रता के आरोप लगाए। अभ्यर्थियों का कहना है कि वे पिछले पांच वर्षों से लगातार संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन सरकार की ओर से केवल आश्वासन ही मिला है और उनका भविष्य अधर में लटका हुआ है।

विधानसभा के सामने विरोध प्रदर्शन करते शिक्षक अभ्यर्थी।

• पुलिस से झड़प, भीख मांगकर जताया विरोध

ई-एफआईआर से लेकर डॉयल 1090 तक छात्राओं ने ली जानकारी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में छात्राओं ने महिला सुरक्षा के विभिन्न उपक्रमों की जानकारी ली। इंटरनेट के माध्यम से दर्ज होने वाले एफआईआर और 1090,112 कैसे काम करता है की जानकारी दी गई। इस अवसर पर महिला सुरक्षा कानूनी बदलाव व ई-एफआईआर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। कॉलेज फॉर डेफ में हुए कार्यक्रम में मुख्य वक्ता एसीपी, महिला अपराध, यूपी-112 और मीडिया व साइबर सेल सौम्या पाण्डेय रहीं। नारी शक्ति वंदन के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता ने महिलाओं की सुरक्षा से संबंधित विभिन्न कानूनी प्रावधानों, बीएनएस (भारतीय न्याय संहिता) की धाराओं एवं उपधाराओं पर विस्तार से जानकारी दी। छात्राओं को ई-एफआईआर की प्रक्रिया और इसके महत्व के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि किस प्रकार महिलाएं अपने साथ होने वाले शोषण व अत्याचार के मामलों में त्वरित कार्रवाई कर सकती हैं। कार्यक्रम का संचालन संयोजक डॉ. विजय कुमार वर्मा ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता शैक्षणिक प्रो. वीके सिंह, प्रो. एके दुबे, डॉ. शैलजा सिंह, डॉ. सौम्या शंकर, डॉ. अमर कुमार सहित अन्य शिक्षकगण व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में मौजूद छात्र-छात्राएं शिक्षक व पुलिस अधिकारी।

50 से अधिक विद्यार्थी नामी कंपनियों में चयनित

अमृत विचार, लखनऊ: डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के छात्रों ने विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों में चयनित हुए हैं। प्रवक्ता प्रो. यशवंत वीरोदय ने बताया कि हालिया प्लेसमेंट ड्राइव में अलग-अलग पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों को प्रमुख कंपनियों में अवसर प्राप्त हुए हैं। प्लेसमेंट डायरेक्टर बिराग दीक्षित ने बताया कि पांच विद्यार्थियों को 8.50 लाख रुपए तक का ऑफर मिला। विवि के 50 से अधिक विद्यार्थियों को प्लेसमेंट मिला। कुलपति आचार्य संजय सिंह ने सभी विद्यार्थियों को बधाई दी। प्लेसमेंट डायरेक्टर बिराग दीक्षित ने बताया कि वर्चुअल प्लेसमेंट ड्राइव में एमबीए के पांच छात्रों का चयन टेस्ट ऑफ मोम बिहार में 8.50 रुपए प्रतिवर्ष वेतन पर मैनेजमेंट ट्रेनी पद पर हुआ। चयनित छात्रों में आकांक्षा दीक्षित, अभिजीत कुमार, चंचल, प्रियंशु दोसर और राहुल यादव शामिल हैं।

सिटी डायरी

न्याय संहिता व ई-एफआईआर पर हुआ संवाद

कार्यक्रम में मौजूद शिक्षाविद।

अमृत विचार, लखनऊ: भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय में बुधवार को भारतीय न्याय संहिता, ई-एफआईआर और महिलाओं के नेतृत्व में विकास विषयों पर संवाद कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में शिक्षाविदों, विधि विशेषज्ञों और विद्यार्थियों ने भाग लिया। भारतीय न्याय संहिता एवं ई-एफआईआर विषय पर आयोजित सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. मांडवी सिंह ने की। मुख्य वक्ता उच्च न्यायालय की वरिष्ठ अधिवक्ता बुलबुल गोडियाल ने न्याय व्यवस्था में हो रहे आधुनिक परिवर्तनों पर प्रकाश डालते हुए ई-एफआईआर की उपयोगिता, पारदर्शिता और सुलभता को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि अब शिकायत दर्ज करना आसान हो गया है। डिजिटल साक्ष्य, जैसे व्हाट्सएप, की स्वीकार्यता और महिलाओं से जुड़े मामलों में महिला पुलिस अधिकारी की भूमिका पर भी जानकारी दी।

बैठक में उपस्थित मंडल रेल प्रबंधक सुनील कुमार वर्मा व अन्य।

डीआरयूसीसी बैठक आयोजित

अमृत विचार, लखनऊ: उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल में बुधवार को मंडल रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति (डीआरयूसीसी) की बैठक मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मंडल रेल प्रबंधक सुनील कुमार वर्मा ने की। इसमें समिति सदस्यों, अपर मंडल रेल प्रबंधक और विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में मंडल की उपलब्धियों और चल रहे विकास कार्यों की जानकारी साझा की गई। यात्री सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए सदस्यों से सुझाव भी लिए गए। प्रमुख सुझावों में गोमती एक्सप्रेस के सामान्य कोच अपग्रेड करना, लखनऊ-हरदोई के बीच पैसेंजर व ईएमयू ट्रेन चलाना, गौरीगंज स्टेशन पर प्लेटफॉर्म शेड बढ़ाना तथा आलमनगर स्टेशन का नाम बाबा बुढ़ेश्वर धाम करने जैसे प्रस्ताव शामिल रहे।

एस्कॉर्ट्स कुबोटा का नया ट्रैक्टर।

एस्कॉर्ट्स कुबोटा ने डिजिट्रैक सीरीज़ का किया विस्तार, तीन नए ट्रैक्टर लांच

अमृत विचार, लखनऊ: एस्कॉर्ट्स कुबोटा लिमिटेड ने अपने पॉवरट्रैक ब्रांड के तहत डिजिट्रैक सीरीज़ का विस्तार करते हुए तीन नए ट्रैक्टर मॉडल लांच किए हैं। अब यह सीरीज़ दो से बढ़कर पांच मॉडलों की हो गई है, जिसमें 45 से 55 हॉर्सपॉवर तक के ट्रैक्टर शामिल हैं। कंपनी ने नए मॉडल डिजिट्रैक पीपी 46आई्ई डब्ल्यूडी, पीपी 43आई प्लस और पीपी 41आई पेश किए हैं। ये ट्रैक्टर आधुनिक खेती और भारी ढुलाई के कामों के लिए डिजाइन किए गए हैं। सभी मॉडलों में बड़ा इंजन, 12 फॉरवर्ड और 3 रिवर्स गियरबॉक्स, स्वतंत्र पीटीओ और 2000 किलोग्राम तक की लिफ्ट क्षमता दी गई है।

प्रतियोगिता में सम्मानित किए गए बच्चे।

युवाओं से पर्यावरण बचाने की अपील

अमृत विचार, लखनऊ: पृथ्वी को सुरक्षित और हरा-भरा बनाने की जिम्मेदारी युवा पीढ़ी पर है। आंचलिक विज्ञान नगरी में पृथ्वी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में वैज्ञानिकों ने युवाओं से जीवनशैली में बदलाव लाने की अपील की। उन्होंने प्लास्टिक का उपयोग कम करने, कचरा घटाने, बिजली-पानी बचाने और सार्वजनिक परिवहन अपनाने पर जोर दिया।

आयोजन | बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत हुआ कार्यक्रम

पोषण के साथ औषधीय गुणों से युक्त होते हैं फंक्शनल फूड

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें मुख्य वक्ता आहार एवं पोषण विभाग की प्रो. सुनीता मिश्रा ने न्यूट्रास्यूटिकल्स और फंक्शनल फूड्स की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि ये ऐसे खाद्य पदार्थ होते हैं जो न केवल पोषण प्रदान करते हैं, बल्कि औषधीय गुणों से युक्त होकर स्वास्थ्य के संवर्धन, रोगों की रोकथाम और उपचार में भी सहायक होते हैं।

प्रो. मिश्रा ने कहा कि आधुनिक जीवनशैली में इनका महत्व लगातार बढ़ रहा है, क्योंकि ये शरीर को आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति के साथ विभिन्न बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं। उन्होंने पोषक तत्वों, हर्बल सप्लीमेंट्स और उनकी उचित मात्रा के बारे में भी जानकारी दी।

संतुलित आहार के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने बताया कि सही खानपान बेहतर स्वास्थ्य की आधारशिला है। साथ ही ग्लूकोज, सुक्रोज, फ्रक्टोज, कोएंजाइम और हर्बल तत्वों की उपयोगिता पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम में शिक्षक, कर्मचारी, शोधार्थी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पोषण कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागी व विशेषज्ञ।

न्यूज ब्रीफ

मिनटों में ओरल कैंसर की जांच करेगा 'ऑनकोकॉन्टिस'

अमृत विचार, लखनऊ : डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के इनोवेशन हब में इन्क्युबेटेड एक स्टार्टअप ने ओरल कैंसर की त्वरित जांच के लिए 'ऑनकोकॉन्टिस' डिवाइस विकसित की है। इस उपकरण के जरिए कुछ ही मिनटों में प्रारंभिक जांच संभव होगी। कंपनी अनविद रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड, जिसे डॉ. पवन कुमार राय और आमान आरिफ संचालित कर रहे हैं, ने यह तकनीक तैयार की है। डिवाइस में हाई डेफिनिशन कैमरा लगाया गया है, जो मुंह की 360 डिग्री इमेज लेकर स्क्रीन पर प्रदर्शित करता है। साथ ही यह सांसों के जरिए कैंसर के लक्षणों की पहचान करने में सक्षम है। एआई आधारित यह उपकरण फिलहाल प्रोटोटाइप चरण में है। इसी स्टार्टअप ने 'प्राणा एक्सपर्ट' डिवाइस भी विकसित किया है, जो सांसों के विश्लेषण के जरिए टीबी, किडनी और लीवर से जुड़ी समस्याओं की जांच में सहायक है। इसके अलावा एक अन्य स्टार्टअप द्वारा एआई आधारित मेंटॉर सॉफ्टवेयर विकसित किया जा रहा है, जो निवेशकों को सही दिशा में मार्गदर्शन देगा।

रश्मिरथी पर्व से पहले ही नियम उल्लंघन के लगे आरोप

अमृत विचार, लखनऊ : राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की कृति रश्मिरथी की हीरक जयंती पर 24 से 26 अप्रैल तक लखनऊ में प्रस्तावित 'रश्मिरथी पर्व' आयोजन पर नियमावली उल्लंघन के आरोप लग गए हैं। थियेटर एंड फिल्म वेल्फेयर एसोसिएशन ने मुख्य सचिव को पत्र भेजकर कार्यक्रम में नाटकों पर 10-10 लाख रुपये खर्च किए जाने को शासकीय धन का दुरुपयोग बताया है। शिकायत के अनुसार तीन दिवसीय आयोजन पर कुल 1 करोड़ 90 लाख 25 हजार रुपये खर्च किए जा रहे हैं, जो संस्कृति विभाग की दिसंबर 2022 की नियमावली के विपरीत है। नियमावली में पद्मश्री सम्मानित कलाकारों को भी अधिकतम 2 से 5 लाख रुपये तक मानदेय निर्धारित है। एसोसिएशन ने मांग की है कि पूरे बजट का सीएजी से ऑडिट कराया जाए और व्यय का विवरण सार्वजनिक किया जाए। साथ ही दोषी अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और बजट का पुनर्निर्धारण होने तक कार्यक्रम स्थगित करने की मांग उठाई गई है। संस्था के सचिव दबीर सिद्दीकी ने चेतावनी दी है कि यदि कार्रवाई नहीं हुई तो मामले को हाईकोर्ट में चुनौती दी जाएगी।

कॉलसेंटर कर्मी से मोबाइल लूटा

अमृत विचार, आलमबाग : आशियाना में बाइक सवार बदमाशों ने सरेराह युवक का मोबाइल फोन लूट लिया। मूल रूप से संडीला हरदोई निवासी रोहित कुमार जगरिया ने बताया कि वह आशियाना थाना क्षेत्र में संचालित कम्पनी 102 कॉल सेंटर मैं नौकरी करता है। वे कृष्णा नगर कोतवाली इलाके स्थित बरिगवां में किराये पर रहता है। 19 अप्रैल की रात्रि को 12.15 ड्यूटी खत्म करके घर जा रहा था। रास्ते में आशियाना थाना क्षेत्र बीएसएनएल आफिस के पास बाइक सवार दो बदमाशों ने झपटा मारकर मोबाइल छीन फरार हो गए। बाइक पर कोई नंबर प्लेट भी नहीं थी।

बंद मकान में लाखों की चोरी

अमृत विचार, आलमबाग : कृष्णानगर के विजय नगर में चोरों ने एक बंद मकान का ताला तोड़कर 70 हजार की नगदी और लाखों रुपये के जेवर पर हाथ साफ कर दिया। मूलरूप से जालौन निवासी कारोबारी पुष्पेंद्र मानस नगर स्थित आवासीय विद्यालय के सामने बने आरएन वर्मा के मकान में पत्नी वंदना और दो बेटे रोहन और प्रिंस संग रहते है। 20 अप्रैल को वह परिवार के साथ साली की शादी में शामिल होने गए थे। वापस लौटे तो मेन गेट का ताला टूटा मिला।

लिट्रोटोपिया में दिखी संस्कृति की झलक

अमृत विचार, लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में "लिट्रोटोपिया– द वर्ल्ड ऑफ लिटरेचर" शीर्षक से साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम संयोजक प्रो. तनवीर ख़दीजा ने स्वागत भाषण में साहित्य की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला, जबकि संचालन शिखा सिंह और सादफ फातिमा ने किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने कविता पाठ, माइम एक्ट, गीत प्रस्तुति और फ्रांसीसी दार्शनिकों के विचारों पर चर्चा प्रस्तुत की। मुख्य आकर्षण बीए और एमए छात्रों द्वारा मैक्बेथ नाटक का प्रभावशाली मंचन रहा, जिसने दर्शकों को बांधे रखा।

फर्जी डॉक्टर प्रकरण में कई विभागों तक पहुंची जांच की आंच

केजीएमयू : लारी कार्डियोलॉजी से जुड़े संपर्कों की पड़ताल, गंभीर आरोपों पर प्रशासन सतर्क, कई दावों की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में पकड़े गए फर्जी डॉक्टर हस्साम अहमद मामले ने तूल पकड़ लिया है। जांच का दायरा लगातार बढ़ रहा है और विश्वविद्यालय के कई विभागों से आरोपी के संपर्क होने की बात सामने आ रही है। हालांकि, कई दावों की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

प्रारंभिक जांच में आरोपी की पहुंच विशेष रूप से लारी कार्डियोलॉजी विभाग तक बताई जा रही है। यहां उसके प्रभाव और संपर्कों को लेकर जांच एजेंसियां जानकारी जुटा रही हैं। एक कार्डियक टेक्नीशियन का नाम भी सामने आया है, जिसे कथित तौर पर कार्डियो सेवा फाउंडेशन का को-फाउंडर बताया जा रहा है। इसके अलावा, डीएम कार्डियोलॉजी की पढ़ाई कर चुके एक डॉक्टर से भी आरोपी की करीबी की बात कही जा रही है।

केजीएमयू में फर्जी डॉक्टर गिरफ्तार, धर्मांतरण रैकेट की आशंका

साजिश

व्हाट्सएप पर बनाई फर्जी पहचान

अमृत विचार में बुधवार के अंक में प्रकाशित खबर।

निजी कॉलेजों तक तार जुड़ने की आशंका

पूछताछ में यह भी सामने आया है कि आरोपी के नेटवर्क में कुछ निजी मेडिकल कॉलेजों के डॉक्टरों की संलिप्तता की आशंका है। बताया जा रहा है कि शिविरों के माध्यम से छात्रों और डॉक्टरों को जोड़कर प्रभाव बढ़ाया जाता था। हालांकि, पुलिस इस पूरे नेटवर्क की गहराई से जांच कर रही है। यह पता लगाया जा रहा है कि आरोपी ने किस तरह अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस और बड़े संस्थानों के नाम पर लोगों को अपने झांसे में लिया। साथ ही, छात्राओं को विदेश भेजने की साजिश के पीछे के उद्देश्य की भी जांच की जा रही है।

पूरे प्रकरण में ब्रेनवॉश, धर्मांतरण और अन्य गंभीर आरोपों की भी चर्चा है, लेकिन अभी तक इन आरोपों की पुष्टि नहीं हुई है। अधिकारियों का कहना है कि जांच तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर ही आगे बढ़ाई जाएगी।

वहीं, केजीएमयू प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आंतरिक जांच शुरू कर दी है। यदि किसी भी कर्मचारी या छात्र की संलिप्तता पाई जाती है, तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल संदिग्ध टेक्नीशियन की पहचान और भूमिका की जांच जारी है।

छात्रों के लिए जारी हुई एडवाइजरी

केजीएमयू के प्रवक्ता डॉ. केके सिंह ने बताया कि परिसर में मेडिकल छात्र-छात्राओं के लिए जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। इसमें छात्रों को बाहरी व्यक्तियों के किसी भी झांसे या लालच में न आने की सख्त हिदायत दी गई। छात्रों को सलाह दी गई कि वे अंजान लोगों से दूरी बनाए रखें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत प्रशासन को दें। किसी भी संस्थान, कैंप या कॉन्फ्रेंस से जुड़ी जानकारी को आधिकारिक माध्यमों से सत्यापित करना अनिवार्य बताया गया है। प्रशासन ने कहा कि छात्र-छात्राएं किसी भी समस्या की जानकारी हॉस्टल वार्डन, प्रॉक्टोरियल बोर्ड या पुलिस को दे सकते हैं। सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पांच साल से सक्रिय फर्जी डॉक्टर हस्साम गया जेल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- चौक पुलिस व एजेंसियों की पूछताछ में मिले सुराग
- मोबाइल व आईपैड बरामद सीडीआर खंगालने में जुटी पुलिस

अमृत विचारः केजीएमयू में पकड़े गए फर्जी डॉक्टर हस्साम अहमद को बुधवार शाम चौक पुलिस ने जेल भेज दिया। पूछताछ में आरोपी ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। उसने बताया कि वह वर्ष 2021 से संस्थान परिसर में सक्रिय था और खुद को एमबीबीएस पास आउट बताकर डॉक्टर बनकर घूमता था। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि राजधानी समेत अन्य शहरों के कुछ डॉक्टर भी इस गिरोह से जुड़े हो सकते हैं, जो मरीजों को बहला-फुसलाकर ओपीडी में दिखाने के नाम पर धन उगाही करते थे।

पुलिस के अनुसार हस्साम सफेद एप्रन और आला पहनकर अस्पताल के विभिन्न विभागों में पहुंच जाता था और गंभीर मरीजों को निशाना बनाता था। डॉक्टर से दिखाने के नाम पर वह प्रत्येक मरीज से 500 से 2000 रुपये तक वसूलता था। वर्ष 2023 में शक होने पर तीमारदारों ने उसकी पिटाई भी की थी। आरोपी के पास से एक मोबाइल फोन और आईपैड बरामद हुआ है, जिनकी जांच में कई अहम सुराग मिले हैं। पुलिस अब सीडीआर के जरिए उसके संपर्कों को खंगाल रही है। जांच में यह भी सामने आया कि हस्साम ने फर्जी हस्ताक्षर से एक नोटिस जारी कर छात्रों को एम्स दिल्ली में होने वाली कॉन्फ्रेंस में बुलाने की कोशिश की थी, जिससे उसकी गतिविधियों पर संदेह हुआ। मूल रूप से सिद्धार्थनगर निवासी हस्साम मड़ियांव में रह रहा था और यहीं से अपने नेटवर्क का संचालन करता था।

मुस्लिम इलाकों में लगाता था कैंप, कई रडार पर

पुलिस के मुताबिक हस्साम 'कार्डियो सेवा संस्थान' के नाम पर घंटाघर, पीर बुखारा समेत कई इलाकों में कैंप लगाता था। इन कैंपों में कुछ चिकित्सकों की भी मौजूदगी की जानकारी मिली है। मरीजों को बेहतर इलाज का झांसा देकर उनसे संपर्क बनाया जाता था। पुलिस को आठ डॉक्टरों के बारे में जानकारी मिली है, जिन्हें जांच के दायरे में रखा गया है।

कई एनजीओ बना फैलाया नेटवर्क, फंडिंग की जांच

जांच में पता चला कि हस्साम ने कई एनजीओ बनाकर उनके माध्यम से लोगों से संपर्क किया। पुलिस इन संस्थाओं को मिलने वाली फंडिंग की भी जांच कर रही है। साथ ही केजीएमयू से जुड़े कुछ लोगों से पूछताछ जारी है। इंस्पेक्टर नागेश उपाध्याय ने बताया कि विवेचना के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

घंटाघर के पास कबाड़ के गोदाम में लगी आग, मची अफरातफरी

एक्टिवा व डाला गाड़ी जली, चार दमकल की गाड़ियों ने दो घंटे में आग पर पाया काबू

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचारः घंटाघर के पास बुधवार सुबह संदिध हालात में एक कबाड़ के गोदाम में आग लग गई। तेज हवाओं और कबाड़ के चलते आग चंद मिनटों में ही विकराल हो गयी। धुआं व आग की लपटों को देखकर वहां अफरा-तफरी मच गई। गोदाम के मालिक और कर्मचारियों ने आग बुझाने का प्रयास किया। असफल होने पर कंट्रोल रूम पर सूचना दी। चौक व हजरतगंज से दमकल की चार गाड़ियां मौके पर पहुंची। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया। आग से गोदाम में खड़ी एक एक्टिवा और डाला जल गया। गोदाम मालिक ने लाखों के नुकसान की बात कही है।

घंटाघर के पास कबाड़ के गोदाम में लगी आग।

आग बुझाने के बाद जांच करते अधिकारी। अमृत विचार

डालीगंज बांसमंडी निवासी मोहम्मद मेराज का घंटाघर दुर्गा देवी मार्ग के पास कबाड़ का गोदाम है। पीड़ित ने बताया कि वह बुधवार सुबह करीब 9 बजे गोदाम पहुंचे। गोदाम के गेट खोलकर अंदर गए गए। गोदाम के पीछे के हिस्से से अचानक धुआं निकलने लगा। यह देखकर मालिक मेराज ने लेबरों से पानी डालने को कहा। जब तक लेबर पानी डालती कि आग ने अपना विकराल रूप धारण कर लिया। मेराज और उनके लेबर रमाकांत, गन्नी, नन्हू समेत कई लोग पानी लेकर आग बुझाने के लिए दौड़े। पानी फेंककर प्रयास किया लेकिन आग बढ़ती जा रही थी।

आग की लपटों को देखकर राहगीरों की भीड़ लग गई। 9:20 बजे कंट्रोल रूम पर आग की सूचना दी। जानकारी मिलते ही चौक पुलिस और चौक फायर स्टेशन की तीन दकमल की गाड़ियां मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने राहत कार्य शुरू किया। आग का विकराल रूप देख चौक एफएसओ ने कंट्रोल रूम पर मैसेज कर और दमकल की गाड़ियों की मांग की। जिसपर हजरतगंज फायर स्टेशन से 22 हजार लीटर का बाउजर मौके पर भेजा गया। दमकल कर्मियों ने करीब दो घंटे में आग पर काबू पा लिया।

चौक एसएफओ ने बताया कि आग लगने का कारण भी साफ नहीं हुआ है। शुरुआती जांच में पता चला है कि गोदाम के पीछे खाली जगह पड़ी है। आशंका है कि किसी ने जलती बीड़ी या सिगरेट पीकर फेंक दी है। जिसके चलते गोदाम में आग लगी है। गोदाम मालिक मेराज ने बताया कि आग लगने से गोदाम में रखा करीब 25 लाख का कबाड़, एक्टिवा, डाला गाड़ी जल गई है।

होमगार्ड भर्ती परीक्षा में नकल और अफवाह पर होगी सख्त कार्रवाई

सीएम योगी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से अधिकारियों को दिए निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने होमगार्ड भर्ती परीक्षा की शुचिता और निष्पक्षता को सर्वोपरि बताते हुए नकल या अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। बुधवार देर शाम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में उन्होंने 25 से 27 अप्रैल तक प्रस्तावित परीक्षा की तैयारियों, सुरक्षा और जनसुविधाओं की समीक्षा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 74 जिलों में 41,424 पदों के लिए आयोजित परीक्षा में गोपनीयता से किसी भी तरह का समझौता स्वीकार्य नहीं होगा। सोशल मीडिया पर सतत निगरानी रखते हुए अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

भीषण गर्मी को देखते हुए सभी परीक्षा केंद्रों पर शीतल पेयजल, चिकित्सा सुविधा और छाया की पर्याप्त व्यवस्था करने को कहा गया है। साथ ही परीक्षार्थियों को धूप में प्रतीक्षा न कराने और यातायात व्यवस्था सुचारु रखने के निर्देश दिए गए। जिला प्रशासन को केंद्रों का पूर्व निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का सत्यापन सुनिश्चित करने को कहा गया है।

कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर मुख्यमंत्री ने जातीय तनाव भड़काने की कोशिशों पर कड़ी नजर रखने और अराजक तत्वों के खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए। 30 अप्रैल से 2 मई के बीच औद्योगिक अशांति की आशंका को देखते हुए विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया है।

साथ ही बारूद गोदामों और आतिशबाजी कारखानों के निरीक्षण, स्मार्ट मीटर शिकायतों के समाधान हेतु फीडरवार शिविर लगाने तथा पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति सामान्य बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए।

मणप्पुरम शोरूम से गहने चोरी करने वाला मैनेजर गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : मणप्पुरम ज्वेलरी शोरूम से 18531.36 ग्राम के सोने के गहने पार करने वाले मैनेजर को चौक पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार कर लिया है। इंस्पेक्टर चौक नागेश उपाध्याय ने बताया कि बंगलुरु कर्नाटक मणप्पुरम ज्वैलर्स लिमिटेड मैन्यू फैक्चरिंग यूनिट के जनरल मैनेजर उमेश कुमार ने बालागंज जनरेलगंज निवासी कमल सिंह के खिलाफ 12 दिसंबर 2024 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। कमल चौक इलाके में स्थित कंपनी के शोरूम में मैनेजर था। पीड़ित का आरोप है कि कमल ने शोरूम से लाखों रुपये की गहने चोरी किए और भाग निकला। पुलिस उक्त मामले में आरोपी की मां व अन्य को जेल भेज चुकी है। पुलिस ने आरोपी कमल सिंह को बुधवार सुबह प्रेरणा स्थल के पास से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मामले में जांच कर रही है।

महिला ने रेलवे ब्रिज से कूदकर दी जान

अमृत विचार, लखनऊः बच्चों की ऑनलाइन गेम की लत से परेशान होकर मोबाइल कंपनी अधिकारी की पत्नी ने बुधवार शाम गोमतीनगर विस्तार में हुसड़िया रेलवे ब्रिज से कूदकर जान दे दी। सूचना पर पहुंची गोमतीनगर विस्तार पुलिस महिला को गंभीर हालत में लोहिया अस्पताल लेकर पहुंची, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। देर रात पुलिस ने शव की शिनाख्त करायी।

गोमती नगर विस्तार इंस्पेक्टर सुधीर अवस्थी ने बताया कि बुधवार शाम करीब 6:30 बजे पुलिस को ओवरब्रिज से एक महिला के कूदने की जानकारी मिली। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाली। एक कैमरे में महिला हुसड़िया रेलवे ब्रिज से पुल की ओर अकेले जाते दिखाई दी। इसके बाद महिला ने पुल पर अपनी चप्पल उतारी और नीचे कूद गई। छानबीन के दौरान महिला की शिनाख्त श्वेता पांडेय (46) निवासी विराजखंड विभूतिखंड के रूप में हुई। पति शैलेश एक मोबाइल कंपनी में अधिकारी हैं। परिवार में दो बच्चे 15 वर्षीय व 9 वर्षीय है। पति ने बताया कि श्वेता बच्चों की पढ़ाई को लेकर चिंतित थी। ऑनलाइन गेमिंग की लत से परेशान होकर शाम करीब पांच बजे घर से निकल गयी थी।

मकान मालिक के नौकर ने किरायेदार युवती से की छेड़छाड़, छह पर रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- पुलिस आयुक्त के आदेश पर पीजीआई थाने में मामला दर्ज
- शिकायत करने पर भी मकान मालिक ने नहीं दिया ध्यान

अमृत विचारः पीजीआई थाना क्षेत्र में किराए पर रह रही युवती से मकान मालिक के नौकर ने छेड़छाड़ करते हुए पीछा किया। टोकने पर अवैध संबंध का दबाव बनाया। पुलिस आयुक्त अमरेंद्र कुमार सेंगर के आदेश पर पीजीआई पुलिस ने छह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

नगराम निवासी पीड़िता ने बताया कि वह 2 मई 2025 को अपने परिचित पुरुष मित्र के साथ न्यू डिफेंस कॉलोनी स्थित संतोष कुमार श्रीवास्तव के मकान में रहने आई थी। आरोप है कि कुछ ही समय बाद मकान मालिक का नौकर मोहन उस पर गलत नजर रखने लगा। जब वह नहाने जाती तो वह बाथरूम के पास आकर खड़ा हो जाता। कई बार अश्लील हरकतें कीं और मोबाइल पर गंदे संदेश भेजकर मानसिक रूप से प्रताड़ित करता रहा। शिकायत करने पर भी मकान मालिक संतोष कुमार श्रीवास्तव ने कोई कार्रवाई नहीं की।

8 अगस्त को पड़ोसी नैना वर्मा, मीना और विशाल सिंह ने युवती और उसके परिचित के साथ मारपीट की। इसके बाद 25 अगस्त को मोहन ने फोन पर अवैध संबंध न बनाने पर धमकी दी। 28 दिसंबर को युवती लौटी तो कमरे का ताला टूटा मिला और लैपटॉप, सोने का लॉकेट, गैस सिलेंडर व अन्य सामान गायब था। पुलिस आयुक्त के आदेश पर पीजीआई पुलिस ने नैना वर्मा, मीना, विशाल सिंह, संतोष कुमार श्रीवास्तव, मोहन और रामू के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कानफोड़ू साइलेंसर और हॉर्न पर अब जेल व भारी जुर्माना

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य में वाहनों में मनमाने बदलाव कराने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी है। यातायात निदेशालय ने ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की है, जिसके तहत नियमों का उल्लंघन करने पर जेल और जुर्माने का प्रावधान किया गया है।

एसओपी के अनुसार मोटर वाहन अधिनियम 1988 के तहत वाहन में अवैध बदलाव करने वाले निर्माताओं, आयातकर्ताओं और डीलरों को एक वर्ष तक की सजा हो सकती है। वहीं वाहन मालिक द्वारा गाड़ी में बदलाव कराने या अमान्य पुर्जे लगवाने पर छह माह की सजा और 50 हजार रुपये तक का जुर्माना लगाया जाएगा।

यातायात एवं सड़क सुरक्षा निदेशक ए. सतीश गणेश ने बताया कि तेज आवाज वाले साइलेंसर, प्रेशर हॉर्न और हूटर के उपयोग से ध्वनि प्रदूषण बढ़ रहा है, जो कानूनन दंडनीय है। यह कार्रवाई मोटर वाहन अधिनियम की धारा 190(2) और 182(4) के तहत की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि हाईकोर्ट के निर्देश पर जनहित याचिका की सुनवाई के बाद यह एसओपी लागू की गई है, ताकि सड़कों पर ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित किया जा सके।

सक्रियता | मुख्य सचिव ने मंडलायुक्तों व जिलाधिकारियों संग समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

जनगणना की तैयारी तेज, पहला चरण 22 मई से

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश के मुख्य सचिव एसपी गोयल ने सभी मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को निर्देश दिया कि पहले चरण के तहत हाउस लिस्टिंग और हाउसिंग सेंसस 22 मई से 20 जून 2026 के बीच हर हाल में पूरा कराया जाए और इससे पहले एनुमरेटर्स व सुपरवाइजर्स का प्रशिक्षण अनिवार्य रूप से पूरा हो। साथ ही बताया कि उन्होंने बताया कि 7 से 21 मई के बीच प्रदेश में लोग ऑनलाइन स्व-गणना (सेल्फ एनुमरेशन) फार्म भर सकेंगे।

मुख्य सचिव एसपी गोयल।

मुख्य सचिव, बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों के साथ साप्ताहिक समीक्षा बैठक कर जनगणना-2027 की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा, व्यापक प्रचार-प्रसार कर लोगों को जागरूक किया जाए, ताकि अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित हो सके। जनगणना कार्य की निगरानी के लिए सीएमएमएस पोर्टल के प्रभावी उपयोग और जिला स्तर पर कंट्रोल रूम सक्रिय करने के निर्देश भी दिए गए।

- हीट एक्शन प्लान और गो-आश्रय व्यवस्थाओं पर भी दिया जोर

समीक्षा में बताया गया कि प्रदेश में जनगणना के लिए 5.27 लाख से अधिक एनुमरेटर्स और सुपरवाइजर्स का प्रशिक्षण जारी है, जिसे 5 मई तक पूरा किया जाएगा। साथ ही कई जिलों में मैपिंग कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है।

बैठक में गो-आश्रय स्थलों की व्यवस्थाओं को लेकर भी सख्त निर्देश दिए गए। उन्होंने फार्मर रजिस्ट्री में शत-प्रतिशत पंजीकरण सुनिश्चित कराने पर जोर देते हुए कहा कि फिलहाल एमएसपी पर गेहूं बिक्री के लिए फार्मर आईडी अनिवार्य नहीं होगी, लेकिन भविष्य की योजनाओं के लिए पंजीकरण जरूरी है।

भीषण गर्मी को देखते हुए सभी जिलाधिकारियों को हीट एक्शन प्लान तैयार करने और सार्वजनिक स्थानों पर प्याऊ स्थापित कराने के निर्देश दिए गए। हीटवेव से बचाव के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने को भी कहा गया।

खाने में शिकायत पर ढाबा संचालक ने साथियों के साथ किया हमला

पांच दोस्तों के सिर फटे, एसजीपीजीआई में किए गए भर्ती

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- आशियाना थाने में ढाबा संचालक व एक दर्जन अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचारः आशियाना के पकरी पुल स्थित एक ढाबे पर खाने में मक्खी-मच्छर निकलने पर विवाद हो गया। बात बढ़ने पर ढाबा संचालक और उसके साथियों ने खाना खाने आए पांच युवकों पर हमला कर दिया, जिसमें सभी गंभीर रूप से घायल हो गए। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सेक्टर-वन एलडीए कॉलोनी निवासी सूर्य मणि शुक्ला ने बताया कि 16 अप्रैल की रात वह अपने दोस्तों अनुराग मणि त्रिपाठी, सूर्य करण शुक्ला, अंकित शुक्ला और मनोज जोशी के साथ ढाबे पर खाना खाने पहुंचे थे। कुछ देर बाद वेटर खाना लेकर आया, जिसमें मक्खी-मच्छर दिखने पर उन्होंने ढाबा मालिक से शिकायत की। इस पर ढाबा संचालक गाली-गलौज करने लगा। पीड़ित ने खाना बदलने और खाद्य विभाग में शिकायत की बात कही तो आरोपी भड़क गया। उसने अपने 10-12 साथियों के साथ तवा, चाकू, लोहे की रॉड, पाइप और ईंट से हमला कर दिया। मारपीट में सभी युवक घायल हो गए और सिर में गंभीर चोटें आईं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को पहले लोकबंधु अस्पताल और फिर एसजीपीजीआई भेजा।

पीड़ितों के सिर में कई टांके लगे हैं। आशियाना इंस्पेक्टर छत्रपाल सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

सट्टेबाजी का खुलासा करते पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल और टीम। पकड़े गए सटोरिया व बरामद नोट गिनने वाली मशीन। अमृत विचार

कानपुर में आईपीएल मैचों के पांच सट्टेबाज बंदी, 3.91 करोड़ बरामद

रकम गिनने के लिए रखीं तीन मशीनें व करेंसी चेकिंग मशीन भी मिली

- कार और किराये पर कमरा लेकर सट्टेबाजी रैकेट का करते थे संचालन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। फजलगंज पुलिस ने आईपीएल मैचों में सट्टा लगाने वाले गिरोह दबोचा है। पुलिस ने गिरोह के पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। जिनके पास से 3.91 करोड़ रुपये बरामद किए गए हैं। सट्टा इस स्तर का लगाया जा रहा था कि सटोरियों ने रकम गिनने के लिए दिल्ली से 35-35 हजार की तीन मशीनें और एक करेंसी चेकिंग मशीन मंगाई थी।

पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने खुलासा करते हुए बताया कि पकड़े गए दो आरोपी कार्तिक लखवानी और राजकुमार गैरकानूनी बैटिंग एप पर मैचों में रकम लगवाते थे, जबकि कल्पेश, रवि नाई और विष्णु रुपयों से संबंधित काम संभालते थे। गिरोह का सरगना मनीष उर्फ प्रोफेसर अभी फरार है। उन्होंने बताया कि बड़े स्तर पर आईपीएल मैच में सट्टा लगाने की जानकारी मिल रही थी। इस पर सर्विलांस व स्वाट टीमों को सक्रिय किया। मंगलवार रात टीम को खबर मिली कि गोविंदपुरी पुल के नीचे कार में बैठे दो युवक मोबाइल फोन के जरिए ऑनलाइन सट्टा संचालित कर रहे हैं। पुलिस ने घेराबंदी कर कार सवार कौशलपुरी निवासी कार्तिक लखवानी और फजलगंज निवासी राजकुमार को पकड़ा। आरोपियों के मोबाइल से बैटिंग एप, विभिन्न एप्लीकेशन, व्हाट्सएप चैट व लेन-देन का विवरण मिला। आरोपियों ने बताया कि उनके साथी किदवई नगर स्थित किराए के मकान से सट्टे का संचालन कर रहे थे। इसके बाद टीम ने उक्त मकान में छापेमारी कर गुजरात के मेहसाणा का कल्पेश, रवि नाई, विष्णु को गिरफ्तार किया। छापेमारी के दौरान पुलिस को तीन करोड़ 91 लाख रुपये, मोबाइल फोन व करेंसी काउंटिंग की तीन मशीन, एक करेंसी चेकिंग मशीन, दो कैलकुलेटर, कार बरामद हुई। आरोपी ऑनलाइन एप्लीकेशन और वेबसाइट के जरिए सट्टे की आईडी बनाकर उपलब्ध कराते थे।

जबलपुर से ली एप की मास्टर आईडी

- कार्तिक की बटर पेपर की फैक्ट्री है। उसने व राजकुमार ने गैरकानूनी बैटिंग एप की मास्टर आईडी जबलपुर के मनीष उर्फ प्रोफेसर से ली थी। दोनों सट्टा लगवाते थे। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि गिरोह का मुख्य सरगना मनीष है। उसकी लोकेशन पुणे में मिली है।

रकम ऑनलाइन करते थे ट्रांसफर

- सट्टेबाजों ने बताया कि एक लाख तक की रकम ऑनलाइन ट्रांसफर किया जाता था। एक लाख से ज्यादा रकम ऑफलाइन देते थे। गैरकानूनी बैटिंग एप के जरिए बड़ी रकम लगाने पर ग्राहकों को हरा देते थे। पकड़े गए आरोपी कल्पेश, रवि नाई और विष्णु को मनीष 13 से 20 हजार तक वेतन देता था। रकम को जल्द ही इनकम टैक्स के सुपुर्द किया जाएगा।

हत्या के दोषी दो सगे भाइयों को आजीवन कारावास

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : पुलिस की प्रभावी पैरवी के चलते हत्या के एक मामले में अदालत ने दो सगे भाइयों को आजीवन कठोर कारावास की सजा सुनाई है। दोनों दोषियों पर 25-25 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है।

यह कार्रवाई ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान के तहत की गई। इस मामले की लगातार मॉनिटरिंग की गई और मजबूत साक्ष्य अदालत में प्रस्तुत किए गए। थाना लोनीकटरा क्षेत्र के ग्राम कर्मेमऊ में 4 अगस्त 2024 को संजय पुत्र प्यारेलाल नामक व्यक्ति की हत्या कर दी गई थी। मृतक के भाई सुरेश कुमार ने दो आरोपियों गांव के ही सुरेश कुमार और महेश कुमार पुत्र रामहर्ष के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य जुटाए और समय पर चार्जशीट दाखिल की। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, कोर्ट संख्या-9 ने दोनों अभियुक्तों को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई।

मामले में एडीजीसी, मॉनिटरिंग सेल और थाना स्तर की टीम ने समन्वय के साथ काम किया। महत्वपूर्ण गवाहों को समय पर पेश कर मजबूत पैरवी की गई, जिससे आरोप सिद्ध हो सके।

राहुल मानहानि मामला: वॉयस सैंपल पर फैसला 2 को

सुलतानपुर, अमृत विचार : राहुल गांधी से जुड़े बहुचर्चित मानहानि वाद में बुधवार को वॉयस सैंपल के मुद्दे पर अदालत में सुनवाई पूरी हो गई। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत ने परिवादी व बचाव पक्ष की दलीलें सुनने के बाद मामले में निर्णय सुरक्षित रखते हुए दो मई की तिथि नियत कर दी है। सुनवाई के दौरान परिवादी पक्ष की ओर से अधिवक्ता संतोष पांडेय ने प्रस्तुत सीडी में उपलब्ध ऑडियो-वीडियो की सत्यता की जांच के लिए वॉयस सैंपल को आवश्यक बताया। वहीं बचाव पक्ष के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ल ने इसका कड़ा विरोध करते हुए इसे कानूनी रूप से अनुचित बताया।

JAN SHIKSHAN SANSTHAN, SHAHJAHANPUR
(Sponsored by MSDE, Govt. of India) Registration No. 206/2006-07 Skill India
Prasada Bhawan, Khirni Bagh, Shahjahanpur (U.P.) 242001
Ph. 05842-222822, 7839936711, Email-jssshahjahanpur@gmail.com

REQUIRES DIRECTOR

(A) Qualification: (a) Essential 1. Graduation from a recognized University/Institutions or equivalent. 2. Seven Years Experience in supervisory capacity. 3. Working knowledge of the local language both written and spoken. **(b) Desirable:** 1. Vocational Degree/ Diploma 2. Experience in administration or management/Accounts. 3. Experience in leading a team. 4. Experience in heading an organization 5. Experience in guiding/ conducting of research or education **(B) Age:** 1. Maximum 55 years as on the date of application, Age of superannuation should be 60 years. **(C) Emoluments:** Emoluments (Consolidated) as per guideline of JSS Rs. 30000-40000/Month. **(D) Terms and Conditions: 1.** Appointment on contract basis for a period of, not exceeding, five years and of which the first year will be the probation period. **2.** Extension of contract in future, based on performance and recommendations of BOM. **3.** Persons employed in any organization would be required to submit application through Proper channel, with no objection certificate from their employer at the time of Interview. **4.** Out station candidates called for interview will be reimbursed second A.C. Rail fare. (Ticket photocopy is essential) **(E) Last Date:** Apply within one month with all documents from the date of publication of advertisement to CHAIRMAN, Jan Shikshan Sansthan, Prasada Bhawan Khirni Bagh, Shahjahanpur, (U.P.) 242001.

Chairman
Board of Management
JSS, Shahjahanpur, Ph. (05842) 222822
Email-jssshahjahanpur@gmail.com

पूर्वोत्तर रेलवे
ई-ऑक्शन नोटिस सं०-LJN- PRKG-14-26
मण्डल रेल प्रबन्धक (वा०), पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु आईआरईपीएस के ई–ऑक्शनिंग के माध्यम से ई–ऑक्शन आमंत्रित की जाती है :–

क्र०सं०	लॉट सं०	कार्य का विवरण
01	PARKING-LJN-BLP-MX-122-26-1 (Parking - Mixed)	बलरामपुर स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया स्थित संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया, बस, ट्रक, ट्रैक्टर ट्रॉली) का ठेका 03 वर्ष हेतु
02	PARKING-LJN-MBP-MX-157-26-1 (Parking - Mixed)	मोहिबुल्लापुर स्टेशन के लेवल क्रासिंग सं० 09 के पास संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया, बस, ट्रक, ट्रैक्टर ट्रॉली) का ठेका 03 वर्ष हेतु
03	PARKING-LJN-GKP-MX-143-25-2 (Parking-Mixed)	गोरखपुर स्थित रेल म्युजियम–कम–हैरिटेज प्लाजा में संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया) का ठेका 03 वर्ष हेतु
04	PARKING-LJN-GKP-MX-149-25-1 (Parking-Mixed)	गोरखपुर के ललित नारायण मिश्र रेलवे हॉस्पिटल स्थित संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया) का ठेका 03 वर्ष हेतु
05	PARKING-LJN-CLJ-MX-139-25-1 (Parking-Mixed)	कर्नैलगंज स्टेशन के मेन प्रवेश द्वार सर्कुलेटिंग एरिया स्थित संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया, बस, ट्रक, ट्रैक्टर ट्रॉली) का ठेका 03 वर्ष हेतु
06	PARKING-LJN-BNZ-MX-129-25-1 (Parking-Mixed)	बादशाहनगर स्टेशन के द्वितीय प्रवेश द्वार साईड स्थित संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया, बस, ट्रक, ट्रैक्टर ट्रॉली) का ठेका 03 वर्ष हेतु

● निविदाकार प्रकाशित सूचना के अनुसार ई–ऑक्शन में भाग ले सकते है। IREPS पोर्टल पर दिये गये तिथि/समय के अनुसार सभी लॉट की ई–ऑक्शन प्रारम्भ एवं बंद होंगी। ● सभी लॉट के लिये ई–ऑक्शन दिनांक– **04-05-2026, 12.00** बजे प्रारंभ होकर **04-05-2026, 13.20** बजे बंद होगी। ● इस ऑक्शन के लिये मैनुअल माध्यम से कोई ऑफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। यदि मैनुअल माध्यम से कोई ऑफर प्राप्त होता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। ● अर्नेस्ट मनी की राशि (10%) का भुगतान केवल IREPS पोर्टल पर ठेकेदार द्वारा लिंक किये गये बैंक खाते से किया जायेगा। मैनुअल विधि जैसे– डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर्स चेक, एफडीआर, जमा रसीद आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नहीं होगी। ● विज्ञप्ति सूचना एवं निविदा प्रपत्र प्रारूप तथा, नियम व शर्तों की सम्पूर्ण जानकारी वेबसाईट **www.ireps.gov.in (E-Auction module)** पर उपलब्ध है।
मुजाधि/वा०–17 सहायक वाणिज्य प्रबन्धक, लखनऊ
गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

उत्तर रेलवे
ई–निविदा सूचना
उप–मुख्य अभियंता / नि0–अयोध्या / उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रोफॉर्मा पर मोहर बंद ई–निविदाएँ दो पैकेट में आमंत्रित की जाती हैं।

कार्य का नाम व स्थान	उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल पर उप–मुख्य अभियंता / नि0–अयोध्या / के अधीन, बी.एस.बी.–पी.बी.एल.–एल.के.ओ. खंड पर एल.सी. संख्या 118/C (954.447), 129/C (970.635), 136/C (979.702) तथा 140/C (948.670) के स्थान पर आर.यू.बी का प्रावधान।
कार्य पूरा करने की अवधि	12 (बारह) माह
कार्य की अनुमानित लागत	रु. 2407.64 लाख
धरोहर राशि	रु. 48,15,300.00
ई–निविदा जमा करने की तारीख / समय एवं निविदा खुलने की तारीख	निविदाएँ दिनांक **15.05.2026** को 15.00 बजे तक आईआरईपीएस के वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अपलोड की जा सकती हैं। तथा दिनांक **15.05.2026** को समय 15:00 बजे खोली जाएगी।
विस्तृत निविदा सूचना व निविदा प्रपत्र	विस्तृत निविदा सूचना व निविदा प्रपत्र दिनांक 24.04.2026 से आईआरईपीएस के वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध रहेंगें व दिनांक 01.05.2026 से 15.05.2026 तक ई–निविदा अपलोड की जा सकती है।

संख्या 255–टेण्डर / उप–मुख्य अभियंता / नि0–अयोध्या / लखनऊ
दिनांक: 22.04.2026 1341/2026
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

बच्चे का शव फेंक गए गुरुकुल संचालक

कार्यालय संवादाता, कानपुर

- 11 वर्षीय छात्र की संदिग्ध दशा में मौत, हत्या की आशंका
- लखनऊ के एक गुरुकल में पढ़ रहा था दिव्यांशु

दिव्यांशु।

अमृत विचार। महाराजपुर के गौरिया गांव निवासी 11 वर्षीय छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वह लखनऊ के एक गुरुकुल में पढ़ रहा था। गुरुकुल संचालक उसका शव घर के बाहर छोड़कर फरार हो गए। बच्चे के शरीर पर चोट के निशान हैं। आशंका है कि उसकी हत्या की गई है। परिजनों ने भी हत्या का आरोप लगाया है। पिता ने हत्या का आरोप लगा गुरुकुल संचालक के खिलाफ तहरीर दी है। एडीसीपी पूर्वी अंजली विश्वकर्मा के साथ एसीपी चकेरी अभिषेक पांडेय और फारेंसिक टीम ने घर पर पहुंचकर जांच की।

गौरिया निवासी नरेन्द्र द्विवेदी का बेटा दिव्यांशु उर्फ दीपू 15 अप्रैल को लखनऊ स्थित एक गुरुकुल में पढ़ने गया था। वहां उसका दाखिला उसके मामा ने कराया था। मामा का बेटा भी गुरुकुल का छात्र था। नरेंद्र द्विवेदी ने बताया कि बुधवार सुबह उनको सूचना मिली की दिव्यांशु सीढ़ी से गिरकर घायल हो गया है।

दोपहर में गुरुकुल के संचालक एक कार से आए और बेटे का शव घर के बाहर रखकर चले गए। उनके साथ उनका चालक भी था। दिव्यांश के शरीर में चोट के गंभीर निशाना थे। काले - काले दाग भी थे। लगता है कि उसे सिगरेट से शरीर को जलाया गया था। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेजा। एडीसीपी पूर्वी अंजली विश्वकर्मा के मुताबिक मौत का कारण स्पष्ट नहीं है। जांच के लिए एक टीम अलग से गठित की गई है। परिजनों ने तहरीर दी है। नरेंद्र द्विवेदी व उनकी पत्नी नीरज बेटे के शव से लिपटकर रोते रहे।

बी.एस.एन.वी.पी.जी. कॉलेज, लखनऊ
पत्र संख्या– बीएसएनवीपीजीसी/ए–55/291/2025–26 दिनांक: 17/04/2026
आवश्यकता
महाविद्यालय में 01 स्थायी पद हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है:–
पुस्तकालय लिपिक : 01 पद आरक्षित (अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति) वेतनमान उ0प्र0 सरकार द्वारा यथा निर्धारित।
शैक्षणिक योग्यता : माध्यमिक शिक्षा परिषद् उत्तर प्रदेश की इण्टरमीडिएट परीक्षा या सरकार द्वारा उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त कोई परीक्षा अवश्य उत्तीर्ण की हो। भारत सरकार / राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त संस्था से पुस्तकालय विज्ञान में 06 माह का प्रमाण पत्र एवं DOEACC सोसाइटी परिवर्तित नाम नाईलेट से सी0सी0सी0 लेवल का प्रमाण पत्र।
आयु सीमा 18–40 वर्ष (आरक्षित वर्गो को निर्धारित आयु सीमा में शासनादेशानुसार / नियमानुसार छूट प्रदान की जायेगी)
नियुक्ति हेतु आवेदन पत्र महाविद्यालय के मुख्य कार्यालय में दिनांक 18.04.2026 से 09.05.2026 तक समय 11 से सांय 03 बजे तक निर्धारित शुल्क रुपया– 500/– जमा करने के उपरान्त प्राप्त किये जा सकते है। फार्म की हार्ड कापी में स्व–प्रमाणित अंकतालिका एवं प्रमाण पत्रों की फोटो कापी संलग्न कर दिनांक 12.05.2026 तक प्राचार्य कार्यालय में अवश्य जमा कर दे। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जायेगा।
मंत्री/प्रबन्धक

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

घर में फंदे से लटका मिला युवक का शव

बाराबंकी, अमृत विचार : सतरिख थाना क्षेत्र में एक युवक का शव उसके घर में संदिग्ध परिस्थिति में फांसी के फंदे से लटका मिला। क्षेत्र के जाटा बरौली निवासी धर्मेंद्र (40) पुत्र राधेलाल का शव मंगलवार देर रात उसके घर के कमरे में रस्सी से बने फंदे से लटका मिला। पता तब चला जब उसका छोटा भाई विजय खाने के लिए बुलाने गया। कमरा खोलते ही धर्मेंद्र का शव लटका देख वह शोर मचाने लगा। शोरगुल सुनकर मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से नीचे उतार कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजन बताते हैं कि धर्मेंद्र परिवार से अलग रहता था।

अवध विवि में तय सीमा से अधिक शुल्क का लगा दाग

अयोध्या, अमृत विचार : सरकार के स्पष्ट शासनादेश के बावजूद डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विवि में स्नातक छात्रों से निर्धारित सीमा से अधिक परीक्षा शुल्क वसूले जाने के आरोप लगे हैं। विशेष सचिव उच्च शिक्षा गिरिजेश त्यागी ने 8 अप्रैल 2026 को पत्र जारी कर स्नातक स्तर पर परीक्षा शुल्क की अधिकतम सीमा 800 रुपये तय की थी। पत्र में स्पष्ट निर्देश था कि किसी भी दशा में इससे अधिक शुल्क न लिया जाए।

अभिभावकों का आरोप है कि विश्वविद्यालय में इस आदेश का पालन नहीं हो रहा। बीए-बीएससी चतुर्थ सेमेस्टर के छात्रों से 900 रुपये और छठे सेमेस्टर के छात्रों से 1450 रुपये परीक्षा शुल्क के नाम पर लिए जा रहे हैं। इस संबंध में कुलसचिव विनय कुमार सिंह ने कहा विशेष सचिव का पत्र मिला है। पूरे मामले की जांच कराई जा रही है। सभी महाविद्यालयों से फीस का विवरण मांगा गया है। यदि कहीं अधिक शुल्क लिया गया है तो उसे नियमानुसार वापस कराया जाएगा।

औषधीय पौधों के संरक्षण, विकास एवं सतत प्रबंधन हेतु प्रस्ताव आमंत्रण सूचना
राज्य कृषि प्रबंध संस्थान, रहमानखेड़ा, लखनऊ (SIMA) स्थित राज्य औषधीय पादप परिषद, उ0प्र0 द्वारा राष्ट्रीय औषधीय पादप परिषद के Central Sector Scheme for Conservation, Development and Sustainable Management of Medicinal Plants योजनान्तर्गत अनुसंधान प्रौद्योगिकी विकास और गुणवन्ता आश्वासन, स्कूल हर्बल गार्डेन, संस्थागत हर्बल गार्डेन, औषधीय पौध नर्सरी, वर्कशाप, सेमीनार, ट्रेनिंग, इन्टीग्रेटेड कम्पोनेन्ट आदि हेतु राष्ट्रीय औषधीय पादप परिषद (NMPB) द्वारा निर्धारित गाइड लाइन के अनुसार योग्यता रखने वाले प्रदेश के इच्छुक सरकारी संस्थानों, विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों, सरकारी कॉलेजों, महाविद्यालयों, गैर– सरकारी संस्थाओं, सहकारी संस्थाओं तथा समितियों आदि से परियोजना प्रस्ताव आमन्त्रित किए जाते है। यह प्रस्ताव राष्ट्रीय औषधीय पादप परिषद (NMPB) की वेबसाइट www.nmpb.gov.in के आयुष एन0जी0ओ0 पोर्टल पर ऑनलाइन प्रेषित करते हुये उसकी दो प्रतियाँ दिनांक–27.04.2026 तक राज्य औषधीय पादप परिषद, राज्य कृषि प्रबन्ध संस्थान, रहमानखेड़ा, लखनऊ को हार्ड कॉपी में उपलब्ध कराये जाने होंगे।
(राजेन्द्र कुमार सिंह)
निदेशक
राज्य कृषि प्रबन्ध संस्थान,
रहमानखेड़ा, लखनऊ।
UP-250278 दिनांक 21.04.2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

पुण्यतिथि पर डॉ. रास बिहारी मिश्रा के चित्र पर माल्यार्पण करते लोग। ● अमृत विचार

पुण्यतिथि पर याद किये गये डॉ. रास बिहारी

लखनऊ, अमृत विचार : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ,जनसंघ एवं भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता डॉ. रास बिहारी मिश्रा (लोकतंत्र सेनानी) की सप्तम पुण्यतिथि राजाजीपुरम स्थित मां मनपूर्णा मंदिर में मनायी गयी। लोगों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर महानगर मंत्री अर्चना साहू, पूर्व नगर मंत्री डॉ. यूएन पांडेय, मंडल अध्यक्ष विमल चौधरी, पूर्व मंडल अध्यक्ष राजेश मिश्रा (राजन), सुशील निगम गज्जी, अनुराग मिश्रा, अरविंद मिश्रा, वीरेंद्र सिंह, अवध क्षेत्र व्यापार प्रकोष्ठ संयोजक/नामित पार्षद पुरुषोत्तम पुरी, पार्षद अनूप कमल सक्सेना, शिवकुमार यादव (गुड्डू), पूर्व पार्षद बीना गुप्ता, संतोष राय, विजय भुर्जी, अमर सहाय, बाल आयोग के सदस्य डॉ. सुजीत पांडेय, किशोर न्याय बोर्ड के सदस्य डॉ. एचएन मिश्रा, वरिष्ठ कार्यकर्ता हरि प्रसाद मिश्रा, विनय भटनागर, अनिल अवस्थी बाबा, डॉ. अमरीश, मंडल महामंत्री अहिवरन सिंह, मंडल उपाध्यक्ष मनीष पांडे, विवेक श्रीवास्तव, विभोर अवस्थी, मंडल मंत्री विजय राजपूत, अजय तिवारी आदि मौजूद रहे।

सीमा पर 6 लोगों के पास नेपाली व भारतीय मुद्रा बरामद, जांच जारी

संवाददाता, बहराइच, अमृत विचार। भारत नेपाल सीमा से लगे रूपईडीहा चेकपोस्ट पर एस एस बी व रूपईडीहा पुलिस की संयुक्त टीम ने चेकिंग के दौरान छह लोगों के पास से भारी मात्रा में नेपाली व भारतीय मुद्रा बरामद हुई है। ये लोग भारतीय मुद्रा लेकर उसे नेपाली मुद्रा में परिवर्तित करते थे। रूपईडीहा थाना प्रभारी रमेश रावत उ व एस एस बी की टीम के साथ चेकपोस्ट पर आने जाने वाले लोगों की तलाशी के रहे थे। इसी दौरान 6 लोगों की गतिविधि संदिग्ध देख उन्हें रोककर तलाशी ली गई तो उनके पास से 68 लाख नेपाली व 16 लाख 50 हजार रुपए की भारतीय मुद्रा बरामद हुई ये लोग कोई भी वैध दस्तावेज नहीं दिखा सके जिसके बाद बरामद रुपयों को सीज कर इसकी सूचना आयकर विभाग को दी। भारी मात्रा में मुद्रा बरामद होने पर पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव भी मौके पर पहुंचे।

कार्यालय नगर पंचायत शिवगढ़–रायबरेली
पत्रांक :1810/ न0पं0शिव0/ई–टे0/का0गौ0भ0पो0/2025–26 दिनांक – 22/04/2026
ई–दर आमंत्रण सूचना
एतद् द्वारा नगर पंचायत शिवगढ़ जनपद रायबरेली के अन्तर्गत समस्त पंजीकृत /अपंजीकृत ठेकेदारों/फर्मो को एवं शासन द्वारा प्राप्त शासनादेश संख्या–3/2017/1067/78–2–2017–42 आई टी/2017 अनुभाग–2 दिनांक 12–05–2017 के क्रम में यू0पी0 इलेक्ट्रानिक्स कार्पोरेशन लिमिटेड में रजिस्टर्ड विडर्स/कान्ट्रैक्टर्स / वेन्डर्स को सूचित किया जाता है कि कान्हां गौशाला एवं बेसहारा पशु आश्रय योजना (भरण–पोषण) के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से वित्तीय वर्ष–2025–26 के लिए गोवंशों के चारा भूसा आदि के कियान्वयन हेतु ई–टेण्डर के माध्यम से दरें आमंत्रित की जाती है। ई–निविदा प्रपत्र वेबसाइट https://e-tender.up.nic.in पर उपलब्ध है, जिसे डाउनलोड कर प्राप्त किया जा सकता है। जिसका विवरण निम्नलिखित सारणी में प्रदर्शित है:–
टेण्डर शेड्यूल ((https://e-tender.up.nic.in **पर**)

क्रमांक	विवरण	प्रारम्भ दिनांक एवं समय	अंतिम दिनांक एवं समय
1	Tender Release	24-04-2026 10:00 AM	
2	Tender Download	24-04-2026 10:00 AM	14-05-2026 5:00 PM
3	Bid Submission	24-04-2026 10:00 AM	14-05-2026 5:00 PM
4	Bid Opening	15-05-2026 02:00 PM	
	Bid Opening Place	Office Nagar Panchayat Shivgarh-Raebareli	

निविदा के साथ निविदा शुल्क खाता सं0 42460334538/IFSC CODE SBIN0018415 भारतीय स्टेट बैंक शाखा शिवगढ़, रायबरेली में जमा किया जायेगा एवं धरोहर धनराशि की एफ0डी0आर0, जो अधिशाषी अधिकारी नगर पंचायत शिवगढ़ के नाम बंधक करना होगा। उक्त वेबसाइट पर निविदा सम्बंधी विस्तृत नियम, शर्ते व विवरण उपलब्ध है। ई–निविदा से सम्बंधित समस्त जानकारी कार्यालय से भी किसी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है।
(स्वर्ण सिंह)
अधिशाषी अधिकारी
नगर पंचायत शिवगढ़
रायबरेली।
(सुमन)
अध्यक्ष
नगर पंचायत शिवगढ़
रायबरेली।

सूचना
मैने अपना नाम MOHSIN BEG से बदलकर MOHSIN KHAN रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **S/O - KUNNEY BEG ADD-107/37 BAESI KI MASJET DIST-LUCKNOW - 226001 (U.P.)**

सूचना
सूचित हो कि मेरा मंझला पुत्र शाबाज व उसकी पत्नी फिजा पत्नी शाबाज का व्यवहार एवं आचरण मेरे व मेरे परिवार के प्रति खराब आचरण होने के कारण उनसे सम्बंध विच्छेद करते हुए उन्हें अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया था। परंतु अब मेरे पुत्र शाबाज व उसकी पत्नी फिजा पत्नी शाबाज का व्यवहार एवं आचरण मेरे व परिवार के प्रति अच्छा हो गया है। अतः मैं पूर्व प्रकाशित बेदखली को वापस लेती हूँ। **अफरोज जहाँ, पत्नी मोहम्मद इस्माईल, निवासिनी– 426/485, वजीर बाग, थाना– सआदतगंज, जिला लखनऊ।**

सूचना
मैं सरताज अहमद खाँ पुत्र स्व0 सरदार अहमद खाँ निवासी मोहल्ला बसारत तरफदार कस्बा व परगना व तहसील मलिहाबाद जनपद लखनऊ अपने पुत्र मोहम्मद शारिक के व्यवहार व कार्यो से क्षुब्ध होकर अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ अब मेरा व मेरे परिवार का मोहम्मद शारिक से कोई वास्ता व सरोकार नही रह गया है व उनके द्वारा किये गये समस्त कृत्यो के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा।

सूचना
मेरी पुत्री के जन्म प्रमाणपत्र पर त्रुटिवश नाम दृष्टि पांडेय पिता का नाम सौरभ पांडेय व पता–201 सेक्टर–बी वृंदावन, लखनऊ दर्ज हो गया है। जबकि उसका वास्तविक नाम भव्या पांडेय (BHAVYA PANDEY) पिता का नाम रघुवंश कुमार तिवारी, पता हाउस नं.2 पी नम्बर–108 सेक्टर–जे–3 मड़ियांव, जानकीपुरम, लखनऊ है। अतः भविष्य में उसे वास्तविक नाम पिता का नाम और पते के नाम से जाना पहचाना जाए। **गुंजन पांडेय पत्नी रघुवंश कुमार तिवारी निवासनी– हाउस नं.2 पी नम्बर–108 सेक्टर–जे–3 मड़ियांव, जानकीपुरम, लखनऊ।**

सूचना
सूचित हो कि RAMA BAJPAI, MANJULA BAJPAI एवं MANJULA DIXIT सभी नाम एक ही महिला अर्थात मेरे ही हैं। भविष्य में मुझे MANJULA BAJPAI के नाम से जाना व पहचाना जाये। **मन्जुला बाजपेयी पत्नी श्री प्रेम कुमार बाजपेयी नि0–491/22, मुंशीगंज, डालीगंज, लखनऊ, उ0प्र0।**

सूचना
मैं मोहम्मद अतिक (MOHAMMAD ATIK) पुत्र मोहम्मद हनीफ निवासी 602/1823/001 हरदोइ रोड बेगरिया अवध एन्क्लेव कॉलोनी काकोरी लखनऊ उ.प्र. शपथपूर्वक कहता हूँ कि मेरा नाम पहले मोहम्मद अतिक (MOHAMMAD ATIK) था। अब मैं अपना नाम मोहम्मद अतिक सिद्दिकी (MOHAMMED ATIK SIDDIQUE) रखना चाहता हूँ। भविष्य में सभी सरकारी और गैर–सरकारी कार्यो के लिए मुझे इसी नाम से जाना जाएगा। यह शपथ मेरे ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य है।

सूचना
हमने अपने पुत्र अली उम्र लगभग 22 वर्ष को उसके गलत आचरण के चलते संबंध विच्छेद करते हुए अपनी समस्त चल–अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य से हमारा सरोकार नहीं होगा। **मो.वसीम पुत्र अमीनुद्दीन व श्रीमती आसिया पत्नी मो. वसीम, निवासी –35, गांधीग्राम कैलाश कुंज, फैजाबाद रोड वी.टी.सी. इंदिरानगर, लखनऊ।**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व मे मेरा नाम विशन लाल था जिसे बदलकर मैंने विशन लाल मंगलानी कर लिया है भविष्य में मुझे विशन लाल मंगलानी नाम से जाना पहचाना जाये। **विशन लाल मंगलानी पुत्र खद्दू मल पता 35, 36 F समर विहार कॉलोनी, नेशनल पब्लिक स्कूल के पास आलमबाग, लखनऊ, यू0पी0**

सूचना
सूचित किया जाता है कि मैं MOHAMMAD SALIM से अपना नाम बदल कर BAGWAN MOHAMMAD SALEEM रख लिया है अब भविष्य में मुझे मेरे बदले हुए नाम से जाना व पहचाना जाए। **पुत्र IDREES निवासी ग्राम मलदा पोस्ट रमवापुरराउत जिला सिद्धार्थ नगर** का रहने वाला हूं।

सूचना
सूचित हो कि मेरी 10वीं यू.पी. बोर्ड की मार्कशीट रोल नं0–2325161 सन् 2015 कहीं पर खो गई है। किसी अन्य के द्वारा इसका उपयोग अवैध होगा। **अजय जायसवाल पुत्र नाथूराम निवासी ग्राम–अजबनगर पोस्ट– बानेपुर थाना–वजीरगंज जनपद –गोण्डा।**

अमृत विचार

लखनऊ , गुरुवार, 23 अप्रैल 2026

न्यूज ब्रीफ

शिवलिंग की स्थापना के लिए धूमधाम से निकली कलश यात्रा

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। उसका बाजार क्षेत्र के कृष्णा नगर वार्ड में श्री शिवलिंग स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा के लिए मंदिर स्थल से भव्य कलश यात्रा निकाली गई। पंडित अश्वनी कुमार शास्त्री ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कलश यात्रा का शुभारंभ कराया। मुख्य यज्ञमान ओमकार पाण्डेय सहित अन्य श्रद्धालु कलश लेकर क्षेत्र के नौखनिया घाट जहा कूड़ा, बूढ़ी राप्ती और राप्ती नदियों का संगम है वहा गाजे बाजे के साथ पहुंचे। संगम स्थल पर पहुंच कर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कलश में जल भर कर सभी श्रद्धालु मंदिर स्थल पर पहुंचे। कलश यात्रा कस्बा के विभिन्न वार्डो से भ्रमण करते हुए पूजा स्थल पर पहुंची। इस दौरान धार्मिक जय करे से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। कलश यात्रा में प्रदीप पाण्डेय, सनद पाण्डेय,हरिशंकर सिंह , मुन्नू दुबे, अतुल दुबे, मदन, रोहित त्रिपाठी गुंजन पाण्डेय, राजनाथ सिंह, अंब्रीश दूबे, चन्दन पाण्डेय, दिपेंद्र पाण्डेय,सूरज पाण्डेय, पंकज चौरसिया, आलोक पाण्डेय, आदित्य पांडेय, मंकु पाण्डेय, पिंकु पाण्डेय, संतोष पांडेय, दीपक पाण्डेय, अखिलेश त्रिपाठी, सुनील सिंह आदि रहे।

ठूंठ जलाने से भड़की आग, पेड़-पौधे झुलसे

संतकबीरनगर, अमृत विचार। कांटे क्षेत्र में बीते एक सप्ताह से आग की घटनाओं का सिलसिला जारी है, जिससे हाईवे किनारे लगे दर्जनों हरे पेड़ और वन विभाग द्वारा लगाए गए पौधे आग की भेंट चढ़ रहे हैं। बुधवार को क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर आग लगने की चार घटनाएं सामने आईं। सुबह करीब 10 बजे बुधा कला गांव के सिवान में आग लगने की सूचना मिली। दमकल टीम मौके पर पहुंचकर घंटों मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। उसी दौरान पास स्थित एक खुली सीएनजी इकाई तक आग की लपटें पहुंच गईं। हालांकि, दमकलकर्मियों की तत्परता से समय रहते आग पर काबू पा लिया गया।

बच्चों के समग्र विकास के लिए पिता की अभिरक्षा आवश्यक : हाईकोर्ट

विधि संवाददाता, प्रयागराज

● कहा, बिना किसी उचित कारण के बच्चे को उसके पिता से दूर रखना उचित नहीं

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नाबालिग बच्चे की अभिरक्षा से जुड़े मामले में सुनवाई करते हुए स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों में सर्वोपरि कसौटी बच्चे का कल्याण होता है और केवल इस आधार पर कि बच्चे की मां की मृत्यु असफल आईवीएफ प्रक्रिया के दौरान हुई, पिता को उसकी वैधानिक अभिरक्षा से वंचित नहीं किया जा सकता है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि पिता के विरुद्ध कोई आपराधिक मामला लंबित नहीं है और पिता के रूप में उसके अयोग्य होने का कोई ठोस आधार नहीं है, तो बच्चे को उसके प्राकृतिक संरक्षक पिता से दूर रखना उचित नहीं होगा। यह आदेश न्यायमूर्ति संदीप जैन की एकलपीठ ने विपिन कुमार पांडेय की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया। याची ने अपने 13 माह के पुत्र अक्षित पांडेय की अभिरक्षा पाने के लिए वर्तमान याचिका दाखिल की। दरअसल बच्चे की मां दीपिका पांडेय का 10 फरवरी 2025 को निधन हो गया था, जिसके बाद बालक अपनी मौसी और मामा के पास रह रहा था। कोर्ट ने कहा कि मां की मृत्यु के बाद पिता ही बच्चे का प्राकृतिक संरक्षक है और सामान्य परिस्थितियों में वही उसके पालन-पोषण के लिए सर्वाधिक उपयुक्त व्यक्ति माना जाएगा। अभिलेखों में ऐसा कोई तथ्य नहीं है, जिससे यह सिद्ध हो कि याची/पिता अपने दायित्वों के निर्वहन में अक्षम है। इसके विपरीत वह आर्थिक रूप से सक्षम है, उसके पास स्थिर आवासीय व्यवस्था है और वह बच्चे की उचित देखभाल कर सकता है। कोर्ट ने यह भी ध्यान दिया कि याची की बहन सुनीता पांडेय, जो निकट ही रहती हैं, गृहिणी हैं और बच्चे की परवरिश में सहयोग देने को तैयार हैं।

दो मुकदमों के आधार पर किसी को गुंडा ठहराना असंगत

विधि संवाददाता, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई के प्रावधानों को स्पष्ट करते हुए कहा कि मात्र एक या दो आपराधिक मामलों के आधार पर किसी व्यक्ति को "गुंडा" घोषित कर उसके विरुद्ध गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई करना विधिसम्मत नहीं है, क्योंकि आदतन अपराधी होने के लिए लगातार और समान प्रकृति के अपराधों का क्रमिक होना आवश्यक है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि ऐसे आधार पर की गई कार्रवाई व्यक्ति की प्रतिष्ठा और उसके परिवार को अपूरणीय क्षति पहुंचा सकती है। इसी आधार पर कोर्ट ने याची के विरुद्ध पारित छह माह के निर्वासन आदेश को निरस्त कर दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति संदीप जैन की एकलपीठ ने सतेंद्र की याचिका को स्वीकार करते हुए पारित किया, जिसमें मेरठ मंडल के आयुक्त द्वारा दिनांक 2 जून 2025 को पारित आदेश तथा बुलंदशहर के अपर जिला मजिस्ट्रेट (वित्त एवं राजस्व) के 12 फरवरी 2025 के आदेश को चुनौती दी गई थी।

न्यायिक फाइल गायब होना गंभीर कदाचार : हाईकोर्ट

विधि संवाददाता, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रामपुर जिला न्यायालय के एक लिपिक पर लगाए गए दंड को वैध ठहराते हुए कहा कि न्यायालय के अभिलेखागार से किसी न्यायिक फाइल का गायब होना अत्यंत गंभीर मामला है, जो न्याय प्रशासन को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करता है, इसलिए ऐसे मामलों से "लोहे की छड़ी" जैसी कठोरता के साथ निपटा जाना आवश्यक है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति अनिश कुमार गुप्ता की एकलपीठ ने महावीर सागर की याचिका खारिज करते हुए पारित किया। याची ने 23 अक्टूबर 2007 के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसके तहत विभागीय कार्यवाही में दोषी पाए जाने पर उसकी चार वेतनवृद्धियां स्थायी प्रभाव से रोक दी गई थीं, साथ ही 11 मार्च 2011 को अपीलीय प्राधिकारी द्वारा अपील खारिज किए जाने के आदेश को भी निरस्त करने की मांग की गई थी।

9 बीघा जमीन विवाद में धोखाधड़ी का आरोप

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। थाना क्षेत्र शोहरतगढ़ में एक बड़े जमीन फर्जीवाड़े का मामला प्रकाश में आया है। बुढनईया गांव में 5 करोड़ 50 लाख रुपये की जमीन के सौदे को लेकर पीड़ित ने धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। वहीं पीड़ित शम्भूनाथ ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है कि 3 बीघा जमीन की रजिस्ट्री की आड़ में सुनियोजित तरीके से 9 बीघा जमीन हड़पने की साजिश रची गई थी। शम्भूनाथ के मुताबिक बुढनईया गांव के मेन रोड पर स्थित 9 बीघा जमीन का सौदा मोहम्मद मुस्लिम से 5 .50 करोड़ रुपये में तय हुआ था। इसमें 6 बीघा के लिए 4 करोड़ रुपये और 3 बीघा के लिए 1 .50 करोड़ रुपये निर्धारित किये गये थे। जिसके क्रम में 12 अप्रैल 2026 को केवल 3 बीघा जमीन की रजिस्ट्री होनी थी। पीड़ित शम्भूनाथ का आरोप है कि 1 .50 करोड़ रुपये के सौदे के बावजूद रजिस्ट्री में केवल 40 लाख रुपये का प्रतिफल दर्शाया गया। 63 लाख रुपये खातों में स्थानान्तरित किये गये, जबकि पीड़ित को 33 लाख रुपये के तीन चेक दिये गये। आरोप है कि रजिस्ट्री के बाद न तो 54 लाख रुपये नकद दिये गये और न ही 33 लाख रुपये के चेक क्लियर हुए।

ट्रक से भिड़ी कार, चालक की मौत दूल्हा-दुल्हन सहित 3 लोग घायल

हादसे में मरने वाला दूल्हे का बहनोई, शादी की खुशियों बीच मचा कोहराम

संवाददाता, संतकबीरनगर

सड़क हादसे में घायल महिला से दुर्घटना की जानकारी लेते महुली एसओ दुर्गेश कुमार पांडेय।

अमृत विचार। महुली क्षेत्र के धनघटा-खलीलाबाद मार्ग पर भगता गांव के पास बुधवार को भीषण सड़क हादसा हो गया। बारात से दुल्हन की विदाई कराकर लौट रही कार अनियंत्रित होकर सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई। हादसे में कार चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दुल्हा-दुल्हन समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

धनघटा थाना क्षेत्र के हैंसर बाजार निवासी अजय वर्मा (26) की शादी दुधारा क्षेत्र के दानोंकुइयां गांव की बबिता सोनी (22) से 21 अप्रैल को बस्ती जिले के एक मैरिज हाल में हुई थी। शादी के बाद विदाई कराकर दुल्हा अपने परिजनों के साथ कार से घर लौट रहा था। कार दुल्हे के बहनोई संतोष सोनी (निवासी पैकवलिया, बस्ती) चला रहे थे। बताया जा रहा है कि भगता गांव के पास पहुंचते ही चालक को झपकी आ गई, जिससे कार अनियंत्रित होकर सामने से आ रहे ट्रक से भिड़ गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में चालक संतोष सोनी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दुल्हा अजय वर्मा, दुल्हन बबिता सोनी और नैना सोनी (20) गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंचे एसओ महुली दुर्गेश कुमार पांडेय पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और एंबुलेंस की मदद से घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एसओ दुर्गेश कुमार पांडेय ने बताया कि प्रथम दृष्टया हादसा चालक को झपकी आने के कारण हुआ प्रतीत हो रहा है। मामले की जांच की जा रही है। उधर, हादसे की खबर मिलते ही दोनों परिवारों में कोहराम मच गया। मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

रेलवे पुलिस ने बच्चों बरामद कर चाइल्ड लाइन को सौंपा

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे सुरक्षा बल सीतापुर, पूर्वोत्तर रेलवे एवं चाइल्ड लाइन लखनऊ जं. द्वारा 21 अप्रैल को निगरानी के दौरान प्लेटफार्म संख्या-03 पर 12 वर्ष की एक लड़की लावारिस हालत में मिली। पूछताछ के उपरान्त लड़की को चाइल्ड लाइन सीतापुर के समक्ष वन स्टॉप सेंटर सीतापुर को सुपुर्द किया गया। रेलवे सुरक्षा बल एवं चाइल्ड लाइन सीतापुर को गाड़ी संख्या-15211 में लगभग 12 से 16 वर्ष के पांच लड़के लावारिस हालत में मिले। पूछताछ के उपरान्त सभी लड़कों को चाइल्ड लाइन सीतापुर को सुपुर्द किया गया। वहीं रेलवे सुरक्षा बल नकहा जंगल को प्लेटफार्म संख्या-02 पर 08 एवं 09 वर्ष के दो लड़के लावारिस हालत में मिले। पूछताछ के उपरान्त दोनों लड़कों को चाइल्ड लाइन गोरखपुर को सुपुर्द किया गया।

थाना फूंकने की धमकी देने वाली महिला नेता पर केस

संवाददाता, संतकबीरनगर।

अमृत विचार। मेंहदावल थाना क्षेत्र में सोशल मीडिया पर किए गए एक भड़काऊ पोस्ट ने निषाद पार्टी की महिला नेत्री को मुसीबत में डाल दिया। फेसबुक पर 'गीता निषाद' नामक आईडी से साझा किए गए वीडियो व पोस्ट में महिला ने थाना प्रभारी समेत पूरे थाने को आग लगाने की खुली धमकी दे डाली। मेंहदावल पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी महिला के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

महराजगंज जिले के फरेंदा थाना क्षेत्र के बारात गाड़ा गांव निवासी एक महिला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर मेंहदावल पुलिस के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए थाना फूंकने की धमकी दी थी। पुलिस की आईटी सेल की मॉनिटरिंग के दौरान 21 अप्रैल को यह पोस्ट संज्ञान में आई। पुलिस के मुताबिक, संबंधित आईडी से किए गए पोस्ट में मेंहदावल पुलिस पर असत्य एवं भ्रामक आरोप लगाए गए हैं। साथ ही लोगों को उकसाने और पुलिस के खिलाफ आक्रामक कार्रवाई के लिए प्रेरित करने का प्रयास किया गया है। इससे कानून-व्यवस्था और शांति भंग होने की आशंका जताई गई है। थाना प्रभारी की तहरीर पर दर्ज इस कार्रवाई के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। सीओ मेंहदावल सर्वदमन सिंह ने बताया कि गीता निषाद नामक फेसबुक आईडी से महिला ने भड़काऊ पोस्ट किया है। ऐसे में कानून से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया का उपयोग समाजहित में होना चाहिए, न कि अफवाह और वैमनस्य फैलाने के लिए।

डिजिटल जगत में सतर्क व जागरूक रहें

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय में 'मिशन शक्ति' के अंतर्गत डिजिटल साक्षरता एवं साइबर सुरक्षा कार्यशाला का आयोजन सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय में शासन के निर्देशानुसार 'मिशन शक्ति' विशेष अभियान फेज-5 के अंतर्गत 'डिजिटल साक्षरता एवं साइबर सुरक्षा' विषय पर एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एवं विज्ञान संकाय की डीन प्रोफेसर प्रकृति राय मैम ने छात्र-छात्राओं को अपने आशीर्वचन प्रदान किए। उन्होंने वर्तमान समय में साइबर सुरक्षा की

कार्यक्रम में बोलते वक्ता।

अनिवार्यता पर जोर देते हुए विद्यार्थियों को डिजिटल जगत में सतर्क और जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। विशिष्ट वक्ता के रूप में उपस्थित डॉ. आशीष श्रीवास्तव असिस्टेंट प्रोफेसर, जन्तु विज्ञान विभाग, सिद्धार्थ विश्वविद्यालय ने छात्र-छात्राओं को साइबर सुरक्षा के तकनीकी पहलुओं और इससे बचाव के व्यावहारिक तरीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम का प्रारंभ डॉ. दीपक जायसवाल के स्वागत उद्बोधन से हुआ, जिन्होंने मंच संचालन का दायित्व भी बखूबी निभाया। पूरे कार्यक्रम का कुशल प्रबंधन डॉ. किरन गुप्ता द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. अमरजीत यादव ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर नोडल अधिकारी डॉ. सुनीता त्रिपाठी, संयोजक डॉ. रेनू त्रिपाठी व डॉ. रक्षा सहित डॉ. विनीता रावत, डॉ. अंकिता श्रीवास्तव, डॉ. दीप्ति गिरी एवं अन्य शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

बोलेरो की टक्कर से स्कूटी सवार घायल

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। थाना क्षेत्र ढेबरूआ के तुलसियापुर चौराहे पर बुधवार शाम बोलेरो और स्कूटी की टक्कर हो गई। हादसे में स्कूटी सवार युवक गम्भीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों की मदद से घायल को एम्बुलेंस के जरिए सीएचसी शोहरतगढ़ पहुंचाया गया। एनएच पर एसबीआई बैंक तुलसियापुर के सामने पश्चिम दिशा से आ रही महिंद्रा बोलेरो और पूरब दिशा से आ रही स्कूटी में टक्कर हो गई। घायल युवक की पहचान राजेन्द्र पुत्र (34) राम चन्दर, निवासी वार्ड नम्बर-06 आर्य नगर, नगर पंचायत शोहरतगढ़ के रूप में हुई है।

युवक से मारपीट में 9 नामजद पर केस दर्ज

मेंहदावल (संतकबीरनगर)

मेंहदावल कस्बे में पेट्रोल भराने को लेकर आपस में मारपीट करते लोग।

● पेट्रोल पंप विवाद के बाद दबंगों ने युवक को जमकर पीटा

अमृत विचार। मेंहदावल कस्बे के एक पेट्रोल पंप पर मंगलवार की देर रात में तेल भराने को लेकर हुआ मामूली विवाद कुछ ही देर में हिंसक झड़प में बदल गया। आरोप है कि दबंगों ने युवक को घेरकर जमकर पीटा और लूटपाट भी की। वहीं, पुलिस ने बुधवार को पीड़ित की तहरीर पर नौ नामजद समेत अन्य अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तीन युवकों को हिरासत में लिया है।

धर्मसिंहवा थाना क्षेत्र के सेवाइचपार निवासी संदीप यादव मंगलवार की देर शाम पेट्रोल भराने मेंहदावल पहुंचे थे। भीड़ के चलते लाइन में आगे-पीछे होने को लेकर एक युवक से कहासुनी हो गई। मौके पर लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत करा दिया, लेकिन कुछ देर बाद विवाद ने फिर तूल पकड़ लिया। आरोप है कि दूसरे पक्ष ने अपने साथियों को बुला लिया। पेट्रोल भरवाकर लौट रहे संदीप को तिराहे के पास पहले से घात लगाए युवकों ने घेर लिया। गमछे से मुंह ढके हमलावरों ने उन पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर बाइक से गिर पड़े और बेहोश हो गए। पीड़ित ने मारपीट के दौरान सोने की चेन गायब होने का भी आरोप लगाया है। सूचना पर पहुंची डायल 112 पुलिस ने घायल को थाने पहुंचाया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने आरोपियों की पहचान की। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर सर्वजीत साहनी, शिवा पासवान, अमन निषाद, आकाश निषाद, दीपक उर्फ दीपू निषाद समेत 9 नामजद व अन्य अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। घटना के बाद क्षेत्र में कथित 'बिच्छू गैंग' की चर्चा भी तेज है, हालांकि पुलिस ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। थाना प्रभारी सुरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन युवकों को हिरासत में लिया गया है। पूछताछ में अन्य आरोपियों के नाम भी सामने आए हैं। फरार आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है।

सुरक्षित यात्रा के लिए भारतीय रेलवे लोगों को कर रहा जागरूक

गोरखपुर, अमृत विचार। संरक्षा रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना की रोकथाम हेतु रेलवे प्रशासन सतत प्रयत्नशील है। रेल लाइनों के किनारे आगजनी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए व्यापक कदम उठाए गए हैं। इसके लिए बड़े पैमाने जन जागरूक ता अभियान चलाया जा रहा है कि यात्री अपनी यात्रा के गाड़ियों में विस्फोटक अथवा ज्वलनशील पदार्थ लेकर न चलें। रेल लाइन के किनारे रहने वाले किसान अथवा अन्य व्यक्ति रेल लाइन के किनारे सूखी घास अथवा पराली न जलाएं। इससे रेल ट्रैक पर आगजनी होने पर रेल संचलन बाधित हो सकता है। रेल प्रशासन की जन सामान्य से अपील है कि वे रेल यात्रा के दौरान विस्फोटक अथवा ज्वलनशील पदार्थ लेकर न चलेंऔर रेल लाइन के किनारे सूखे पत्ते, सूखी घास अथवा पराली न जलावे। जिससे आग लगने पर रेल संचलन बाधित हो सकता है तथा यात्रियों की जान खतरे मे पड़ सकती है।

आयुष्मान कार्ड कम बनने पर डीएम नाराज

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जिला स्वास्थ्य समिति (डीएचएस) एवं स्वास्थ्य विभाग से संबंधित योजनाओ की समीक्षा बैठक जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी द्वारा समीक्षा के दौरान आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रगति कम पाये जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की गयी। प्रगति लाकर लक्ष्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी को क्षेत्र भ्रमण करने हेतु निर्देश दिया। इसके साथ ही साथ आयुष्मान सेन्टर समय से खुले। जिलाधिकारी ने समस्त एमओआईसी को निर्देश दिया कि जो आशा डिलीवरी नही करा रही है उन्हें चिन्हित कर नोटिस निर्गत करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी एमओआईसी सुनिश्चित कर ले कि डिलीवरी घर पर नहीं होना चाहिए। सभी गर्भवती महिलाओ का प्रसव अस्पताल में ही हो। घर पर प्रसव होने पर एमओआईसी जिम्मेदार होगे। एनबीएसयू को 24 घंटे सक्रिय करें जिससे कोई भी गर्भवती महिला व उसके परिजन सम्पर्क कर सहायता प्राप्त कर सकें। सभी एमओआईसी वार रूम का निरीक्षण करें। बीएचएनडी दिवस में कम एचआरपी वाली गर्भवती महिलाओं को चिन्हित कर उनका बेहतर इलाज कराये और सावधानियां बरतने का सलाह दें। बीएचएनडी दिवस में सभी लोग जाये। एएनएम, आशा व सीएचओ को सभी प्रकार किट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

बैठक करते जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन। अमृत विचार

होमगार्ड भर्ती परीक्षा की तैयारी पूरी, डीएम-एसपी ने दिए निर्देश

संतकबीरनगर, अमृत विचार। उत्तर प्रदेश होमगार्ड एनरोलमेंट-2025 की 25 अप्रैल से 27 अप्रैल तक होने वाली लिखित परीक्षा को सकुशल, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के लिए बुधवार को रिजर्व पुलिस लाइन्स परिसर में पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की संयुक्त ब्रीफिंग की गई। इस दौरान डीएम और एसपी ने ड्यूटी में लगे अधिकारियों और पुलिसकर्मियों को परीक्षा की शुचिता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी आलोक कुमार और पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने संयुक्त रूप से ब्रीफिंग करते हुए कहा कि परीक्षा के लिए जनपद में कुल सात केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा प्रक्रिया दो पालियों में होगी। पहली पाली सुबह 10 बजे से 12 बजे तक और दूसरे पाली की परीक्षा तीन बजे से शाम पांच बजे तक होगी। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी तैनात कर्मियों को अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी सतर्कता और ईमानदारी से करने के निर्देश दिए।

आयोजन

नुक्कड़ नाटक, पोस्टर प्रतियोगिता व जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

शिक्षा से ही खत्म होगी भिक्षावृत्ति की समस्या

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। राम बिलास इंस्टिट्यूट ऑफ नर्सिंग एंड मेडिकल साइंसेज, बांसी में सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भिक्षा से शिक्षा विषय पर नुक्कड़ नाटक, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता एवं विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन प्रबंधक डॉ अनीता द्विवेदी के निर्देश पर प्रिंसिपल जूही शुक्ला एवं नर्सिंग ट्यूटर अर्पिता उपाध्याय के नेतृत्व में किया गया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से छात्रों ने समाज में व्याप्त भिक्षावृत्ति की समस्या और उसके समाधान के रूप में शिक्षा के महत्व को प्रभावशाली

कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाली छात्राएं। अमृत विचार

ढंग से प्रस्तुत किया। इस प्रस्तुति में रूपाली, अंजली, आलोक, प्रेम, प्रतीक, आदित्य एवं अमन ने अपनी सशक्त अभिनय क्षमता से दर्शकों को जागरूक किया। इस अवसर पर एसएचओ मृत्यंजय पाठक मुख्य रूप से उपस्थित रहे। मिशन शक्ति टीम से एसआई राजेंद्र यादव एवं महिला कांस्टेबल गीतांजलि सहित अन्य पुलिस कर्मियों ने भी सहभागिता की और महिलाओं की सुरक्षा, अधिकारों एवं जागरूकता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। कार्यक्रम में नारी शक्ति वंदन और "शिक्षा से सशक्तिकरण" विषय पर विशेष प्रस्तुतियां भी दी गईं, जिन्होंने उपस्थित लोगों को प्रेरित किया और महिला सशक्तिकरण के महत्व को उजागर किया। वहीं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में बीएससी नर्सिंग के छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इसमें सौम्या गौंड, रेहान, प्रियंका यादव, अंजली, प्रतिभा, रुक्मणि और स्मृति ने अपने रचनात्मक पोस्टरों के माध्यम से भिक्षा छोड़ो, शिक्षा जोड़ो का संदेश दिया।

ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी का मार्ग बदला

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज जं. स्टेशन पर यार्ड रिमॉडलिंग कार्य के परिप्रेक्ष्य में नान इंटरलॉक कार्य किये जाने के कारण पूर्व अधिसूचित वटवा से 22 एवं 27 अप्रैल को तथा हावड़ा से 23, 24 एवं 29 अप्रैल को चलने वाली 09481/09482 वटवा (अहमदाबाद)-हावड़ा-वटवा (अहमदाबाद) ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी निर्धारित मार्ग बीना-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-कानपुर सेंट्रल-प्रयागराज जं.-प्रयागराज रामबाग के स्थान पर परिवर्तित मार्ग बीना-गोविन्दपुरी-प्रयागराज जं.-मिर्जापुर के रास्ते चलाई जायेगी। इस गाड़ी का ठहराव ज्ञानपुर रोड, बनारस एवं वाराणसी स्टेशनों पर नहीं रहेगा।

नए विकास कार्यों की बनी रणनीति

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। नगर पंचायत बढ़नी सभागार में बुधवार को चेयरमैन सुनील अग्रहरि की अध्यक्षता एवं अधिशाषी अधिकारी अजय कुमार की उपस्थिति में नगर पंचायत बोर्ड की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पूर्व में कराए गए विकास कार्यों की समीक्षा की गई तथा आगामी योजनाओं को लेकर विस्तृत चर्चा हुई।

बैठक के दौरान विकास कार्य प्रमुख मुद्दा रहा। विभिन्न वार्डों में आवश्यक सुविधाओं के विस्तार, अधूरे कार्यों को पूर्ण करने तथा नई परियोजनाओं के निर्माण को लेकर रणनीति बनाई गई। इसके साथ ही सभासदों से उनके-अपने क्षेत्रों की आवश्यकताओं के अनुसार

बैठक में मौजूद चेयरमैन सुनील अग्रहरि व अन्य। अमृत विचार

प्रस्ताव मांगे गए, ताकि योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर स्वीकृति दी जा सके। बैठक में सभासद निसार अहमद, सरोजा देवी, मनोज यादव, मो. अकबर, निजाम अहमद, सतीश चन्द्र शर्मा, दरख्शा, श्रीमती आरशमा खातून, दीपमाला, कन्हैया लाल मित्तल एवं रजीउद्दीन उपस्थित रहे। इसके अलावा मनोनीत सभासद त्रियुगी अग्रहरि, रामधनी मौर्य, श्रीमती अनीता जायसवाल, लिपिक ऋषभ मोदनवाल सहित अन्य कर्मचारी एवं गणमान्य लोग भी मौजूद रहे। बैठक के अनतत में चेयरमैन ने सभी सभासदों से क्षेत्रीय समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु सक्रिय सहयोग की अपील की।

न्यूज ब्रीफ

महासमुंद में 43 किलो गांजा जब्त, दो गिरफ्तार

महासमुंद। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में कोतवाली पुलिस और एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 43 किलो 120 ग्राम गांजा के साथ दो अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया है। जब्त गांजा की अनुमानित कीमत 21 लाख 56 हजार रुपये बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक कार के जरिए गांजा की तस्करी की जा रही है। पुलिस टीम ने राष्ट्रीय राजमार्ग 353 पर तहसील कार्यालय के पास नाकेबंदी कर एक कार को रोका। कार की डिक्की, पिछली सीट के नीचे और बैक लाइट के अंदर छिपाकर रखे गए कुल 43 पैकेट गांजा बरामद किए गए, जिनका वजन 43 .120 किग्रा पाया गया।

बोगोटा पुस्तक मेले में भारत ने की शिरकत

नई दिल्ली। भारत दुनिया के सबसे प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक मेलों में से एक बोगोटा अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक मेला 2026 में ' 'विशिष्ट अतिथि देश' ' के रूप में भाग ले रहा है जो और कोलंबिया में आयोजित होने जा रहा है। इस वर्ष 21 अप्रैल से 4 मई तक आयोजित किए जा रहे अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक मेले में भारतीय मण्डप का उद्घाटन 21 अप्रैल को कोलंबिया की संस्कृति, कला और ज्ञान मंत्री यानाई कदामानी फोनरोडोना और कोलंबिया तथा इक्वाडोर में भारत के राजदूत वनलालहुमा ने किया। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास(एनबीटी) द्वारा यहां बुधवार को यह जानकारी दी गई। बोगोटा में 1988 से आयोजित हो रहे इस पुस्तक मेले में 25 देशों की भागीदारी हो रही है।

आम आदमी पार्टी नहीं लड़ेगी महापौर चुनाव

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने नामांकन प्रक्रिया समाप्त होने से एक दिन पहले बुधवार को घोषणा की कि वह दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के महापौर का चुनाव नहीं लड़ेगी। भाजपा के 250 सदस्यीय सदन में 123 पार्षद हैं जबकि आप के 101 पार्षद हैं। शेष सदस्य आम आदमी पार्टी से अलग हुए गुट - इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी और कांग्रेस के तथा निर्दलीय हैं। आम आदमी पार्टी की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि पार्टी ने महापौर चुनाव में भाग नहीं लेने का फैसला किया है।

हथियार गिरोह का भंडाफोड़, 8 गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा की संयुक्त राजधानी चंडीगढ़ में अपराध पर नकेल कसते हुए पुलिस ने एक बड़े अवैध हथियार नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। चंडीगढ़ पुलिस की एसपी ऑपरेशन सेल गीतांजलि खंडवाल ने बुधवार को बताया की विशेष अभियान के तहत पुलिस ने आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 14 पिस्टल और 15 कारतूस बरामद किए हैं। जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी ट्राई-सिटी क्षेत्र में सक्रिय विभिन्न गैंगों को हथियार सप्लाई करते थे। ये हथियार मुख्य रूप से मुरादाबाद और मध्य प्रदेश से लाए जाते थे।

आवश्यक धार्मिक प्रथाओं के मापदंड परिभाषित करना कठिन

शबरिमला मंदिर मामले की सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय ने की टिप्पणी

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कहा कि किसी धार्मिक संप्रदाय की किसी विशेष प्रथा को आवश्यक या गैर-आवश्यक घोषित करने के लिए मापदंड परिभाषित करना न्यायिक मंच के लिए यदि असंभव नहीं, तो बहुत मुश्किल है।

प्रधान न्यायाधीश न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली नौ-न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने कहा कि यदि किसी विशेष हिंदू धार्मिक संप्रदाय में कुछ परंपराओं का पालन किया जाता है, तो उन सभी को अनिवार्य धार्मिक परंपरा नहीं माना जा सकता, खासकर तब जब वे नैतिकता, सार्वजनिक व्यवस्था और स्वास्थ्य को प्रभावित करती हों। संविधान के तहत, किसी भी धर्म के किसी विशेष संप्रदाय की धार्मिक प्रथाओं को संरक्षण प्राप्त है, जब तक कि वे नैतिकता, सार्वजनिक व्यवस्था और स्वास्थ्य के विरुद्ध ना हों। संविधान पीठ में न्यायमूर्ति बी. वी. नागत्ना, न्यायमूर्ति एम. एम. सुंदरेश, न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह, न्यायमूर्ति अरविंद कुमार, न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह, न्यायमूर्ति पी. बी. वराले, न्यायमूर्ति आर. महादेवन और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची में शामिल थे।

पीठ ने कहा कि संविधान में आवश्यक शब्द का कोई उल्लेख नहीं है। एक पक्षकार की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने कहा कि किसी धर्म को केवल किसी सम्प्रदाय के नियमों के आधार पर परिभाषित नहीं किया जा सकता।

उपासना का तरीका आस्थावानों पर हो निर्भर

वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा, वे कैसे और कब उपासना करें, यह सब आस्थावानों पर निर्भर होना चाहिए। इसलिए कृपया कोई नए विचार न जोड़ें और पुराने को नए से न बदलें। उन्होंने कहा, इसे ऐसा साधन न बनाइए जो भविष्य में समस्याएं पैदा करे। कृपया यह निर्णय उस सम्प्रदाय पर ही छोड़ दीजिए कि वे कैसे उपासना करना चाहते हैं। द्विवेदी ने यह बात शबरिमला मामले में 2018 के बहुमत के फैसले से असहमति जताते हुए कहा जिसमें सभी उम्र की महिलाओं को मंदिर में प्रवेश की अनुमति दी गई थी।

हिंदू समाज को एकजुट होना होगा : न्यायमूर्ति नागरत्ना

शबरिमला मंदिर सहित धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव और विभिन्न धर्मों द्वारा पालन की जाने वाली धार्मिक स्वतंत्रता के दायरे और सीमा से संबंधित याचिकाओं की सुनवाई के सातवें दिन, न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि हिंदू समाज को एकजुट होना होगा। वरिष्ठ अधिवक्ता द्विवेदी से कहा कि आप यह नहीं कह सकते कि हम एक संप्रदाय के हैं और वे दूसरे संप्रदाय के हैं। वे एक मंदिर में नहीं आ सकते हैं और हम उनके मंदिर में नहीं जा सकते। यह हिंदू समाज की अवधारणा नहीं हो सकती। यदि हिंदू पंथ अपने दरवाजे दूसरों के लिए नहीं खोलते, तो उन्हें नुकसान होगा। वरिष्ठ वकील ने सहमति जताई, कहा कि यदि कोई विशेष सम्प्रदाय दूसरों को उपासना करने से रोकता है तो राज्य के कानून वैध होंगे।

राजोआना की याचिका पर हलफनामा दाखिल करे केंद्र

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को केंद्र सरकार से कहा कि वह 1995 में पंजाब के तत्कालीन मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्या मामले में दोषी बलवंत सिंह राजोआना की उस याचिका पर दो सप्ताह के भीतर अपना हलफनामा दाखिल करे, जिसमें उसने दया याचिका पर निर्णय में देरी के आधार पर फांसी की सजा को उम्रकैद में बदलने का अनुरोध किया है। राजोआना 29 वर्ष से अधिक समय से जेल में बंद है, जिनमें से 15 वर्ष से अधिक समय उसने मौत के सजायाफ्ता कैदी के रूप में बिताए हैं। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई की पीठ ने केंद्र की ओर से पेश वकील से पूछा कि अब तक आपने जवाबी हलफनामा क्यों दाखिल नहीं किया?

केंद्र के वकील ने कहा कि वे कुछ दस्तावेज अदालत के समक्ष सीलबंद लिफाफे में रखना चाहते हैं। इस पर पीठ ने कहा कि आप अपना जवाबी हलफनामा दाखिल कीजिए, नहीं तो उसके (राजोआना के) आरोपों को चुनौती नहीं दी जा सकेगी। आप जो कहना चाहते हैं, अपने हलफनामे में कहिए। राजोआना की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) द्वारा मार्च 2012 में दायर दया याचिका अब भी लंबित है।

मालेगांव विस्फोट : 4 आरोपियों को कोर्ट ने किया दोषमुक्त

मुंबई, एजेंसी

- **वर्ष 2006 में हुए धमाके में हुई थी 13 लोगों की मौत**

बंबई उच्च न्यायालय ने 2006 के मालेगांव सिलसिलेवार बम विस्फोट मामले में चार लोगों के खिलाफ आतंकवाद सहित सभी आरोपों को खारिज करते हुए उन्हें आरोपमुक्त करार दिया। इस फैसले के साथ यह सवाल अनुत्तरित रह गया कि उन विस्फोटों के लिए कौन जिम्मेदार था, जिनमें 31 लोगों की मौत हुई थी। मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति श्याम चांडक की खंडपीठ ने चारों आरोपियों राजेंद्र चौधरी, धन सिंह, मनोहर राम सिंह नरवरिया और लोकेश शर्मा द्वारा विशेष एनआईए अदालत के आदेश के खिलाफ दायर अपीलों को मंजूर कर लिया।

विशेष अदालत ने उनके खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया था। इन चारों पर भारतीय दंड संहिता की, हत्या और आपराधिक साजिश से संबंधित विभिन्न धाराओं के तहत आरोप लगाए गए थे। साथ ही उन पर कड़े गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत भी मामला दर्ज किया गया था। आठ सितंबर 2006 को नासिक जिले के मालेगांव कस्बे में चार बम विस्फोट हुए थे। इनमें से तीन धमाके शुक्रवार की नमाज के बाद हमीदिया मस्जिद और बड़ा कब्रिस्तान परिसर में हुए थे, जबकि चौथा धमाका मुशावरत चौक में हुआ था। इस घटना में 31 लोगों की मौत हो गई थी और 312 लोग घायल हुए थे। विस्फोटों की जांच में कई मोड़ और उतार-चढ़ाव देखने को मिले।

शुरुआती जांच एजेंसियों ने दावा किया था कि इसकी साजिश मुस्लिम आरोपियों द्वारा रची गई थी, लेकिन बाद में मामले की जांच करने वाले राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने कहा कि इन विस्फोटों के पीछे दक्षिणपंथी चरमपंथी थे। मामले की शुरुआती जांच महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने की थी, जिसने इस मामले में नौ मुस्लिम युवकों को गिरफ्तार किया था। एटीएस ने दिसंबर 2006 में दाखिल अपने आरोपपत्र में दावा किया कि विस्फोटों को अंजाम देने की साजिश मई 2006 में एक आरोपी की शादी के दौरान हुई बैठक में रची गई थी। यह मामला बाद में फरवरी 2007 में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दिया गया। सीबीआई ने अपने पूरक आरोपपत्र में एटीएस की जांच से सहमति जताई और नौ मुस्लिम पुरुषों को आरोपी के रूप में नामजद किया। हालांकि, अप्रैल 2011 में एनआईए ने यह मामला अपने हाथ में लिया और दावा किया कि इन विस्फोटों के पीछे दक्षिणपंथी चरमपंथियों का हाथ था तथा उसने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया।

जज ने जनहित याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग किया

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति तेजस कारिया ने बुधवार को उस जनहित याचिका की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया, जिसमें आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और अन्य के खिलाफ अदालत की कार्यवाही के वीडियो क्लिप कथित रूप से अपलोड और साझा करने पर अवमानना कार्रवाई का अनुरोध किया गया है। इन नेताओं पर आरोप है कि उन्होंने न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा को आबकारी नीति मामले में सुनवाई से अलग करने के अनुरोध वाली पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल की याचिका पर अदालत की सुनवाई के वीडियो अपलोड और साझा किए थे। अधिवक्ता वैभव सिंह द्वारा दायर जनहित याचिका मुख्य न्यायाधीश डी.के. उपाध्याय और न्यायमूर्ति कारिया की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए सूचीबद्ध थी।

सॉफ्टवेयर पेशेवर को नहीं मिली अंतरिम राहत

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक स्थित एक अदालत ने टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के कर्मचारी दानिश शेख को कथित यौन उत्पीड़न और जबरन धर्मांतरण से संबंधित एक अन्य मामले में गिरफ्तारी से अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया। इस मामले में दर्ज नौ प्राथमिकियों में से एक में 31 वर्षीय सॉफ्टवेयर पेशेवर को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में है।

उसने मुंबई नाका थाने में दर्ज मामले में अंतरिम जमानत मांगी है। बचाव पक्ष ने मुख्य याचिका पर निर्णय होने तक गिरफ्तारी से अंतरिम राहत मांगी थी। हालांकि, अभियोजन पक्ष ने दलील दी कि उसे अपना जवाब दाखिल करने के लिए समय चाहिए।

नहीं आई पुलिस, बुजुर्ग ने कर ली खुदकुशी

संवाददाता तिलहर (शाहजहांपुर)

अमृत विचार: बहू और बेटे से प्रताड़ित नगर के मोहल्ला केलरगंज निवासी सतीश चंद गुप्ता (75) की शिकायत पर पुलिस ने उन्हें घर आकर समस्या हल करने का आश्वासन देकर वापस तो भेज दिया लेकिन इसके बाद घंटों तक नहीं पहुंची। निराश होकर सतीश चंद ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। बुजुर्ग की मौत के बाद पुलिस सक्रिय हुई और बहू-बेटे के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मृतक की पत्नी राम बेटी के मुताबिक थाने में पुलिस ने उन्हें यह कहते हुए वापस भेज दिया था कि कुछ ही देर में वह उनके घर आकर मामले की जांच के बाद कार्रवाई करेगी। राम बेटी का आरोप है कि कई घंटे तक इंतजार के बाद भी पुलिस उनके घर नहीं पहुंची तो उन्होंने जहर की गोलियां खा लीं। हालत बिगड़ी तो वह खुद ई-रिक्शा लेकर सीएचसी पहुंचे, जहां वह अचेत हो गए। डॉक्टरों ने उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद एंबुलेंस से राजकीय मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया। राजकीय मेडिकल कॉलेज में डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को उनके आवास केलरगंज लाया गया। बुजुर्ग की मौत की सूचना के बाद पुलिस सक्रिय हुई। कोतवाली प्रभारी जुगुल किशोर पाल ने बताया कि एक व्यक्ति तहरीर देकर गया था। जब तक जांच कराई जाती, इससे पहले ही बुजुर्ग की मौत की सूचना मिली। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस आरोपी बहू-बेटे के खिलाफ रिपोर्ट भी दर्ज कर रही है।

पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट में मृतकों की संख्या 14 हुई

त्रिशूर। त्रिशूर के मुंडाथिकोड स्थित पटाखा बनाने वाली एक इकाई में हुए विस्फोट में घायल एक और व्यक्ति की मौत के साथ मृतकों की संख्या बुधवार को 14 हो गई। अधिकारियों ने कहा कि कई शवों के डीएनए परीक्षण के बाद यह संख्या और बढ़ने की आशंका है। केरल सरकार ने इस विस्फोट को राज्य-विशिष्ट आपदा घोषित किया और घटना में मारे गए लोगों के आश्रितों के लिए 14-14 लाख रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा की। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक में केरल हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति सीएन रामचंद्रन नायर के नेतृत्व में एक सदस्यीय न्यायिक आयोग भी गठित किया गया।

ऑनलाइन गेमिंग : सिर्फ ई-स्पोर्ट्स के लिए अनिवार्य पंजीकरण की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

- **ऑनलाइन गेमिंग के नियम केंद्र सरकार ने किए अधिसूचित, एक मई से होंगे प्रभावी**
- **पैसों का लेनदेन न करने वाले गेम्स को राहत पंजीकरण कराने की अनिवार्यता नहीं**

इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने बुधवार को बहुप्रतीक्षित ऑनलाइन गेमिंग नियमों को अधिसूचित कर दिया। ये नियम ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन और विनियमन अधिनियम को संचालित करने के लिए प्रक्रियात्मक ढांचा मुहैया कराते हैं और इनके आधार पर ऑनलाइन गेमिंग प्राधिकरण का गठन भी हो सकेगा।

आईटी सचिव एस कृष्णन ने कहा कि ज्यादातर ऑनलाइन गेम, अगर वे रियल मनी गेम नहीं हैं यानी उनमें पैसे का लेनदेन शामिल नहीं है तो उनको अनिवार्य रूप से पंजीकरण की आवश्यकता नहीं होगी। निगरानी केवल विशेष परिस्थितियों में ही शुरू की जाएगी। हालांकि, ईस्पोर्ट्स के लिए अनिवार्य पंजीकरण की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा, हम चाहते थे कि जहां तक संभव हो, इस पूरी प्रक्रिया को कम से कम नियामक हस्तक्षेप वाला रखा जाए। अधिकांश खेल जो पैसों वाले खेल नहीं हैं, वे बिना किसी अनिवार्य पंजीकरण के संचालित हो सकेंगे। इसलिए पूरी प्रक्रिया वैकल्पिक है।कृष्णन ने कहा, हम किसी को भी यह निर्धारित करने के लिए आवेदन करने के लिए बाध्य नहीं कर रहे हैं कि वह ऑनलाइन मनी गेम है या ऑनलाइन सोशल गेम है या ईस्पोर्ट्स है। हालांकि, इस तरह का निर्धारण तीन स्थितियों में शुरू होगा। पहली स्थिति वह है, जहां प्राधिकरण खुद संज्ञान लेकर ऐसा करता है। दूसरी स्थिति वह जहां ईस्पोर्ट्स गेम शामिल होते हैं और तीसरी स्थिति के तहत केंद्र सरकार सोशल गेम्स की किसी भी विशिष्ट श्रेणी को अधिसूचित कर सकती है, जिसे फिलहाल अधिसूचित नहीं किया गया है। उन्होंने बताया कि नियमों में उपयोगकर्ता की सुरक्षा सुविधाओं को भी स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है। यह अधिनियम भारत में ईस्पोर्ट्स और ऑनलाइन सोशल गेमिंग को बढ़ावा देते हुए ऑनलाइन रियल मनी गेमिंग पर प्रतिबंध लगाता है।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव महासंग्राम

प. बंगाल: पहले चरण का मतदान आज, अभूतपूर्व सुरक्षा इंतजाम

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए गुरुवार को 16 जिलों की 152 सीटों के लिए वोट डाले जाएंगे। राज्य में चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए आयोग ने सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम किए हैं और संवेदनशील इलाकों में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की सघन तैनाती की गई है। निर्वाचन आयोग ने उम्मीदवारों को शाम को मतदान समाप्त होने तक अपने निर्वाचन क्षेत्रों से बाहर न जाने की भी हिदायत दी है।

चुनाव आयोग के निर्देश पर पश्चिम बंगाल में पहले चरण के चुनाव के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के लिए सीआरपीएफ, आईटीबीपी, सीआईएसएफ और बीएसएफ जैसे केंद्रीय बलों के साथ-साथ रेलवे सहित कई और केंद्रीय इकाइयों को भी चुनाव में तैनात किया गया है। केंद्रीय बलों के ही दो लाख से ज्यादा कर्मचारी बंगाल में चुनाव के दौरान सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालेंगे। यहां तक कि पहली बार किसी चुनाव में सीआरपीएफ के बख्तरबंद वाहनों को भी तैनात किया गया है। पहले चरण में मतदाताओं की कुल संख्या 3.60 करोड से अधिक है, जिनमें 1.84 करोड पुरुष, 1.74 करोड़ महिलाएं और 465 ट्रांसजेंडर शामिल हैं।

पूर्व मेदिनीपुर जिले में वोटिंग कराने की तैयारी करते मतदान कर्मी। ● अमृत विचार

क्या डराने की कोशिश कर रहा आयोग: ममता

अमदंगा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव में सीआरपीएफ के बख्तरबंद वाहनों की तैनाती पर आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार ने सभी विभागों को अपने लिए काम पर लगा दिया है। उन्होंने कहा, केंद्रीय बलों की इतनी बड़ी तैनाती अभूतपूर्व है। क्या वे इतनी बड़ी संख्या में बलों को तैनात कर मुझे डराने की कोशिश कर रहे हैं।

छेड़छाड़ माना जाएगा ईवीएम बटन पर इत्र या गोंद लगाना, आपराधिक कार्रवाई संभव: आयोग

नई दिल्ली,एजेंसी

निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के बटन पर इत्र या गोंद लगाने जैसी हरकतों को 'छेड़छाड़' माना जाएगा, जो एक चुनावी अपराध है।

यह टिप्पणी उन दावों के बीच आई है जिनमें कहा गया था कि कुछ राजनीतिक कार्यकर्ता यह जानने के लिए ईवीएम बटन पर इत्र लगाते हैं कि वोट उनके पक्ष में पड़ा है या नहीं। तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में 23 अप्रैल को विधानसभा चुनाव के लिए होने वाले मतदान से पहले अधिकारियों ने मंगलवार को कहा कि यदि किसी मतदान केंद्र के पीठासीन अधिकारी को ऐसी कोई शरारत दिखती है, तो उसे सेक्टर अधिकारी या रिटर्निंग अधिकारी को सूचित करना होगा।

आयोग के एक अधिकारी ने कहा कि आयोग आपराधिक कार्रवाई करने में संकोच नहीं करेगा और पुनर्मतदान का आदेश भी दे सकता है। अधिकारियों ने कहा कि सभी बूथों के पीठासीन अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि ईवीएम पर सभी प्रत्याशियों के बटन स्पष्ट रूप से दिखाई दें और किसी भी बटन पर टेप, गोंद या अन्य सामग्री न लगी हो।

उन्होंने कहा कि मतपत्र इकाई के प्रत्याशी बटन पर कोई रंग, स्याही, इत्र या अन्य रसायन नहीं लगाया जा सकता, जिससे मतदान की गोपनीयता भंग हो। यदि ऐसा कोई मामला सामने आता है तो पीठासीन अधिकारी तुरंत सेक्टर अधिकारी या रिटर्निंग अधिकारी को सूचित करेगा।

पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु में चुनाव आयोग की कार्रवाई में एक हजार करोड़ रुपये से अधिक की जब्ती

नई दिल्ली, एजेंसी

चुनाव आयोग ने बुधवार को बताया कि इस समय चल रहे विधानसभा चुनाव और उपचुनाव को धन और प्रलोभन से मुक्त रखने के लिए छापे और जब्ती की कार्रवाई के दौरान पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में मंगलवार को 1072 करोड रुपए से अधिक की नकदी, महंगी धातुएं, शराब, मादक द्रव्य तथा उपहार के सामान जब्त किए गए हैं। आयोग ने बताया कि 15 मार्च से अब तक पश्चिम बंगाल में 27.48 करोड रुपए नकदी, 102.45 करोड रुपए की 39.31 लाख लीटर शराब, 108.11 करोड रुपए के ड्रग्स 55.88 करोड रुपए की कीमती धातुएं तथा 178.83 करोड़ रुपए मूल्य की उपहार की वस्तुएं समेत अब तक कुल 472.89 करोड़ रुपए की नकदी और सामान जब्त किया गया है। इसी तरह तमिलनाडु में 100.19 करोड रुपए की नकदी, 3.85 करोड रुपए की 1.18 लाख लीटर शराब, 76.72 करोड के ड्रग्स, 159.31 करोड के कीमती धातुएं और 259.14 करोड के उपहार के सामान जब्त किए गए हैं।

पश्चिम बंगाल में अपना खाता भी नहीं खोल पाएगी कांग्रेस : शाह

कोलकाता,एजेंसी

रोड शो करते केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को दावा किया कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में कांग्रेस एक भी सीट नहीं जीत पायेगी और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का इस पार्टी से जुड़ाव उन्हें राजनीतिक रूप से और कमजोर करेगा। शाह ने न्यू बैरकपुर के निकट दमदम में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए यह भी दावा किया कि कांग्रेस कई राज्यों में करारी हार की ओर बढ़ रही है।

उन्होंने कहा कि मैं राहुल गांधी को बताना चाहता हूं कि तमिलनाडु और पुडुचेरी में कांग्रेस दहाई के आंकड़े तक भी नहीं पहुंच पायेगी। पश्चिम बंगाल में तो आप अपना खाता भी नहीं खोल पाएंगे और असम में कांग्रेस को अब तक की सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़ेगा। बनर्जी पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि ममता दीदी, आप इसी कांग्रेस के साथ बैठी हैं। आपकी स्थिति भी बदतर होने वाली है। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर राहुल गांधी की संगति में आकर राजनीतिक संवाद का स्तर गिराने का भी आरोप लगाया। कहा-राहुल गांधी, आप मोदी जी को जितने अधिक अपशब्द कहेंगे, कमल उतना ही अधिक खिलेगा... राहुल गांधी के साथ रहकर खरगे जी की भी भाषा बिगड़ने लगी है। शाह ने कहा कि किसी विधायक को चुनने या केवल भाजपा सरकार बनाने के लिए नहीं, बल्कि घुसपैठियों से मुक्त बंगाल बनाने के लिए वोट डालें।

मतदाताओं को डराने-धमकाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करे पुलिस : बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) ने बुधवार को पुलिस को मतदाताओं को डराने-धमकाने और चुनावी प्रक्रिया में बाधा डालने में कथित रूप से संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ तत्काल निवारक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को भेजे गए एक पत्र में, सीईओ कार्यालय में तैनात पुलिस पर्यवेक्षक ने कई विधानसभा क्षेत्रों और पुलिस थाना क्षेत्रों के कथित उपद्रवियों की एक सूची आवश्यक कार्रवाई के लिए साझा की

तृणमूल का लोगों पर केंद्रीय बलों के हमले का दावा

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस ने बुधवार को निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज कराई, जिसमें आरोप लगाया गया कि पूर्वी मेदिनीपुर जिले के नंदीग्राम में केंद्रीय बलों के जवानों ने स्थानीय लोगों पर अत्यधिक बल का प्रयोग किया। हालांकि, निर्वाचन आयोग के एक अधिकारी ने कहा कि शिकायत की जांच की गई, लेकिन ऐसी कोई घटना सामने नहीं आई। तृणमूल ने आरोप लगाया कि निष्पक्ष मतदान कराने को तैनात सीआरपीएफ कर्मियों ने 21 अप्रैल को बिना किसी उकसावे के लोगों पर हमला करके अपने पद का घोर दुरुपयोग किया, जिसके परिणामस्वरूप लोगों को चोटें आईं।

अमृत विचार

गुरुवार, 23 अप्रैल 2026

ज्ञान-भक्ति-युक्त कर्मयोग ही गीता का सार है।
-बाल गंगाधर तिलक

तपन भरी चेतावनी

मौसम विभाग में चेताया है कि इस साल कई इलाकों में पहले से अधिक समय तक हीट वेव चलेगी, कुछ ऐसे इलाके जो सामान्यतया कम ताप प्रभावित रहते थे, वहां भी इस बार हीट वेव का प्रकोप दिखेगा, यूपी, बिहार,एनसीआर में अप्रैल–मई की दहलीज़ पर ही पारा 40 डिग्री पार कर चुका है। संकेत साफ हैं, इस वर्ष लू का प्रकोप अधिक लंबा, ज्यादा तीव्र और बहुत व्यापक होगा। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के आकलन के अनुसार पिछले चार दशकों में हीटवेव से मौतों में 62 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि आर्थिक नुकसान कई गुना बढ़ा है।

जब देश के 80 से 87 फीसदी भूभाग गर्मी की चपेट में आने की आशंका हो, तो सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या हमारी तैयारी पर्याप्त है? कुछ शहरों ने हीट एक्शन प्लान लागू किए हैं, जिनमें अलर्ट सिस्टम, कूलिंग सेंटर, काम के समय में बदलाव और पानी की उपलब्धता जैसे कदम शामिल हैं, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर कवरेज अभी असमान है, खासकर छोटे शहरों और कस्बों में। सबसे अधिक जोखिम में वे लोग हैं, जो खुले में काम करते हैं— रेहड़ी-पटरी वाले, दिहाड़ी मजदूर, निर्माण श्रमिक, साथ ही बच्चे और बुजुर्ग। इनके लिए लक्षित सुरक्षा अभी भी बिखरी हुई है। सरकारों को इसके लिए समय से सचेत होने का समय है। तात्कालिक समाधानों पर अब देरी अक्षम्य होगी, जबकि दीर्घकालिक समाधान अपनाना जटिल तो है पर अपरिहार्य हैं। शहरी हीट प्रोफाइलिंग को नीति का आधार बनाना होगा। वार्ड स्तर तक तापमान, नमी, हरित आवरण और निर्मित सतहों का नक्शा तैयार कर डिस्कंफर्ट इंडेक्स का एटलस बनाना, जिससे 'हॉट स्पॉट्स' की पहचान कर क्षेत्र-विशेष के लिए योजनाएं बनाई जा सकती हैं, इसे राष्ट्रीय कार्यक्रम का रूप देना होगा। अर्बन हीट आइलैंड को कम करने के लिए निर्माण मानकों में बदलाव करना, कूल रूफ, कूल पेवमेंट, परावर्तक पेंट, छतों पर हरियाली और जल निकायों का संरक्षण जरूरी है। ग्रीन और ब्लू इंफ्रास्ट्रक्चर पर सोचना होगा, जिसके तहत सड़कों व बाज़ारों में छायादार पेड़ लगाने, शहरी वन, पार्क और तालाब निर्मित कर होंगे। ये जीवनरक्षक ढाल बनेंगे। इसके अलावा प्रदूषण में कमी, एरोसोल और ग्रीनहाउस गैसें ताप को बढ़ाती हैं; स्वच्छ ऊर्जा और सार्वजनिक परिवहन को गति देना अनिवार्य है। कृषि पर असर भी कम गंभीर नहीं। बढ़ती गर्मी फसल अवधि घटाती है, उत्पादकता कम करती है और पानी की मांग बढ़ाती है। फसल विविधीकरण, हीट-टॉलरेंट बीज, माइक्रो-इरिगेशन और फसल बीमा का विस्तार के साथ खरीफ-रबी कैलेंडर में स्थानीय स्तर पर लचीलापन देना होगा।

स्पेन और फ्रांस ने कूलिंग सेंटर और काम के समय में बदलाव को कानून का हिस्सा बनाया है; ऑस्ट्रेलिया ने 'हीट हेल्थ वार्निंग सिस्टम' को स्थानीय शासन से जोड़ा है; सिंगापुर शहरी हरियाली और जल निकायों के जरिए ताप कम कर रहा है। भारत को इन मॉडलों को अपने सामाजिक-आर्थिक संदर्भ में ढालना होगा, क्योंकि आर्थिक दृष्टि से हीटवेव उत्पादकता घटाकर जीडीपी पर सीधा प्रहार करती है, इसलिए स्पष्ट लक्ष्य, बजट और जवाबदेही के साथ सरकार के लिए यह आपदा नहीं, विकास का एजेंडा होना चाहिए। अब इस संकट पर निर्णय का समय है, तैयारी को नीति का केंद्र बनाने का।

आधी आबादी को बराबरी का हक आखिर कब

अमित शर्मा
हल्द्वानी

देश की संसद में पिछले दिनों जो हुआ, उसके बाद आरोप-प्रत्यारोप के साथ तीखी बयानबाजी का दौर पूरी रफ्तार से जारी है। यहां बात राजनीतिक चक्रव्यूह में फंस चुके नारी शक्ति वंदन संशोधन अधिनियम यानी महिला आरक्षण के लागू न होने की हो रही है। मौका चुनावी दौर का है, तो इस पर सियासत, वो भी तेज रफ्तार से होना लाजिमी है। भारतीय जनता पार्टी जहां विपक्ष के विरोध को देश की मातृशक्ति का अपमान बताकर इस मुद्दे को अंजाम तक पहुंचाने की शपथ ले चुकी है, तो कांग्रेस समेत मुख्य विपक्षी दल इसे चुनावी स्टंट और असमय का मुद्दा बताकर झुकने को तैयार नहीं हैं।

देश के दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों के इस 'कोल्ड वार' ने एक अति संवेदनशील विषय पर नई गर्मागर्म बहस को जन्म दे दिया है, लेकिन इन सबसे अलग हटकर सबसे खास बात यह है कि इस कानून के पूरी तरह से अस्तित्व में आने के बाद जिसे फायदा होगा, वह है आधी आबादी, जो पूछ रही है कि हमें पूरी तरह से बिना किसी राजनीतिक विवाद के बराबरी का हक आखिर कब तक मिलेगा।

घर की रसोई से लेकर अंतरिक्ष की चुनौतियों से पार पाने वाली देश की मातृशक्ति अब किसी भी क्षेत्र में परिचय की मोहताज नहीं रह गई है, हालांकि दूसरे देशों की तुलना में कई मामलों में भारत के कई हिस्सों में महिलाओं के सुपर वुमन बनने की गति अभी धीमी ही है, जिसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि दुनिया भर के 130 से ज्यादा देशों में किसी न किसी रूप में महिला आरक्षण लागू है और मोटे तौर पर इनमें अधिकांश देशों में सीट आरक्षण, उम्मीदवार कोटा और पार्टी के स्वैच्छिक कोटे के आधार पर यह महिला आरक्षण लागू है।

भारत में गांव-देहात से लेकर देश की सबसे बड़ी पंचायत में महिलाएं कुशलता से नेतृत्व करती आ रही हैं, लेकिन पंचायत और निकाय स्तर पर 'प्रधानपति'' जैसा शब्द आज भी महिलाओं के बराबरी से फैसला लेने के हक जैसे शब्द को हल्का करता है।

सियासत की इस जंग का नतीजा आने वाले समय में क्या निकलेगा, यह तो अभी भविष्य के गर्भ में है, लेकिन देश की आधी आबादी से जुड़े ऐसे अतिसंवेदनशील और अति महत्वपूर्ण प्रकरण पर भी राजनीति होना और एक राय न बन पाना दुर्भाग्यपूर्ण ही है। वह भी तब, जब आज की महिलाएं घर से लेकर देश की आर्थिकी और विकास में अहम योगदान दे रही हैं और हर अवसर की सम्मान के साथ हकदार हैं।

हाल के राजनीतिक बयानों की बात करें तो कांग्रेस की तरफ से दावा किया जा रहा है कि वर्ष 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन करना न केवल अव्यावहारिक है, बल्कि इससे लोकतांत्रिक संतुलन बिगड़ेगा, जबकि भाजपा का कहना है कि कांग्रेस आज इस अधिनियम में 'आरक्षण में आरक्षण' की असंवैधानिक मांग कर रही है, जबकि मनमोहन सरकार द्वारा पेश तत्कालीन महिला आरक्षण अध्यादेश में इसका जिक्र तक नहीं था।

पहले कांग्रेस और विपक्ष भी एकमत था कि इस कानून को वर्ष 2029 में लागू किया जाए। अब उसके लिए पूर्व में पारित कानून अनुसार पहले जनगणना, फिर परिसीमन की शर्त अनिवार्य है। उसमें भी जाति गणना शामिल होने से इस प्रक्रिया का वर्ष 2029 से पहले किसी भी तरह से पूरा होना संभव नहीं था। यही वजह है कि संसद में महिला आरक्षण और परिसीमन को लेकर आवश्यक संशोधन लाए गए थे, जिसको विपक्ष ने पारित ही नहीं होने दिया।

इन सबसे अलग हटकर यहां बड़ा सवाल यह भी है कि महिला आरक्षण तभी लाभदायक माना जाना जाएगा, जब नियत समय में स्पष्ट नीयत के साथ आधी आबादी को बराबरी का पूरा हक दिया जाए। इसके लिए सबसे बड़ा सवाल यही है कि यह कानून कितनी जल्दी लागू होता है। यहां इस बात पर भी विचार करना होगा कि इसका फायदा जमीन से जुड़ीं महिला नेत्रियों को मिलेगा या फिर टिकट परिवारवाद में सिमटकर रह जाएगा।

इस नए कलेवर में जो महिलाएं चुनकर आएंगी, वे अपने फैसले स्वतंत्र रूप से ले पाएंगी या उसमें भी कहीं न कहीं सेंसरशिप लागू होगी। ये सवाल अपनी जगह पर कायम रहेंगे और फायदा-नुकसान का आकलन करना बहुत जल्दबाजी होगी, लेकिन यह तारीफ की बात है कि देश की आधी आबादी के लिए सत्ता के हक के दरवाजे खुल चुके हैं और अब बस चलना बाकी है।

संशोधन बिल का विरोध होने के दौरान विपक्षी दलों से जुड़ी महिलाओं का चुप्पी साधना और इस अहम विषय को राजनीति की चाशनी में लपेटकर जनता के सामने पेश करना दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जा सकता है। सवाल तो यह भी बनता है कि क्या सियासत के क्षेत्र में महिलाओं की स्थिति इसी तरह की बनी रहेगी या महिला आरक्षण पूरी तरह से लागू होने के बाद उसमें कोई क्रांतिकारी परिवर्तन आएगा। महिला आरक्षण को लेकर भाजपा ने एक लंबी रेखा खींच दी है और किसी रेखा को बिना मिटाए या काट पीट के छोटा करने की शर्त वही जीत सकता है, जो उससे भी बड़ी लाइन खींच दे। अगर ऐसा होता है तो सही मायने में महिलाओं का आरक्षण का लाभ मिलना तय है।

वैसे भी, यह अफसोसनाक तो है, लेकिन वह राजनीति ही क्या, जहां हर फैसला बिना किसी ना-नुकुर के और मीन-मेख निकाले मान लिया जाए, हालांकि जहां बात आधी आबादी के हक और सम्मान से जुड़े कानूनों की आए तो उनके रास्तों में आने वाले कांटों को गंभीरता दिखाते हुए बिना किसी स्वार्थ के समन्वय के साथ चुन-चुनकर हटाने की नीति अपनाई जानी चाहिए, नहीं तो देर से मिलने वाला हक हो या न्याय, वह अधूरा ही माना जाता है।

> सियासत की इस जंग का नतीजा आने वाले समय में क्या निकलेगा, यह भविष्य के गर्भ में है, लेकिन देश की आधी आबादी से जुड़े अति महत्वपूर्ण प्रकरण पर भी राजनीति होना और एक राय न बन पाना दुर्भाग्यपूर्ण है।

सोशल फोरम

आइंस्टीन के दोस्त

मार्च 1955 में अल्बर्ट आइंस्टीन को अपने सबसे पुराने और करीबी दोस्त मिशेल बेसो की मौत की खबर मिली। वे पचास साल से ज्यादा समय से एक साथ थे। बेसो ही वो शख्स थे, जिनसे आइंस्टीन ने स्पेशल थ्योरी ऑफ रिलेटिविटी की बातें की थीं। 1905 के उस पेपर में सिर्फ बेसो का ही शुक्रिया अदा किया गया था, जिसने भौतिकी की दुनिया बदल दी।

शिवानंद मिश्रा
लेखक

आइंस्टीन ने बेसो के परिवार को पत्र लिखा। उस पत्र में एक वाक्य था जो आज भी भौतिकी की दुनिया में गूंजता है। 'मिशेल इस अजीब दुनिया को छोड़ने में मुझसे थोड़ा आगे निकल गए। इसका कोई मतलब नहीं। हम जैसे भौतिकी में विश्वास रखने वालों के लिए अतीत, वर्तमान और भविष्य के बीच का फर्क सिर्फ एक जिद्दी भ्रम है।'

आइंस्टीन दोस्तों की तरह सांत्वना नहीं दे रहे थे। वे गर्मजोशी या उम्मीद की बातें नहीं कर रहे थे। वे भौतिकी की मजबूरी बता रहे थे। 'भौतिकी में विश्वास' का मतलब धर्म नहीं था। मतलब था समीकरणों पर भरोसा। उन समीकरणों ने साबित कर दिया था कि समय वैसा नहीं है, जैसा हम सोचते हैं। आइंस्टीन की रिलेटिविटी बताती है कि ब्रह्मांड में हर पल उतना ही असली और स्थायी है जितना स्पेस का हर बिंदु।

अतीत खत्म नहीं होता जब वर्तमान आगे बढ़ जाता है। जिंदगी खत्म होने पर ब्रह्मांड से गायब नहीं हो जाती। वह सिर्फ पहुंच से बाहर हो जाती है। जैसे कोई शहर, जिसे आप बीस साल पहले छोड़ आए हैं। वह नक्शे पर अभी भी मौजूद है।

आइंस्टीन ने यह पत्र लिखने के पांच हफ्ते बाद खुद इस दुनिया को छोड़ दिया। उनके अपने समीकरणों के मुताबिक उनकी जिंदगी के हर पल भी ब्रह्मांड की चार आयामी संरचना में हमेशा के लिए दर्ज हैं।

यह कोई कविता नहीं। यह भौतिकी है जो हम रोज इस्तेमाल करते हैं। रिलेटिविटी की सबसे बड़ी बात यह है कि समय यूनिवर्सल नहीं है। दो अलग-अलग गति से चलने वाले वे समय को अलग-अलग तरीके से महसूस करते हैं। एक तेज स्पेसक्राफ्ट में घड़ी धीमी चलती है। यह कोई खराबी नहीं। समय खुद अलग दर से गुजरता है।

1971 में हाफेल और कीटिंग ने एटॉमिक क्लॉक्स विमानों में घुमाए। पूर्व की ओर जाने वाली घड़ियां धीमी पड़ीं। पश्चिम की ओर वाली तेज। नैनोसेकंड का फर्क था, लेकिन आइंस्टीन की भविष्यवाणी बिल्कुल सही थी।

-फेसबुक वाल से

प्रसंगवश

पारिवारिक कलह से रिश्तों का होता पतन

भारत जनसंख्या की दृष्टि से विश्व का सबसे बड़ा देश है, लेकिन देश में बढ़ते अपराध, विशेषकर घरेलू और पारिवारिक हिंसा के जघन्य मामलों में निरंतर वृद्धि होना एक सभ्य समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय बनता जा रहा है। आज के आधुनिक दौर में जब भी हम समाचार पत्रों या न्यूज़ चैनलों से रूबरू होते हैं, तो राजनीति से इतर आपराधिक घटनाओं और पारिवारिक कलह से जुड़ी खबरों का प्रतिशत लगातार बढ़ता दिखाई देता है। देश के लगभग हर धर्म, वर्ग और समाज में पारिवारिक हिंसा का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है, जो कई बार जघन्य अपराधों का रूप ले लेता है।

भारत विश्व को शांति, प्रेम और भाईचारे का संदेश देने वाला देश माना जाता है, लेकिन विडंबना यह है कि हमारे अपने ही परिवारों में रिश्तों के बीच दूरियां इतनी बढ़ती जा रही हैं कि साथ बैठकर भोजन करना भी कठिन होता जा रहा है। सिर्फ भाई-भाई के रिश्ते ही नहीं, बल्कि पति-पत्नी के संबंधों में भी जिस गति से अलगाव बढ़ रहा है और उसके भयावह परिणाम सामने आ रहे हैं, वह पूरे समाज के लिए गहन चिंतन का विषय है। यह स्थिति हर धर्म, हर वर्ग और हर व्यक्ति को आत्ममंथन के लिए प्रेरित करती है।

अरविंद रावल
लेखक

आधुनिकता की दौड़ में हमने नई पीढ़ी को महंगी शिक्षा और भौतिक सुख-सुविधाएं तो भरपूर दी हैं, लेकिन उन्हें सहनशीलता, धैर्य, अपनत्व, विनम्रता और परिवार को साथ लेकर चलने के संस्कार देने में हम कहीं पीछे रह गए हैं। परिणामस्वरूप, नवपीढ़ी में धैर्य और सहनशीलता का अभाव बढ़ रहा है, जो पारिवारिक कलह को जन्म देकर कई बार गंभीर अपराधों में बदल जाता है। आज कोई भी समाज या व्यक्ति यह दावा नहीं कर सकता कि वह पारिवारिक कलह से पूरी तरह मुक्त है।

जो घटनाएं आज हम समाचारों में देख-सुन रहे हैं, वे कल किसी भी परिवार की वास्तविकता बन सकती हैं। कहीं पैसों के विवाद, कहीं अवैध संबंधों की आशंका, कहीं कर्ज का दबाव, तो कहीं नशे की लत या पारिवारिक हस्तक्षेप, इन सभी कारणों से महानगरों से लेकर गांवों तक रिश्तों का पतन तेजी से बढ़ रहा है।

स्थिति इतनी भयावह हो चुकी है कि कई बार कम उम्र और कम समझ वाले लोग भी संदेह या आवेग में आकर अपने ही जीवनसाथी की हत्या जैसे जघन्य अपराध कर बैठते हैं। वहीं, कर्ज और पारिवारिक तनाव से परेशान होकर अपने ही मासूम बच्चों की हत्या कर आत्महत्या करने की घटनाएं भी समाज को झकझोर देती हैं।

यह भी एक कटु सत्य है कि पारिवारिक कलह अब केवल आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग तक सीमित नहीं रही। जहां गरीब परिवारों में इसे आर्थिक तंगी का परिणाम माना जाता है, वहीं संपन्न और भौतिक रूप से समृद्ध घरों से उठती कलह की आवाजें रिश्तों के आंतरिक विघटन की ओर संकेत करती हैं। हर दिन अवैध संबंधों की शंका और अविश्वास के चलते प्रेम, विश्वास और अपनत्व जैसे रिश्तों का गला घोंटने की घटनाएं सामने आ रही हैं।

ऐसे में समाज के हर वर्ग को पारिवारिक मूल्यों के संरक्षण और रिश्तों की गरिमा बनाए रखने के लिए गंभीरता से विचार करना होगा। यदि हम परिवार की खुशहाली, सौहार्द और विश्वास को बनाए रखना चाहते हैं, तो मजबूत और संतुलित दाम्पत्य जीवन पर सामूहिक मंथन समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

आमने

यह सीजफायर तब तक जारी रहेगा, जब तक ईरान अपनी तरफ से ठोस प्रस्ताव पेश नहीं कर देता और दोनों देशों के बीच बातचीत का सिलसिला पूरा नहीं हो जाता। पाकिस्तान ने तनाव कम करने और बातचीत को मौका देने की अपील की थी, जिसे ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया।

-डोनाल्ड ट्रंप
अमेरिकी राष्ट्रपति

सामने

सीजफायर को आगे बढ़ाना कोई शांति का प्रयास नहीं, बल्कि एक सोची-समझी रणनीति है। यह कदम अचानक हमले की तैयारी के लिए अतिरिक्त समय जुटाने जैसा है। जो पक्ष कमजोर स्थिति में होता है, वह ऐसी शर्तें नहीं थोप सकता।

-मोहम्मद बघेर
स्पीकर, ईरानी संसद

पश्चिम बंगाल चुनाव में 'चीनी' किस तरफ!

विवेक शुक्ला
पूर्व प्रधान सूचना अधिकारी यूएई एंबेसी

कोलकाता के टांगरा में अप्रैल की धूप चमक रही है। इधर की दीवारों पर अब लाल-सुनहरे मंदारिन अक्षरों में नारे चमक रहे हैं। 'टीएमसी को सपोर्ट करो!' या 'कांग्रेस विकास की राह!' कुछ दीवारों पर बीजेपी के नारे भी दिखाई दे रहे हैं। यहां 29 अप्रैल को विधानसभा चुनाव का मतदान है। टांगरा के चीनी मूल के मतदाताओं की आबादी करीब पांच हजार के आसपास है। इनकी उपस्थिति से पश्चिम बंगाल की राजनीति का रंग और भी समावेशी हो जाता है, लेकिन ये दीवारें सिर्फ चुनावी रंग नहीं, बल्कि 250 साल पुरानी कहानी की जीवंत गवाही हैं। एक ऐसी कहानी, जो चाय बगीचों से शुरू हुई, चमड़े की टेनरी में फली-फूली, 1962 के युद्ध की आग में झुलसी और आज भी टीएमसी से लेकर बीजेपी और कांग्रेस तक के वोट-मांगने वाले पोस्टरों में सांस ले रही है।

राजनीति में इन चीनी मूल के भारतीय नागरिकों का रोल हमेशा अनोखा रहा है। पहले के चुनावों में कांग्रेस व सीपीएम उन्हें अपना समर्थक मानते थे। 1970-80 के दशक में चीनी टेनरी ओनर्स एसोसिएशन ने राजनीतिक रिश्ते बनाए, लेकिन 2011 के बाद तृणमूल कांग्रेस ने उन्हें खास तवज्जो दी। 2019 के लोकसभा चुनाव से शुरू होकर इस विधानसभा चुनाव तक टीएमसी ने मंदारिन में टांगरा की दीवारों पर 'टीएमसी उम्मीदवार को वोट दो' के नारे लिखवाए हैं। कांग्रेस-बीजेपी भी पीछे नहीं हैं। राजनीतिक कार्यकर्ता टांगरा की गलियों में चीनी भाषा के पोस्टर चिपका रहे हैं। क्यों? क्योंकि टांगरा का हर वोट मायने रखता है। छोटी आबादी, लेकिन एकजुट। ये दीवारें कोलकाता की बहुलता की कहानी कहती हैं।

आगे बढ़ने से पहले पीछे मुड़कर देख लेते हैं। सब कुछ शुरू हुआ 1778 में। ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के गवर्नर-जनरल वॉरेन हेस्टिंग्स ने एक चीनी व्यापारी को बंगाल में जमीन दी। नाम था टोंग आह च्यू। यहां के स्थानीय लोग उसे 'एटच्यू' कहते थे। हुगली नदी के किनारे उसने चीनी मिल लगाई। एटच्यू की मौत के बाद उसके मजदूर कोलकाता चले आए। टिरेट्टा बाजार कोलकाता का पहला चाइना टाउन बन गया। 19वीं सदी के अंत तक और चीनी आए।

दिल्ली के कनॉट प्लेस में एक शूद शो रूम के मालिक जॉर्ज च्यू कहते हैं, 'हम भारत आकर बसे चीनियों का संबंध चीन के गुआंगडोंग, फूजियान और जियांग्शी से था। चीनी गृहयुद्ध, जापानी आक्रमण और अकाल से भागकर वे यहां पहुंचे। हिंदू-मुस्लिम समाज में चमड़े का काम 'अछूत' था, हमने उसे अपना लिया। टांगरा 1920 के दशक में नया घर बन गया। टेनरी उद्योग फल-फूल उठा। सैकड़ों जूते की दुकानें बेंटिंक स्ट्रीट पर खुल गईं।'

कोलकाता की चीनी आबादी 50 हजार तक पहुंच गई। रेस्टोरेंट, डेंटिस्ट, कारपेंटर जैसे पेशों में वे चमक रहे थे। उनके पास अपनी दुनिया थी। 1969 में ली यून चिन नाम के चीनी ने 'सीओंग पॉव' (ओवरसीज चाइनीज कॉमर्स ऑफ इंडिया) अखबार शुरू किया। भारत का इकलौता चीनी भाषा का दैनिक। इसमें मंदारिन में कोलकाता की खबरें, चीन-ताइवान-हांगकांग की घटनाएं, शादियां-जन्म-मृत्यु की सूचनाएं होती थीं। यह अखबार कोलकाता के चीनियों का 'सोशल मीडिया' था। तब टांगरा की गलियों में चीनी मंदिर, ड्रैगन डांस, नया साल का जश्न हुआ करता था। 1962 का भारत-चीन युद्ध आया और सब बदल गया।

युद्ध की खबरें फैलीं तो कोलकाता के चीनी इलाकों में दहशत छा गई। हजारों को 'एनेमी एलियन' घोषित कर दिया गया। तब बहुत सारे परिवार देश के अलग-अलग इलाकों में चले गए। टेनरी बंद हो गईं, दुकानें लूट ली गईं। कुछ को डिपोर्ट कर दिया गया। कोलकाता के एक नौजवान चीनी मूल के भारतीय एन ली कहते हैं, 'हम भारतीय थे, लेकिन चीनी चेहरा देखकर हमें गद्दार समझा गया।' इनकी आबादी घटने लगी। इनकी नई नस्ल कनाडा, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया की ओर पलायन करने लगी। 2023 तक 'सीओंग पॉव' भी बंद हो गया। संपादक की मौत के बाद कोई नहीं बचा उसे चलाने को। फिर भी टांगरा टिका रहा। आज भी यहां मशहूर चीनी रेस्टोरेंट हैं। टेनरी उद्योग अब पर्यावरण नियमों के कारण मुश्किल में है, लेकिन समुदाय ने खुद को भारतीय बनाया है। वे भारतीय पासपोर्ट धारक हैं, बंगाली बोलते हैं, दीवाली-दुर्गा पूजा मनाते हैं, फिर भी चीनी नया साल और चीनी मंदिर उनकी पहचान बने हुए हैं।

पिछले विधानसभा चुनावों की तरह इस बार भी चीनी समुदाय टीएमसी की ओर झुकाव रखता दिख रहा है। ममता सरकार ने उन्हें सांस्कृतिक सम्मान दिया। चीनी नववर्ष पर सरकारी कार्यक्रम आयोजित होने लगे हैं, लेकिन शिकायतें भी हैं। एसआईआर में सैकड़ों चीनी मूल के वोटरों के नाम कट गए। च्यू कहते हैं कि भारत में बसे चीनी मूल के लोग कोलकाता से ही सारे देश में जाकर बसे। हम भारतीय हैं, फिर भी पहचान पर सवाल है?

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

> कोलकाता की दीवारों पर लाल-सुनहरे मंदारिन अक्षरों में नारे चमक रहे हैं। 'टीएमसी को सपोर्ट करो!' या 'कांग्रेस विकास की राह!' कुछ दीवारों पर बीजेपी के नारे भी दिखाई दे रहे हैं।

सामयिकी

तमिलनाडु में अस्मिता बनाम संगठन की टक्कर

तमिलनाडु की राजनीति एक बार फिर निर्णायक मोड़ पर खड़ी है, जहां चुनावी जंग अब बड़े-बड़े मंचों और नारों से निकलकर सीधे बूथ स्तर तक पहुंच चुकी है। इस बार मुकाबला केवल पार्टियों के बीच नहीं, बल्कि रणनीतियों, संगठन क्षमता और मतदाताओं तक पहुंच बनाने की कला के बीच भी है। सत्तारूढ़ एमके स्टालिन के नेतृत्व वाली द्रविड़ मुनेत्र कड़गम ने चुनावी लड़ाई को अंतिम चरण में एक नए आयाम पर ला दिया है, जिसे 'वोटर रिमाइंडर कैंपेन' के रूप में देखा जा रहा है। यह अभियान केवल मतदाताओं को मतदान की याद दिलाने तक सीमित नहीं है, बल्कि एक व्यापक सामाजिक-राजनीतिक संवाद का हिस्सा बन चुका है।

तमिलनाडु की राजनीति में दशकों से एक चक्र चलता आया है, जिसमें द्रविड़ मुनेत्र कड़गम और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम बारी-बारी से सत्ता मं आती रही हैं। इस बार की सबसे बड़ी चुनौती इसी चक्र को तोड़ने की है। एमके स्टालिन के सामने यह केवल सत्ता में बने रहने का सवाल नहीं, बल्कि एक स्थायी राजनीतिक आधार तैयार करने की परीक्षा भी है। यही कारण है कि उनकी पार्टी ने प्रचार के पारंपरिक तरीकों से आगे बढ़कर मतदाताओं के दरवाजे तक पहुंचने की रणनीति अपनाई है।

कांतिलाल मांडोत
वरिष्ठ पत्रकार

'वोटर रिमाइंडर कैंपेन' दरअसल एक सूक्ष्म और लक्षित अभियान है, जिसके तहत पार्टी कार्यकर्ता घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क कर रहे हैं। इस अभियान में विशेष रूप से महिलाओं, सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों और शहरी क्षेत्रों के मतदाताओं को प्राथमिकता दी जा रही है। यह रणनीति इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि तमिलनाडु के चुनावों में महिलाओं की भागीदारी और उनका झुकाव अक्सर निर्णायक भूमिका निभाता है। इसके साथ ही शहरी, तटीय और अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में पार्टी की पकड़ को मजबूत करने का प्रयास भी स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।

दूसरी ओर, विपक्ष में खड़ी ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम अपनी पारंपरिक ताकत, यानी मजबूत बूथ संगठन और ग्रामीण नेटवर्क पर भरोसा कर रही है। एडापड्डी के पलानीस्वामी के नेतृत्व में पार्टी पश्चिमी तमिलनाडु के जिलों कोयंबटूर, तिरुपुर, इरोड और सेलम में अपनी पकड़ बनाए रखने की कोशिश कर रही है। यहां पार्टी का आधार मुख्य रूप से गौंडर समुदाय पर टिका हुआ है, जो लंबे समय से उसकी रीढ़ माना जाता रहा है, हालांकि बदलते सामाजिक समीकरण और गठबंधन राजनीति ने इस बार इस समर्थन को चुनौतीपूर्ण बना दिया है।

भारतीय जनता पार्टी के साथ गठबंधन ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के लिए दोधारी तलवार साबित हो रहा है। जहां एक ओर यह गठबंधन कुछ क्षेत्रों में राजनीतिक मजबूती देता है, वहीं दूसरी ओर दलित और अल्पसंख्यक मतदाताओं के बीच पार्टी की स्वीकार्यता को प्रभावित कर रहा है। यही कारण है कि कई ऐसे क्षेत्र, जो पहले पार्टी के मजबूत गढ़ माने जाते थे, अब वहां स्थिति उतनी सहज नहीं दिख रही।

मुद्दों की बात करें तो केवल स्थानीय समस्याएं ही नहीं, बल्कि बड़े राष्ट्रीय और भावनात्मक विषय भी प्रमुखता से उभरे हैं। डिलिमिटेशन यानी परिसीमन का मुद्दा, जिसे द्रविड़ मुनेत्र कड़गम ने तमिलनाडु के अधिकारों से जोड़ दिया है, चुनावी बहस के केंद्र में है। पार्टी इसे 'राज्य बनाम केंद्र' के रूप में प्रस्तुत कर रही है, जिससे क्षेत्रीय अस्मिता को बल मिलता है। इसके अलावा महिला कल्याण योजनाएं, नकद सहायता और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े वादे भी मतदाताओं को प्रभावित करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 से मुद्रित एवं 25/16-ए, जापलिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

वर्ड स्मिथ

News शब्द की उत्पत्ति

'News' शब्द की उत्पत्ति के बारे में एक दिलचस्प कहानी प्रचलित है, जिसे लोग अक्सर सुनते और साझा करते हैं। कहा जाता है कि 'News' शब्द चार दिशाओं-North (उत्तर), East (पूर्व), West (पश्चिम) और South (दक्षिण) के पहले अक्षरों से मिलकर बना है। इस व्याख्या के अनुसार, दुनिया के चारों कोनों से आने वाली सूचनाओं को एकत्र करके लोगों तक पहुंचाया जाता था, इसलिए इसे 'News' कहा गया। यह विचार सुनने में आकर्षक है और समाचार के व्यापक दायरे को भी दर्शाता है। हालांकि भाषाविज्ञान के अनुसार यह व्याख्या पूरी तरह सही नहीं मानी जाती। वास्तव में 'News' शब्द अंग्रेज़ी के शब्द 'New' से बना है, जिसका अर्थ है 'नया'। मध्यकालीन अंग्रेजी में 'newes' या 'new things' जैसे शब्दों का प्रयोग ताजा घटनाओं और नई जानकारियों के लिए किया जाता था। समय के साथ यह शब्द विकसित होकर 'news' बन गया और इसका अर्थ हो गया नई या ताजा सूचनाएं। इतिहास में जब छपाई कला का विकास हुआ और समाचार पत्रों का प्रचलन बढ़ा, तब 'news' शब्द का उपयोग और भी व्यापक हो गया। लोग दूर-दराज की घटनाओं के बारे में जानने के लिए समाचार पत्र पढ़ने लगे, और यह शब्द जनसंचार का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया। इस प्रकार, 'News' शब्द के पीछे की असली कहानी 'नवीनता' से जुड़ी है, जबकि चार दिशाओं वाली कहानी एक रोचक किंवदंती के रूप में प्रचलित है, जो इस शब्द को और भी यादगार बना देती है।

नोटिस बोर्ड

परीक्षा कार्यक्रम जारी

डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय ने चालू शिक्षा सत्र की परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी कर दिया है। स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं 5 मई से 5 जून तक आयोजित होंगी। परीक्षा प्रतिदिन तीन पालियों सुबह 8:30-10:30, स्नातक चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षाएं वर्णनात्मक (डिस्क्रिप्टिव) होंगी, जबकि अन्य स्नातक एवं परास्नातक की सेमेस्टर परीक्षाएं बहुविकल्पीय प्रश्न पैटर्न पर आयोजित की जाएंगी। परीक्षा का कार्यक्रम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

29 अप्रैल से परीक्षाएं

रुहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली ने सेमेस्टर परीक्षा हेतु परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया है। चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षाएं 29 अप्रैल से 26 मई तक होंगी, जबकि छठे सेमेस्टर की परीक्षाएं 29 अप्रैल से 13 जून तक निर्धारित हैं। द्वितीय सेमेस्टर की डेटशीट बाद में जारी की जाएगी। छठे सेमेस्टर की परीक्षाएं दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक एक निश्चित समय स्लॉट में होंगी। 29 अप्रैल को शुरुआती दिन ही संगीत, कोरियोग्राफी और पर्शियन जैसे कौशल-आधारित विषयों को प्राथमिकता दी गई है। इसके अतिरिक्त, इंडस्ट्रियल माइक्रोबायोलॉजी, बायोटेक्नोलॉजी और पर्यावरण विज्ञान जैसे व्यावसायिक विषयों को भी पहले चरण में शामिल किया गया है। विवि की वेबसाइट से छात्र परीक्षा कार्यक्रम जारी कर सकते हैं।

समय के साथ शिक्षा और करियर की दिशा तेजी से बदल रही है। अब युवा ऐसे कोर्स की ओर रुख कर रहे हैं, जो सीधे रोजगार और स्किल डेवलपमेंट से जुड़े हों। टेक्नोलॉजी, डिजिटलाइजेशन और नई शिक्षा नीतियों के प्रभाव से 2026 में कई नए कोर्स तेजी से उभरकर सामने आए हैं। इन कोर्सों की खास बात यह है कि इनकी मांग केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी इनकी जरूरत बढ़ रही है। ऐसे में सही कोर्स का चुनाव युवाओं के भविष्य को नई दिशा दे सकता है।

डॉ. अनुराग तिवारी
डायरेक्टर बीबीडी आईटीएम, लखनऊ

जॉब-रेडी एजुकेशन : टेक और स्किल का संगम

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और मशीन लर्निंग

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आज लगभग हर क्षेत्र में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा चुका है। हेल्थकेयर से लेकर फाइनेंस और ई-कॉमर्स तक, हर सेक्टर में AI का उपयोग बढ़ रहा है। कंपनियां ऐसे प्रोफेशनल्स की तलाश में हैं, जो ऑटोमेशन और डेटा आधारित निर्णय लेने में सक्षम हों। यही वजह है कि एआई और मशीन लर्निंग के कोर्स तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। इंजीनियरिंग संस्थानों के अलावा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भी इनकी पढ़ाई आसान हो गई है।

डिजिटल मार्केटिंग

इंटरनेट और सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव ने डिजिटल मार्केटिंग को एक मजबूत करियर विकल्प बना दिया है। आज हर कंपनी अपने प्रोडक्ट और सर्विस को ऑनलाइन प्रमोट करना चाहती है। SEO, सोशल मीडिया मार्केटिंग, कंटेंट क्रिएशन और इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग जैसे कोर्स युवाओं को कम समय में स्किल्ड बनाते हैं और उन्हें फ्रीलांसिंग से लेकर जॉब तक कई विकल्प प्रदान करते हैं।

स्किल बेस्ड और शॉर्ट टर्म कोर्स

आज के छात्र पारंपरिक लंबी अवधि वाले कोर्स की बजाय स्किल आधारित और शॉर्ट टर्म कोर्स को प्राथमिकता दे रहे हैं। कम समय में जॉब-रेडी बनने के लिए Communication Skills, Personality Development, Coding Bootcamp और एआई आधारित सर्टिफिकेट कोर्स तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। ये कोर्स छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान देते हैं, जिससे वे तुरंत रोजगार के लिए तैयार हो जाते हैं। वर्तमान समय में करियर के विकल्प पहले से कहीं अधिक विविध और अवसरों से भरपूर हैं। जरूरत है सही जानकारी और अपनी रुचि के अनुसार कोर्स का चयन करने की। यदि छात्र समय के साथ बदलते ट्रेंड को समझकर निर्णय लेते हैं, तो वे न केवल बेहतर करियर बना सकते हैं, बल्कि वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान भी स्थापित कर सकते हैं।

डेटा साइंस और डेटा एनालिटिक्स

डिजिटल युग में डेटा को सबसे मूल्यवान संसाधन माना जा रहा है। बड़ी कंपनियां अपने बिजनेस को बेहतर बनाने के लिए डेटा का गहराई से विश्लेषण कर रही हैं। ऐसे में डेटा साइंटिस्ट और डेटा एनालिस्ट की मांग लगातार बढ़ रही है। इस कोर्स में छात्रों को डेटा कलेक्शन, प्रोसेसिंग, एनालिसिस और विजुअलाइजेशन की ट्रेनिंग दी जाती है, जो उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्रदान करती है।

साइबर सिक्योरिटी

इंटरनेट के बढ़ते इस्तेमाल के साथ साइबर अपराधों में भी तेजी आई है। ऐसे में कंपनियां और संस्थान अपने डेटा को सुरक्षित रखने के लिए साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट्स पर निर्भर हो गए हैं। एथिकल हैकिंग, नेटवर्क सिक्योरिटी और इंफॉर्मेशन सिक्योरिटी जैसे कोर्स युवाओं के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। इस क्षेत्र में करियर न केवल सुरक्षित है, बल्कि इसमें अच्छी सैलरी के अवसर भी मौजूद हैं।

क्लाउड कंप्यूटिंग

आज के समय में ज्यादातर कंपनियां अपने डेटा और सर्विसेज को क्लाउड प्लेटफॉर्म पर शिफ्ट कर रही हैं। क्लाउड कंप्यूटिंग और DevOps जैसे कोर्स आईटी सेक्टर में तेजी से उभर रहे हैं। इन कोर्सों के जरिए छात्र क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर, सर्वर मैनेजमेंट और एप्लिकेशन डिप्लॉयमेंट की जानकारी हासिल करते हैं। यह क्षेत्र करियर ग्रोथ और आकर्षक वेतन के लिए जाना जाता है।

कैंपस का पहला दिन | अजनबी माहौल से अपनेपन तक का सफर

कैंपस का पहला दिन सचमुच किसी नई दुनिया में कदम रखने जैसा होता है-उत्साह, डर, जिज्ञासा और अनगिनत आशंकाओं से भरा हुआ। इंटरमीडिएट के बाद जब मैंने डिग्री कॉलेज में प्रवेश लिया, तो मन में कई तरह के विचार उमड़-घुमड़ रहे थे। मैं स्वभाव से थोड़ा शर्मीला और संकोची रहा हूं, इसलिए नए माहौल में खुद को ढालना मेरे लिए आसान नहीं था। पहले दिन जब कॉलेज पहुंचा, तो ऐसा लगा जैसे मेरे कदम मेरा साथ नहीं दे रहे हों। सब कुछ आंखों के सामने होते हुए भी धुंधला-सा लग रहा था।

सक्षम सिन्हा
छात्र

कैंपस के बारे में पहले से सुनी बातें-यूनियनबाजी, गुटबंदी और झगड़े-मन में डर पैदा कर रही थीं। क्लास में जाने का साहस ही नहीं जुटा पा रहा था। तभी मैदान में कुछ सीनियर्स ने रोक लिया और वहीं मेरी 'क्लास' लग गई। किसी ने मेरे चश्मे और बालों में तेल देखकर मजाक उड़ाते हुए 'चम्पू' कह दिया। उस क्षण मैं बेहद असहज और छोटा महसूस करने लगा। आत्मसम्मान को ठेस पहुंची और मन भीतर तक आहत हो गया। उस दिन मैं बिना कुछ किए ही घर लौट आया और बिस्तर पर औंधे मुंह लेटकर देर तक रोता रहा। लगा जैसे यह दुनिया मेरे लिए नहीं बनी है। लेकिन अगले ही दिन हालात बदलने लगे। कुछ पुराने दोस्त घर आए, जिन्होंने उसी कॉलेज में दाखिला लिया था। उनसे खुलकर बात करने पर मन हल्का हुआ और भीतर कहीं हिम्मत जागी। उनके साथ कॉलेज जाना शुरू किया तो सब कुछ धीरे-धीरे आसान लगने लगा। साथ में क्लास करना, लंच शेयर करना और कैंपस में घूमना-इन छोटी-छोटी बातों ने मेरे अंदर आत्मविश्वास भर दिया। समय के साथ मैंने समझा कि हर नई जगह शुरू में कठिन लगती है, लेकिन धैर्य और सही साथ से सब सरल हो जाता है। कॉलेज की आजादी का अपना अलग ही आनंद है। यहां न सिर्फ पढ़ाई, बल्कि व्यक्तित्व विकास के भी कई अवसर मिलते हैं। मैंने धीरे-धीरे नए लोगों से बातचीत शुरू की, शिक्षकों से जुड़ाव बनाया और गतिविधियों में हिस्सा लेना भी शुरू किया। इससे मेरा आत्मविश्वास और बढ़ा। आज जब पीछे मुड़कर देखता हूं, तो एहसास होता है कि वही डरावना पहला दिन मेरे जीवन का महत्वपूर्ण मोड़ था। अगर दोस्तों का साथ और उनका हौसला न मिलता, तो शायद मैं खुद को कभी इस माहौल में ढाल नहीं पाता। सच तो यह है कि अच्छे दोस्त न सिर्फ मुश्किल समय में सहारा बनते हैं, बल्कि जीवन के सफर को खूबसूरत और यादगार भी बना देते हैं। कॉलेज की यह यात्रा मेरे लिए सिर्फ शिक्षा नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, दोस्ती और जीवन को समझने का एक अनमोल अनुभव बन गई।

करेंट अफेयर्स

- हाल ही में भारत की आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए 'प्रज्ञा' नामक उन्नत उपग्रह इमेजिंग प्रणाली को शामिल किया गया है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित इस प्रणाली को गृह मंत्रालय (एमएचए) को सौंप दिया गया है। यह प्रणाली सुरक्षा एजेंसियों के लिए वास्तविक समय की निगरानी और निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ाएगी।
- हाल ही में रक्षा क्षेत्र में रणनीतिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए भारत और रूस ने अप्रैल 2026 में पारस्परिक रसद विनिमय समझौते (आरईएलओएस) को लागू किया। मूल रूप से इस पर फरवरी 2025 में हस्ताक्षर किए गए थे और यह समझौता दोनों देशों को एक-दूसरे के सैन्य अड्डों, बंदरगाहों और हवाई अड्डों तक पहुंच के साथ-साथ सैनिकों और संसाधनों की तैनाती की अनुमति देता है। यह कदम द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को मजबूत करने और भारत की वैश्विक रणनीतिक पहुंच को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, विशेष रूप से आर्कटिक जैसे उभरते क्षेत्रों में।
- हाल ही में पूर्व केंद्रीय मंत्री दिनेश त्रिवेदी को बांग्लादेश में भारत का उच्चायुक्त नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति कूटनीतिक क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत है, क्योंकि पूर्व राजनेता इस पद की जिम्मेदारी संभालेंगे। वे भाजपा के पूर्व सांसद रह चुके हैं और पश्चिम बंगाल के बैरकपुर से आते हैं। उनकी नियुक्ति से भारत और बांग्लादेश के बीच संबंध मजबूत होने की उम्मीद है।
- हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने महिला क्रिकेट को नया रूप देने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। उसने रवांडा में पहली महिला टी-20 इंटरनेशनल चैलेंज ट्रॉफी 2026 का शुभारंभ किया है। यह टूर्नामेंट 18 अप्रैल से रवांडा के किगाली में शुरू होगा। यह पांच देशों का टूर्नामेंट है, जो उभरते हुए क्रिकेट खिलाड़ियों को एक साथ लाता है और इसका उद्देश्य खिलाड़ियों को बहुमूल्य अंतर्राष्ट्रीय अनुभव और प्रतिस्पर्धा प्रदान करना है।

जॉब अलर्ट

पंजाब नेशनल बैंक (PNB)

- पद का नाम-अधिकारी- JMG स्केल I में सिविल इंजीनियर/ इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/ मैकेनिकल इंजीनियर
- कुल पद -30
- स्केल-JMG स्केल I
- योग्यता- किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से सिविल / इलेक्ट्रिकल / मैकेनिकल इंजीनियरिंग में 60% अंकों के साथ B.E./B.Tech
- अनुभव- संबंधित क्षेत्र में योग्यता प्राप्त करने के बाद कम से कम 1 वर्ष का कार्य अनुभव
- आयु सीमा-(01.01.2026 तक) न्यूनतम 20 वर्ष - अधिकतम 30 वर्ष
- ऑनलाइन https://pnb.bank.in/ पर
- ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन अंतिम तिथि-05-05-2026
- ऑनलाइन टेस्ट-27 मई 2026

जम्मू और कश्मीर बैंक लिमिटेड

- पद का नाम- अपरेंटिस (NATS - राष्ट्रीय अपरेंटिसशिप प्रशिक्षण योजना के तहत)
- कुल रिक्तियां-614 पद
- प्रशिक्षण की अवधि-12 महीने
- योग्यता- किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से स्नातक (01.01.2022 को या उसके बाद उत्तीर्ण)
- पंजीकरण की अंतिम तिथि- 26-04-2026
- वेबसाइट https://www.jkb.bank.in

कर्मचारी चयन आयोग (SSC)

- पद- SSC के विभिन्न क्षेत्रों में मैट्रिक, हायर सेकेंडरी (10+2) और ग्रेजुएशन व उससे ऊपर के स्तरों पर विभिन्न पद
- कुल रिक्तियां- 2919 पद (संशोधित, क्षेत्र-वार)
- वेतनमान- 7वें CPC Pay Matrix के अनुसार Pay Levels 1 से 8 तक, User Department की आवश्यकताओं के अनुसार पद-वार अलग-अलग
- नौकरी की श्रेणी-केंद्र सरकार के मंत्रालयों/विभागों/कार्यालयों में
- नौकरी का स्थान- पूरे भारत में
- आयु सीमा (कुल मिलाकर)- पद-वार सीमाएं: 18-25, 18-27, 18-28, 18-30, 18-35, 20-25, 20-30, 21-27, 21-28, 22-28, 23-28 वर्ष (निर्धारित तिथि के अनुसार)
- आवेदन का तरीका- SSC वेबसाइट और mySSC मोबाइल ऐप के माध्यम से
- वेबसाइट-www.ssc.gov.in

10वीं के बाद स्ट्रीम चयन: करियर प्लानिंग की पहली सीढ़ी

10 वीं कक्षा के बाद सही स्ट्रीम का चयन हर छात्र के जीवन का एक महत्वपूर्ण निर्णय होता है। अक्सर विद्यार्थी ही नहीं, बल्कि उनके अभिभावक भी इस बात को लेकर असमंजस में रहते हैं कि आगे की पढ़ाई के लिए साइंस, कॉमर्स या आर्ट्स में से कौन-सा विकल्प बेहतर रहेगा। सही स्ट्रीम का चुनाव न केवल आपकी रुचि और क्षमता पर निर्भर करता है, बल्कि यह आपके करियर की दिशा भी तय करता है, इसलिए इस निर्णय को सोच-समझकर लेना बेहद जरूरी है। हम आपको तीनों स्ट्रीम्स की विशेषताओं और उनके करियर विकल्पों के बारे में सरल भाषा में जानकारी दे रहे हैं, ताकि आपकी उलझन कम हो सके।

- **साइंस स्ट्रीम-** साइंस स्ट्रीम उन छात्रों के लिए उपयुक्त मानी जाती है, जिन्हें विज्ञान और तकनीकी विषयों में गहरी रुचि होती है। यदि आपको प्रयोग करना, नई चीजों की खोज करना और गणितीय समस्याओं को हल करना पसंद है, तो यह स्ट्रीम आपके लिए बेहतर विकल्प हो सकती है। इसमें मुख्य रूप से फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी और मैथ्स जैसे विषय शामिल होते हैं। ये विषय तार्किक सोच और विश्लेषणात्मक क्षमता को विकसित करते हैं। इस स्ट्रीम को चुनने के बाद इंजीनियरिंग, मेडिकल, आईटी, रिसर्च, डेटा साइंस और बायोटेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में करियर बनाया जा सकता है।

आर्ट्स (ह्यूमैनिटीज) स्ट्रीम

आर्ट्स स्ट्रीम उन छात्रों के लिए सबसे उपयुक्त है, जो रचनात्मकता और सामाजिक विषयों में रुचि रखते हैं। यदि आपको इतिहास, भूगोल, राजनीति विज्ञान, मनोविज्ञान, साहित्य या समाजशास्त्र जैसे विषय पसंद हैं, तो यह स्ट्रीम आपके लिए सही हो सकती है। यह स्ट्रीम न केवल ज्ञान का विस्तार करती है, बल्कि सोचने और समझने की क्षमता को भी विकसित करती है। इसके माध्यम से पत्रकारिता, सिविल सेवा, कानून, शिक्षण, मनोविज्ञान, डिजाइन और सामाजिक कार्य जैसे क्षेत्रों में करियर बनाया जा सकता है।

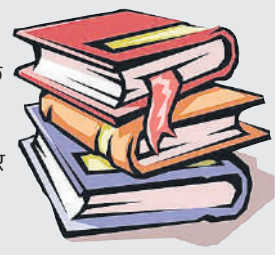

- **कॉमर्स स्ट्रीम-** कॉमर्स स्ट्रीम उन विद्यार्थियों के लिए उपयुक्त है, जिन्हें व्यापार, वित्त और अर्थव्यवस्था से जुड़ी चीजों में रुचि होती है। यदि आप यह समझना चाहते हैं कि पैसा कैसे काम करता है, बाजार कैसे चलता है और बिजनेस कैसे बढ़ता है, तो कॉमर्स एक अच्छा विकल्प है। इसमें अकाउंटेंसी, बिजनेस स्टडीज और इकोनॉमिक्स जैसे विषय पढ़ाए जाते हैं, जो व्यावसायिक समझ को मजबूत बनाते हैं। इस स्ट्रीम के माध्यम से चार्टर्ड अकाउंटेंट (CA), कंपनी सेक्रेटरी (CS), बैंकिंग, फाइनेंस, मार्केटिंग और बिजनेस मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में करियर के अवसर मिलते हैं।

ऐसे चुनें सही स्ट्रीम

- उन विषयों को चुनें, जिनमें आपकी पकड़ मजबूत हो और जिन्हें पढ़ने में आपको आनंद आता हो।
- हर स्ट्रीम में उपलब्ध भविष्य के अवसरों को समझें, ताकि सही दिशा तय कर सकें।
- विशेषज्ञ वर्तमान जॉब मार्केट के अनुसार सही मार्गदर्शन दे सकते हैं।
- उनका अनुभव और आपकी समझ आपको बेहतर निर्णय लेने में मदद करेगा।
- किसी दबाव में न आएं, अपनी रुचि, योग्यता और लक्ष्यों के आधार पर ही स्ट्रीम चुनें।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	78,516.49	24,378.10
गिरावट	756.84	198.50
प्रतिशत में	0.95	0.81

सोना 1,57,000 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,55,000 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, गुरुवार, 23 अप्रैल 2026

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

आसुस ने लॉन्च किया एआई-संचालित 'एक्सपर्टबुक अल्ट्रा'

नई दिल्ली। आसुस ने बुधवार को भारत में अपने नये एआई-संचालित फ्लैगशिप लैपटॉप 'एक्सपर्टबुक अल्ट्रा' को लॉन्च करने के साथ ही एक्सपर्टबुक पी-सीरीज पोर्टफोलियो का विस्तार किया। कंपनी ने बताया कि एक्सपर्टबुक अल्ट्रा एक कोपायलट लैपटॉप है, जिसे विशेष रूप से वरिष्ठ कॉर्पोरेट अधिकारियों और व्यवसाय से जुड़े पेशेवरों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। एक्सपर्टबुक अल्ट्रा का वजन लगभग 0.99 किलोग्राम से शुरू होता है और इसे एज़ी31बी मैग्नीशियम-एल्यूमिनियम मिश्र धातु से बनाया गया है, जो आमतौर पर एयरोस्पेस और फॉर्मूला-1 अनुप्रयोगों में इस्तेमाल होती है। आसुस एक्सपर्टबुक अल्ट्रा की बिक्री 29 अप्रैल से शुरू होगी।

चौथी तिमाही में टेक महिंद्रा का मुनाफा 1,354 करोड़

मुंबई। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनी टेक महिंद्रा को वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में समेकित आधार पर 1,354 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ है जो सालाना आधार पर 16 प्रतिशत अधिक है। कंपनी के निदेशक मंडल की बुधवार को हुई बैठक में वित्तीय परिणामों को मंजूरी प्रदान की गयी। इसके अनुसार, चौथी तिमाही में राजस्व 12.6 फीसदी बढ़कर 15,076 करोड़ रुपये पर रहा। प्रति शेयर आय 15.24 रुपये रही। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का राजस्व 56,815 करोड़ रुपये और शुद्ध लाभ 4,811 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। इनमें एक साल पहले के मुकाबले क्रमशः 7.2 प्रतिशत और 13.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

टेस्ला ने भारत में लांच की इलेक्ट्रिक एसयूवी

मुंबई। दिग्गज इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) विनिर्माता टेस्ला ने बुधवार को अपना छह सीटों वाला इलेक्ट्रिक एसयूवी मॉडल 'वाईएल' भारत में पेश किया जिसकी कीमत 61.99 लाख रुपये है। यह अमेरिकी कंपनी की भारत में दूसरी पेशकश है। कंपनी ने पिछले साल मॉडल 'वाई' के साथ भारतीय बाजार में कदम रखा था। टेस्ला इंडिया के महाप्रबंधक शरद अग्रवाल ने कहा कि कंपनी ग्राहकों की जरूरतों के अनुरूप चार्जिंग अवसंरचना को विकसित करेगी और वाईएल मॉडल के जरिए प्रीमियम एसयूवी खंड में पकड़ मजबूत करने का लक्ष्य है। कंपनी चालू तिमाही में सेवा और बॉडी शॉप नेटवर्क का विस्तार करते हुए पश्चिम बंगाल और हैदराबाद, चेन्नई एवं अहमदाबाद शहरों में अपनी उपस्थिति बढ़ाएगी।

शुल्क वापसी में हिस्से कोअमेरिकी खरीदारों से बात करें निर्यातक: फियो

नई दिल्ली। निर्यातकों का शीर्ष निकाय फियो ने अपने सदस्यों को अमेरिकी खरीदारों के साथ बातचीत करने की सलाह दी है ताकि वे शुल्क वापसी में हिस्सेदारी हासिल कर सकें। अमेरिका ने 20 अप्रैल से जवाबी शुल्क की वापसी की प्रक्रिया शुरू की है। भारतीय निर्यातक संगठनों के महासंघ (फियो) के अध्यक्ष एस. सी. रल्हन ने मंगलवार को कहा कि इन शुल्क वापसी पर भारतीय निर्यातकों का कोई कानूनी अधिकार नहीं है, क्योंकि यह केवल अमेरिकी कंपनियों को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि लेकिन यदि किसी भारतीय निर्यातक के अपने अमेरिकी खरीदार से अच्छे संबंध हैं, तो उसे कुछ हिस्सा मिल सकता है। चमड़ा क्षेत्र के एक उद्योग अधिकारी ने कहा कि व्यवसाय इस मुद्दे पर अमेरिकी आयातकों के साथ चर्चा करेंगे। एक चमड़ा निर्यातक ने कहा कि हम इस बारे में अपने खरीदारों से बात कर रहे हैं। जवाबी शुल्क व्यवस्था दो अप्रैल 2025 को 10 प्रतिशत से शुरू हुई थी जिसे लगातार तेजी से बढ़ाया गया।

शेयर बाजार में तीन दिन की तेजी पर विराम, सेंसेक्स 757 अंक फिसला

होर्मुज जलडमरूमध्य बंद रहने से बाजार पर बना रहा दबाव, ब्रेंट क्रूड के दाम बढ़े

मुंबई, एजेंसी

पश्चिम एशिया संकट जारी रहने से कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी और आईटी शेयरों में भारी बिकवाली के बीच घरेलू शेयर बाजार में तीन दिनों से जारी तेजी बुधवार को थम गई। सेंसेक्स में करीब 757 अंकों की गिरावट रही जबकि निफ्टी 198 अंक टूट गया।

विश्लेषकों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की निकासी और पश्चिम एशिया में लंबे समय तक अस्थिरता की आशंका से भी बाजार धारणा प्रभावित हुई। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 756.84 अंक यानी 0.95% टूटकर 78,516.49 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 831.03 अंक तक लुढ़क गया था।

इसी तरह, एनएसई का 50 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक निफ्टी 198.50 अंक यानी 0.81 प्रतिशत गिरकर 24,378.10 अंक पर बंद हुआ। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.26 प्रतिशत बढ़कर 99.72 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 1,918.99 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की। व्यापक बाजार में छोटी कंपनियों का बीएसई स्मालकैप सेलेक्ट सूचकांक 0.76 प्रतिशत चढ़ गया जबकि मझोली कंपनियों के मिडकैप सेलेक्ट सूचकांक में 0.04 प्रतिशत की गिरावट रही। क्षेत्रवार सूचकांकों में आईटी खंड में सर्वाधिक 3.66 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई जबकि फोकस आईटी खंड में 3.54 प्रतिशत, वित्तीय सेवा खंड में 0.64 प्रतिशत और निजी बैंक सूचकांक में 0.64 प्रतिशत की गिरावट रही।

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और चीन का शंघाई कंपोजिट बढ़त के साथ बंद हुए जबकि हांगकांग का हैंग सेंग नुकसान में रहा।

अमेरिका-ईरान वार्ता ठप होने से बढ़ा दबाव

लाइवलॉन्ग वेल्थ के संस्थापक एवं शोध विश्लेषक हरिप्रसाद के. ने कहा कि अमेरिका-ईरान वार्ता ठप होने के साथ ही कच्चे तेल की कीमतें ऊंचे स्तर पर बनी रहने से मुद्रास्फीति और मुद्रा स्थिरता पर दबाव बढ़ा है। एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी पोनमुडी आर. ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद रहने से बाजार पर दबाव बना रहा।

गिरावट वाले शेयर

एचसीएल टेक्नोलॉजीज, इन्फोसिस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टेक महिंद्रा और आईसीआईसीआई बैंक

ये रहे लाभ में

हिंदुस्तान यूनिलीवर, एनटीपीसी, ट्रेंट

लक्ष्य से बढ़ सकता है भारत का राजकोषीय घाटा

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच सरकारी नीतियों से सार्वजनिक वित्त पर पड़ने वाले दबाव से भारत का राजकोषीय घाटा बजटीय लक्ष्य को पार कर सकता है और जीडीपी के 4.5 प्रतिशत तक पहुंच सकता है।

शोध फर्म बीएमआई ने बुधवार को एक रिपोर्ट में यह अनुमान जताया। सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में राजकोषीय घाटे को जीडीपी के 4.3 प्रतिशत तक सीमित रखने का लक्ष्य तय किया था। यह वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 4.4 प्रतिशत के संशोधित अनुमान से थोड़ा कम है। बीएमआई को उम्मीद है कि सरकार पश्चिम एशिया संघर्ष से उपजे व्यवधानों से निपटने के लिए महत्वपूर्ण साधनों को प्रमुख उद्योगों की ओर मोड़ने, व्यावसायिक लागतों को नियंत्रित करने और कंपनियों के लिए वित्तीय सहायता बढ़ाने की नीतियां लागू करेगी। बीएमआई का अनुमान है कि सरकार सेमीकंडक्टर चिप्स बनाने में इस्तेमाल होने वाले हीलियम और सल्फर जैसे दुर्लभ कच्चे माल के निर्यात पर प्रतिबंध भी लगा सकती है। सल्फर उर्वरक बनाने के लिए भी एक महत्वपूर्ण घटक है, इसलिए सरकार कृषि क्षेत्र में व्यवधानों को कम करने का प्रयास करेगी, जिसमें भारत के 43% कार्यबल को रोजगार मिलता है।

होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से प्रभावित व्यवसायों की लागत वृद्धि को रोकने के लिए केंद्र सरकार ने एक लाख करोड़ रुपये का आर्थिक स्थिरीकरण कोष स्थापित किया है। बीएमआई का अनुमान है कि यह वित्त वर्ष 2026-27 में राजकोषीय व्यय में जीडीपी का 0.1 प्रतिशत योगदान देगा।

बीएमआई की रिपोर्ट

- निर्धारित 4.3% के सापेक्ष वित्त वर्ष 2026-27 में 4.5 फीसदी पहुंचने का अनुमान
- कृषि क्षेत्र में व्यवधानों को कम करने का होगा प्रयास

34 पैसे टूटकर 93.78 प्रति डॉलर पर बंद हुआ रुपया

मुंबई, एजेंसी। रुपये में बुधवार को लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में गिरावट आई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 34 पैसे टूटकर 93.78 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। अमेरिका-ईरान शांति वार्ता को लेकर अनिश्चितता से पश्चिम एशिया में संघर्ष कम होने की उम्मीदें कमजोर हुई हैं। इसके साथ कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई जिससे घरेलू मुद्रा पर दबाव बढ़ा।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी ने भी भारतीय मुद्रा पर दबाव डाला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 93.69 प्रति डॉलर पर खुला। अंत में घरेलू मुद्रा डॉलर के मुकाबले 93.78 पर रही जो पिछले बंद भाव से 34 पैसे की गिरावट है।

सड़क, रेलवे और बिजली क्षेत्रों की नीतियों में आपदा से निपटने के उपायों का अभाव

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के सड़क, रेलवे और बिजली क्षेत्रों की मौजूदा क्षेत्रीय नीतियों और मानक संविदा दस्तावेजों में आपदा जोखिम से निपटने के उपायों की कमी है। एक रिपोर्ट में बुधवार को यह बात कही गई।

विश्लेषण में इस बात को एक गंभीर समस्या बताया गया है, क्योंकि भारत सहित पूरी दुनिया इस समय जलवायु और आपदा जोखिमों से वित्तीय खतरे का सामना कर रही है। इसमें वैश्विक बुनियादी ढांचे को सालाना 845 अरब डॉलर का नुकसान होने का अनुमान लगाया गया है, जबकि वास्तविक नुकसान इससे कहीं अधिक है।

कोएलिशन फॉर डिजास्टर रेजिलिएंट इंफ्रास्ट्रक्चर (सीडीआरआई) की 'भारत में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में आपदा के दौरान मजबूत बने रहने के उपायों को मुख्यधारा में लाना' नामक यह रिपोर्ट बुधवार को जारी की गई।

एक बयान में सीडीआरआई के महानिदेशक अमित प्रोथी ने कहा कि आपदा अनुकूलन यानी आपदा जोखिम से निपटने का अर्थ सार्वजनिक वित्त की रक्षा करना और विकास के लाभों को सुरक्षित करना है। आज मजबूत बुनियादी ढांचे में निवेश करना कल के वित्तीय झटकों को कम करता है और यह सरकारों द्वारा किए जा सकने वाले सबसे समझदारी भरे निवेशों में से एक है। रिपोर्ट में सड़क, रेलवे और बिजली क्षेत्रों में पांच प्रमुख कमी वाले क्षेत्रों की पहचान की गई है।

ये हैं- मानक संविदात्मक दस्तावेजों में कमियां, परियोजना काल में कमियां, डेटा और जोखिम मूल्यांकन प्रणालियों में कमियां, क्षमता में कमी और वित्तपोषण एवं जोखिम कवरेज में कमियां।

- कोएलिशन फॉर डिजास्टर रेजिलिएंट इंफ्रास्ट्रक्चर सीडीआरआई की रिपोर्ट
- आपदा के दौरान बुनियादी ढांचे के मजबूत बने रहने के उपायों पर किया अध्ययन
- रिपोर्ट में सड़क और बिजली क्षेत्रों में पांच प्रमुख कमी वाले क्षेत्रों की पहचान की गई है
- बुनियादी ढांचे में आज निवेश कल के वित्तीय झटकों को कम करता है

सरकार ने विमानन ईंधन में एथनॉल, कृत्रिम हाइड्रोकार्बन के मिश्रण की मंजूरी दी

नयी दिल्ली,एजेंसी। सरकार ने विमानों में इस्तेमाल होने वाले ईंधन एटीएफ में एथनॉल और कृत्रिम हाइड्रोकार्बन के मिश्रण की अनुमति दे दी है लेकिन इसके लिए कोई लक्ष्य तय नहीं किया गया है। एक सरकारी अधिसूचना से यह जानकारी मिली है। आवश्यक वस्तु अधिनियम (एस्मा) के तहत एटीएफ विपणन नियमन आदेश, 2001 में संशोधन के बाद यह कदम उठाया गया है। इससे एटीएफ की परिभाषा का दायरा बड़ा हो गया है जिससे कृत्रिम हाइड्रोकार्बन के मिश्रण की राह आसान हो गई है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की तरफ से जारी राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना के मुताबिक, एटीएफ की परिभाषा का विस्तार कर उसमें सिंथेटिक हाइड्रोकार्बन के साथ मिश्रण को शामिल किया गया है। इस कदम का उद्देश्य उत्सर्जन में कमी लाना और कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता घटाना है। हालांकि, फिलहाल इसके लिए अनिवार्य मिश्रण लक्ष्य तय नहीं किया गया है। पुराने आदेश में संशोधन के तहत एटीएफ को अब ऐसे हाइड्रोकार्बन मिश्रण के रूप में परिभाषित किया गया है, जो आईएस 1571 मानकों के अनुरूप हो या आईएस 17081 मानकों के तहत कृत्रिम हाइड्रोकार्बन के साथ मिश्रित हो। इससे नई तरह के ईंधन को शामिल करने का रास्ता साफ हुआ है।

होर्मुज से जहाजों की निकासी के लिए ईरान को नहीं किया गया भुगतान: भारत

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत ने बुधवार को इस बात से इनकार किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य से अपने जहाजों को सुरक्षित पार कराने के लिए उसने ईरान को नकद या क्रिप्टोकरेंसी में कोई भुगतान किया है। यह स्पष्टीकरण उस घटना के बाद आया है, जिसमें 18 अप्रैल को इस रणनीतिक जलमार्ग से गुजरने की कोशिश कर रहे दो भारतीय जहाजों पर ईरानी बलों ने गोलीबारी की थी, जिसके बाद उन्हें वापस लौटना पड़ा।

बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव मुकेश मंगल ने कहा कि 'सनमार हेराल्ड' जहाज को सुरक्षित मार्ग देने के लिए ईरान को भुगतान किए जाने के बारे में चलाई जा रही खबरें 'फर्जी' हैं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि ऐसी खबरें फैल रही हैं कि सनमार हेराल्ड जहाज के कप्तान ने इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गॉर्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की नौसेना इकाई से जुड़े लोगों को भुगतान किया, जो कि पूरी तरह गलत है। जहाज के मालिक ने कोई भुगतान न किए जाने की पुष्टि की।

छोटे उद्यमियों को देंगे वैश्विक भागीदारी का अवसर: दिनेश

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा जापान सरकार के साथ किए गए दूरदर्शी समझौते को आधार मानते हुए एमएसएमई को वैश्विक मंच प्रदान करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है।

हाल में आईआईए और इंडो-जापान चैम्बर ऑफ कॉमर्स के बीच हस्ताक्षरित किए गए एमओयू के क्रम में बुधवार को ग्रेटर नोएडा में दोनों संस्थाओं ने एक उच्च स्तरीय रणनीतिक बैठक की गई। आईआईए के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश गोयल ने बैठक का नेतृत्व करके मुख्यमंत्री के विजन को साझा किया।

विशेष रूप से एसएमईएस के लिए सरकारी नीतियों और सहायक दिशा-निर्देशों की आवश्यकता पर बल दिया। कहा कि हमारा उद्देश्य छोटे उद्यमियों को उनकी सीमित बजटीय सीमाओं से बाहर निकालकर वैश्विक भागीदारी के अवसर प्रदान करना है। उन्होंने एमओयू के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए एक 'स्टीयरिंग कमेटी' के गठन का प्रस्ताव रखा।

बैठक में लखनऊ, बाराबंकी और कानपुर आईआईए एक्सपोर्ट कमेटी के चेयरमैन अमन अग्रवाल ने यहां के चिकन वस्त्र, खाद्य प्रसंस्करण, हस्तशिल्प, चमड़ा, टेक्सटाइल और रक्षा विनिर्माण को वैश्विक मानकों पर लाने की योजना साझा की।

सहारनपुर और शामली से काष्ठ कला और लौह उद्योग को जापानी फिनिशिंग के साथ जोड़ने पर चर्चा हुई तो मुरादाबाद और संभल से पीतल एवं हस्तशिल्प उद्योग के लिए आधुनिक जापानी ऑटोमेशन तकनीकों पर जोर दिया गया। मेरठ से स्पोर्ट्स काउंसिल के अध्यक्ष सुमनेश अग्रवाल ने मेरठ के खेल उत्पादों को विश्वस्तरीय बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई। पर्यटन और आतिथ्य पर भी चर्चा हुई। वाराणसी, अयोध्या, प्रयागराज, आगरा और मथुरा जैसे धार्मिक एवं ऐतिहासिक केंद्रों के पर्यटन विकास और आतिथ्य सेवाओं को अपग्रेड करने किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त बहु-राज्य विकास और पूर्वोत्तर क्षेत्र की संभावनाओं के लिए आईआईए ने एमओयू के माध्यम से केवल उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि राजस्थान, महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा, बिहार और पूर्वांचल के लिए भी व्यापक विकास के अवसरों को रेखांकित किया है। अरुणाचल प्रदेश, असम सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र के उत्पादों को भी वैश्विक पहुंच दिलाने की पहल की गई है।

आईजेसीसी के चेयरमैन राहुल मिश्रा और उनकी टीम ने आईटी, ऑटोमेशन और रेलवे ट्रांसफॉर्मेशन में जापानी 'ट्रेनिंग थ्योरीज' लागू करने पर सहमति जताई।

युवा उद्यमियों को जापान में प्रशिक्षण दिलाने की योजना को एक ऐतिहासिक कदम बताया गया।

बैठक में आईआईए और इंडो जापान चैंबर्स ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारी।

सकारात्मक पहल

- इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) और इंडो-जापान चैम्बर ऑफ कॉमर्स के बीच बनी रणनीति
- स्थानीय उद्योगों के जापान की तकनीकि से ऑटोमेशन के प्रस्ताव, धार्मिक और एतिहासिक पर्यटन को करेंगे अपग्रेड
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'जापान मिशन' को बताया प्रेरक

नौ करोड़ के पार पहुंची अटल पेंशन योजना के सदस्यों की संख्या

नई दिल्ली, एजेंसी। पेंशन कोष नियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) संचालित केंद्र सरकार की प्रमुख सामाजिक सुरक्षा योजना... अटल पेंशन योजना (एपीवाई)के अंशधारकों की संख्या नौ करोड़ से अधिक हो गई है। योजना की बढ़ती पहुंच और प्रभाव के चलते वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान सकल नामांकन 1.35 करोड़ सदस्यों से अधिक हो गया है। यह योजना की शुरुआत के बाद से किसी एक वित्त वर्ष में सबसे अधिक नामांकन है। पीएफआरडीए ने एक बयान में कहा कि योजना मुख्य रूप से गरीबों, वंचितों और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों पर केंद्रित है। एक दशक में बैंकों तथा डाक विभाग के निरंतर प्रयासों और सरकार के निरंतर सहयोग से इस योजना में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

छह साल बाद फिर शुरू होगा लिपुलेख दर्रे से भारत-चीन सीमा व्यापार

संवाददाता, पिथौरागढ़

अमृत विचार: दो देशों के बीच छह साल के लंबे अंतराल के बाद व्यापार शुरू होने की अच्छी खबर सामने आयी है। इस वर्ष लिपुलेख दर्रे से भारत-चीन व्यापार फिर से शुरू होगा। व्यापारियों को लिपुलेख तक जाने के लिए इनर लाइन परमिट जारी किए जाएंगे, जबकि आगे तकलाकोट मंडी तक पहुंचने के लिए ट्रेड पास अनिवार्य होगा।

भारत-चीन सीमा व्यापार को वर्ष 2026 में पुनः प्रारंभ किए जाने के संबंध में बुधवार को पिथौरागढ़ कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी आशीष भटगांई की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में इस पर फैसला लिया गया।

विदेश मंत्रालय द्वारा लिपुलेख दर्रे के माध्यम से सीमा व्यापार पुनः प्रारंभ करने पर अनापत्ति मिलने के बाद प्रस्तावित व्यापार सत्र की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए विस्तृत चर्चा भी की गई। बैठक में जानकारी दी गई कि व्यापार अवधि जून के प्रथम सप्ताह से प्रारंभ होकर सितंबर तक प्रस्तावित है। मौसम की अनुकूलता के आधार पर इस अवधि को बढ़ाने का प्रस्ताव भी शासन को भेजा जा सकता है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि पूर्व की भांति ही व्यापार संचालन की व्यवस्था निर्धारित की जाएगी तथा समस्त कार्य विदेश मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुरूप संपादित किए जाएंगे। डीएम ने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि सीमा व्यापार प्रारंभ होने से पूर्व इन्फ्रास्ट्रक्चर, सड़क, संचार, बैंकिंग, सुरक्षा एवं आवासीय व्यवस्थाएं पूरी कर ली जाएं।

बैठक में डीएम और अन्य अधिकारी।

- जून से सितंबर तक चलेगा सत्र मिलेगा इनर लाइन परमिट विदेश मंत्रालय ने दी अनुमति

छह वर्षों के अंतराल के बाद भारत-चीन सीमा व्यापार लिपुलेख दर्रे से फिर शुरू हो रहा है। विदेश मंत्रालय ने भी अनुमति दे दी है। इस व्यापार को लेकर प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है।–**आशीष भटगांई,** जिलाधिकारी, पिथौरागढ़

कच्चा तेल महंगा होने के बावजूद भारत में 7% से अधिक की वृद्धि संभव: एसोचैम

नयी दिल्ली,एजेंसी। उद्योग निकाय एसोचैम ने बुधवार को कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से उपभोग आधारित है और कच्चे तेल की कीमत 90-100 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचने के बावजूद देश सालाना सात प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज कर सकता है। निकाय ने कहा कि उच्च ऊर्जा लागत के प्रति भारत का लचीलापन पिछले कुछ वर्षों में काफी बढ़ा है, क्योंकि देश ने तेल के गंभीर झटकों को सहन किया है और इसके बावजूद वृद्धि दर मजबूत बनी रही है। एसोचैम ने अपने विश्लेषण के आधार पर कहा कि भारत ने आर्थिक वृद्धि की गति से समझौता किए बिना उच्च ऊर्जा कीमतों को प्रबंधित करने की अपनी क्षमता दिखाई है। इसमें कहा गया कि 2000-01 से 2025-26 के आंकड़ों के विश्लेषण से पता

चलता है कि भारत ने कच्चे तेल की मध्यम से उच्च कीमतों के स्तर पर भी अपने कुछ सबसे मजबूत वृद्धि दर वाले वर्ष दर्ज किए हैं। एसोचैम के अनुसार 2022-23 में वृद्धि दर 7.6 प्रतिशत थी, जबकि तेल की कीमतें (भारतीय बास्केट) 93 डॉलर प्रति बैरल (वार्षिक औसत) पर थीं। वहीं 2023-24 में तेल की कीमतें 82 डॉलर प्रति बैरल रहने पर वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत रही थी। एसोचैम के अध्यक्ष निर्मल कुमार मिंडा ने कहा कि भारत की वृद्धि गाथा मुख्य रूप से इसके उपभोग क्षेत्र द्वारा संचालित है।

बदलाव | 1966 के गन्ना नियंत्रण आदेश को एक व्यापक नए नियामक ढांचे से बदला जाएगा, सरकार ने 20 मई तक मांगे सुझाव

सरकार का गन्ने से जुड़े 60 साल पुराने कानून में बड़े बदलाव का प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार ने 1966 के गन्ना नियंत्रण आदेश को एक व्यापक नए नियामक ढांचे से बदलने का प्रस्ताव किया है। इसमें पहली बार एथनॉल उत्पादन, डिजिटल अनुपालन और कारखानों की मंजूरी के लिए एक औपचारिक व्यवस्था को एक साथ लाया गया है। सरकार ने इस मसौदे पर 20 मई तक लोगों से सुझाव मांगे हैं।

केंद्रीय खाद्य मंत्रालय के गन्ना (नियंत्रण) आदेश 2026 के मसौदे में पुराने कानून की बुनियादी संरचना को बरकरार रखा गया है। इसमें उचित और लाभकारी मूल्य (एफआरपी) के नियम, गन्ने की आवाजाही पर नियंत्रण, 14 दिनों के भीतर भुगतान की समय सीमा और देरी से भुगतान पर 15 प्रतिशत सालाना ब्याज शामिल है।

हालांकि इसमें पूरी तरह बदल चुके उद्योग के अनुरूप एक नया ढांचा तैयार किया गया है।

वर्ष 1966 के कानून से सबसे महत्वपूर्ण बदलाव एथनॉल को गन्ना नियामक ढांचे में स्पष्ट रूप से शामिल करना है और मसौदे में चीनी कारखाने की परिभाषा का विस्तार कर इसमें गन्ने के रस, सिरप, चीनी और मोलासेस से एथनॉल उत्पादन को भी शामिल किया गया है। इसके लिए एक ठोस रूपांतरण सूत्र पेश किया गया है, जिसके तहत उत्पादन गणना करते समय 600 लीटर एथनॉल को एक टन चीनी के बराबर माना जाएगा। केवल एथनॉल बनाने वाली इकाइयां, जो अपने परिसर में गन्ना नहीं पेरती हैं, उन्हें प्रदर्शन बैंक गारंटी की आवश्यकता से छूट दी गई है।

यह एकीकृत चीनी-सह-एथनॉल मिलों पर नियंत्रण हल्का किए बिना एकल एथनॉल क्षमता बढ़ाने के लिए एक सोची-समझी नीतिगत पहल है।

मसौदे की धारा 6ए से 6जी में ऐसे प्रावधान शामिल किए गए हैं, जो पुराने आदेश में नहीं थे। इसमें नए कारखानों के लिए औपचारिक आईईएम-आधारित मंजूरी प्रक्रिया, न्यूनतम दूरी के नियम, प्रदर्शन बैंक गारंटी को बढ़ाकर दो करोड़ रुपये करना और प्रभावी कदमों तथा व्यावसायिक उत्पादन के लिए कड़ी समय सीमा तय करना।

नेशनल फेडरेशन ऑफ कोऑपरेटिव शुगर फैक्ट्रीज लिमिटेड के प्रबंध निदेशक प्रकाश नाइकनवारे ने कहा कि 1966 का आदेश एथनॉल अर्थव्यवस्था से काफी पहले का था, इसलिए नए कानून की जरूरत थी। दूसरी ओर ऑल इंडिया शुगर ट्रेड एसोसिएशन के चेयरमैन प्रफुल्ल विथलानी ने बताया कि मसौदे में खांडसारी इकाइयों पर भी निगरानी सख्त करने का प्रावधान किया गया है।

एथनॉल उत्पादन बढ़ाने की पहल

- 600 लीटर एथनॉल को एक टन चीनी के बराबर माना जाएगा
- केवल एथनॉल बनाने वाली इकाइयां, जो अपने परिसर में गन्ना नहीं पेरती हैं, उन्हें प्रदर्शन बैंक गारंटी से छूट
- चीनी कारखाने का विस्तार कर इसमें गन्ने के रस, सिरप, चीनी और मोलासेस से एथनॉल उत्पादन को भी शामिल किया गया है

वर्ल्ड ब्रीफ

ट्रंप ने की आठ ईरानी महिलाओं को रिहा करने की अपील

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जनवरी 2026 के विरोध प्रदर्शनों में भाग लेने के लिए ईरान में मृत्युदंड की सजा का सामना कर रही आठ महिलाओं को रिहा करने का आह्वान किया है और कहा है कि उनकी रिहाई शांति वार्ताओं की एक शानदार शुरुआत होगी। ट्रंप की यह अपील ईरान के साथ एकतरफा युद्धविराम के विस्तार की घोषणा करने से एक दिन पहले आई है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर कहा, मैं इन महिलाओं की रिहाई की बहुत सराहना करूँगा। कृपया उन्हें कोई नुकसान न पहुंचाएं! यह हमारी बातचीत की एक शानदार शुरुआत होगी।

होर्मुज सुरक्षा को काम कर रहे ब्रिटेन-फ्रांस

लंदन। ब्रिटेन और फ्रांस करीब 30 देशों के सैन्य योजनाकारों को एक मंच पर लाने की कोशिश में जुटे हुए हैं ताकि होर्मुज जलडमरूमध्य में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रस्तावित मिशन की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया जा सके। यह मिशन तब लागू होगा जब प्रमुख समुद्री मार्ग फिर से खुल जाएगा। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि लंदन स्थित एक कमांड एवं नियंत्रण केंद्र में आयोजित दो दिवसीय बैठक का उद्देश्य कूटनीतिक सहमति को विस्तृत सैन्य योजना में बदलना है। योजना के तहत एक अंतर्राष्ट्रीय मिशन के जरिए वाणिज्यिक जहाजों की सुरक्षा, समुद्र में बिछी बारूदी सुरंगों को हटाने और क्षेत्र में आपसी विश्वास बहाल करने का काम किया जाएगा।

लेबनान में ड्रोन हमले में एक व्यक्ति की मौत

बेरूत। पूर्वी लेबनान के एक गांव में बुधवार को हुए ड्रोन हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। सरकारी 'नेशनल न्यूज एजेंसी' की खबर से यह जानकारी मिली। यह स्पष्ट नहीं है कि जब्बूर गांव में हुए इस ड्रोन हमले के पीछे किसका हाथ है। इजराइली सेना ने इलाके को निशाना बनाकर कोई भी हमला करने से इनकार किया है। पिछले शुक्रवार को इजराइल और लेबनान के बीच हुए 10 दिन के संघर्ष-विराम के बाद से इजराइल ने कई हमले किए हैं, जबकि हिज्बुल्ला ने मंगलवार को पहला हमला करने का दावा किया।

मोसाद से संबंध रखने में एक को दी फांसी

दुबई। ईरान ने बुधवार को एक व्यक्ति को इज़राइल की खुफिया एजेंसी मोसाद से कथित संबंधों को लेकर फांसी दे दी। ईरान में युद्ध के दौरान और जनवरी में हुए राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शनों के बाद लगातार फांसी की घटनाएं सामने आ रही हैं। ईरान की न्यायपालिका की समाचार एजेंसी 'मिजान न्यूज एजेंसी' ने मेहदी फरीद की फांसी की पुष्टि की। एजेंसी के अनुसार, फरीद एक संवेदनशील सरकारी संगठन में कार्यरत था और उसने इज़राइली खुफिया एजेंसी को जानकारी मुहैया कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि फरीद को ईरान के कोम प्रांत में दोषी ठहराया गया था। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं का कहना है कि ईरान में कई मामलों में बंद कमरे में सुनवाई होती है और आरोपियों को बचाव का अवसर नहीं मिल पाता।

सिख महिला से दुष्कर्म में अपराध कबूला

लंदन। ब्रिटेन में 32 वर्षीय एक व्यक्ति ने सिख महिला से दुष्कर्म के मामले में मंगलवार को अदालत में दोष स्वीकार कर लिया। आरोपी जॉन अश्बाय पर बर्मिंघम क्राउन कोर्ट में मुकदमा चल रहा है। उसने वॉल्सॉल में एक सिख महिला के साथ दुष्कर्म के आरोप में यह स्वीकारोक्ति की। पिछले साल अक्टूबर में हुई इस घटना के कुछ दिनों बाद गिरफ्तार किए गए आरोपी ने शुरू में यौन उत्पीड़न सहित सभी आरोपों से इनकार किया था।

कर्नाटक में अमेरिकी महिला का यौन उत्पीड़न, दो गिरफ्तार

कोडागु, एजेंसी

- **होमस्टे का कर्मचारी और मालिक हैं आरोपी**

कर्नाटक के कोडागु जिले के एक होमस्टे के एक कर्मचारी ने अमेरिकी महिला का यौन उत्पीड़न किया। पुलिस ने बुधवार को बताया कि यह घटना एक सप्ताह पहले कोडागु के कुट्टा गांव स्थित एक होमस्टे में हुई थी।

झारखंड के मूल निवासी एक कर्मचारी को इस संबंध में गिरफ्तार किया गया है। वह होमस्टे के आतिथ्य विभाग में काम करता था। होमस्टे के मालिक को भी गिरफ्तार किया गया है क्योंकि महिला द्वारा यौन उत्पीड़न की शिकायत किए जाने पर उसने पुलिस को जानकारी नहीं दी। महिला ने आरोप लगाया कि उसके पेय पदार्थ में नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाया गया और फिर होमस्टे में कर्मचारी द्वारा उसका यौन उत्पीड़न किया गया। पुलिस के अनुसार बाद में, जब उसने इस घटना के बारे में होमस्टे के मालिक को बताया तो उसने मामले को दबाने की कोशिश की और तीन दिनों के लिए वाई-फाई सेवा बंद कर दी, ताकि वह किसी से संपर्क नहीं कर सके। बाद में इंटरनेट पहुंच प्राप्त होने पर महिला ने मैसूरु जाने का बहाना कर परिसर छोड़ा और अमेरिकी दूतावास के अधिकारियों से सम्पर्क किया

वीडियो में एआई का लेबल पूरे समय साफ दिखना चाहिए

सरकार ने दिया सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) से संबंधित नियमों-प्रावधानों को और सख्त करने का प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) संबंधी नियमों को और सख्त करने का प्रस्ताव दिया है और इस बार खास तौर पर जोर दिया गया है कि उपयोगकर्ता एआई से बनी सामग्री की पहचान ऑनलाइन कैसे कर सकते हैं। इस बारे में जानना जरूरी है कि इस नए प्रस्ताव में क्या शामिल है, यह क्यों जरूरी है, और डिजिटल अधिकार समूहों द्वारा आईटी नियमों में किए जा रहे संशोधनों पर क्या चिंताएं जताई जा रही हैं, जिन पर अभी विचार चल रहा है।

फिलहाल आईटी नियमों के मुताबिक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से निर्मित सामग्री पर लेबल या निशान साफ-साफ दिखने चाहिए। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने मंगलवार को आम लोगों की राय जानने के लिए संशोधनों का जो मसौदा जारी किया है, उसमें साफ-साफ दिखने वाली शर्त को बदलकर यह नियम लागू करने की बात कही गई है कि लेबल स्क्रीन पर पूरे समय लगातार और साफ-साफ दिखते रहने चाहिए।

आसान शब्दों में कहें तो, इसका मतलब यह है कि एआई से बनी सामग्री की पहचान बताने वाला वॉटरमार्क या लेबल सिर्फ़ वीडियो की शुरुआत या आखिर में ही नहीं दिखना चाहिए; बल्कि यह पूरे वीडियो के दौरान स्क्रीन पर बने रहना चाहिए। प्रस्तावित नियम के अनुसार ऐसी स्थिति नहीं होगी जिसमें लेबल कभी दिखे, कभी न दिखे। मंत्रालय यह सुनिश्चित करना चाहता है कि अगर कोई वीडियो एआई से बनाया गया है, तो देखने वाले को, यह बात वीडियो के पहले सेकंड से लेकर आखिरी सेकंड तक पता रहे।

ऐसा क्यों किया जा रहा: इसकी मुख्य वजह है एआई का बढ़ता दुरुपयोग। मंत्रालय का मानना है कि ऑनलाइन दिखने वाले ऐसे वीडियो जो असली जैसे लगते हैं, लेकिन असल में नकली होते हैं, उनसे गलत जानकारी फैलती है और उपयोगकर्ता गुमराह होते हैं। इसलिए, एआई टूल से बनी ऐसी सामग्री को शुरू में ही लेबल लगाकर या निशान लगाकर पहचानना जरूरी है। हमेशा दिखने वाला लेबल अनिवार्य करके, सरकार यह पक्का करना चाहती है कि अगर कोई देखने वाला वीडियो को बीच में से भी देखना शुरू करे या क्लिप के किसी भी हिस्से में देखे, तो उसे तुरंत पता चल जाए कि यह कंटेंट असली नहीं, बल्कि एआई से बनाया गया है। मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है कि पहले के नियम के मुताबिक 'साफ-साफ दिखने वाले' लेबल को लेकर अनुपालन संतोषजनक नहीं था। कल्पना कीजिए, पांच मिनट का एआई से बना एक वीडियो है, जिसमें लेबल सिर्फ शुरुआती 5 सेकंड के लिए ही दिखता है। अगर आप वीडियो को दो मिनट बाद देखना शुरू करते हैं, तो आप एआई का निशान देख ही नहीं पाएंगे और हो सकता है कि आप उसे सच मान लें।

अधिकारियों का तर्क है कि 'हमेशा दिखते रहने वाला' निशान ज़्यादा व्यावहारिक है और इसमें ज़्यादा पारदर्शिता भी है। सोशल मीडिया मंच-एक्स, यूट्यूब और मेटा को यह सुनिश्चित करना होगा कि ये लेबल हमेशा बने रहें। एआई से सामग्री विकसित करने के टूल बनाने वाली कंपनियों को यह सतत लेबलिंग प्रणाली अपनानी होगी।

'नागरिक देवो भव' हर निर्णय के पीछे का हो मूलमंत्र : प्रधानमंत्री

मोदी ने एक करोड़ से अधिक लोक सेवकों को पत्र भेजकर जनसेवा का किया आह्वान

नई दिल्ली, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक करोड़ से अधिक लोक सेवकों को पत्र लिखकर कहा है कि 'नागरिक देवो भव' (नागरिक ही भगवान है) का सिद्धांत हर निर्णय का मूलमंत्र होना चाहिए और सरकार को अपनी क्षमता के अनुसार जनता की सेवा करनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने लोक सेवकों को यह भी बताया कि शासन करुणा पर आधारित होना चाहिए और सार्वजनिक सेवा की जिम्मेदारी निभाने वालों को आजीवन सीखते रहने का एक सर्वोत्तम उदाहरण बनना चाहिए।

सिविल सेवा दिवस से एक दिन पहले 20 अप्रैल को लिखे गए ये पत्र 12 भाषाओं - हिंदी, अंग्रेजी, मराठी, ओडिया, गुजराती, बांग्ला, कन्नड़, पंजाबी, असमिया, मलयालम, तेलुगु और तमिल में जारी किए गए। मोदी ने कहा कि 21वीं सदी बड़ी चुनौतियों के साथ-साथ अवसरों का भी समय है और रुझान हर दिन बदल रहे हैं, नई प्रौद्योगिकियां उभर रही हैं और लगातार नए नवाचार हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि नागरिकों और दुनिया दोनों को देश से बहुत उम्मीदें हैं। उन्होंने कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि सरकार की सेवाएं और कार्य संस्कृति इस ऐतिहासिक युग का अधिकतम लाभ उठाने के लिए अनुकूल हों। इस दिशा में 'आईगॉट कर्मयोगी' जैसे मंचों के उपयोग से आजीवन सीखने को आदत बनाना महत्वपूर्ण है। आप बेहतर बनने का चुनाव कर रहे हैं ताकि भारत बेहतर बन सके।

प्रधानमंत्री ने लोक सेवकों को कर्मयोगी कहकर संबोधित किया और कहा कि उन्होंने यह पत्र उन्हें एक बहुत ही विशेष समय पर लिखा है, क्योंकि भारत के कई हिस्सों में त्योहारों का मौसम है। उन्होंने कहा कि रोंगाली बिहू, विशु, पुथंडू, पोइला बोइशाख, महा बिशुबा पाना संक्रांति और बैसाखी के उत्साह से पूरा वातावरण सराबोर है। मोदी ने कहा कि ये त्योहार आशा और नई शुरुआत के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में, आप सीखने और विकास के एक उत्सव - 'साधना सप्ताह' का हिस्सा बन गए हैं। भारत के कोने-कोने से लोक सेवकों को एक साथ लाने वाले इस अनूठे प्रयास का हिस्सा बनने के लिए मैं आपको बधाई देता हूं।

जिज्ञासा की भावना को रखें जीवित

प्रधानमंत्री ने कहा कि वह लोक सेवकों के सेवाभाव के प्रति गहरी सराहना व्यक्त करना चाहते हैं, इसी सेवाभाव के कारण वे इस प्रयास का हिस्सा बन सके। उन्होंने कहा कि मेरा हमेशा से यह मानना रहा है कि ऐसे मंच व्यक्तिगत विकास और पेशेवर क्षमताओं को बढ़ाने के लिए आवश्यक हैं। मोदी ने कहा कि कुछ नया खोजना जीवन के सबसे बेहतरीन अनुभवों में से एक है और हर किसी को जिज्ञासा की इस भावना को जीवित रखना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि सभी लोक सेवकों को यह याद रखना चाहिए कि पहले बेहतर प्रदर्शन को मापदंड माना जाता था, लेकिन अब सभी प्रयासों का मूल्यांकन 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य के आधार पर किया जाना चाहिए।

आईगॉट कर्मयोगी मंच केंद्र सरकार का सबसे महत्वाकांक्षी प्रयास

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे प्रयासों की गति, व्यापकता, दिशा और तीव्रता इसी दृष्टिकोण से निर्देशित होनी चाहिए... नागरिक देवो भव का सिद्धांत हर निर्णय के केंद्र में होना चाहिए। मोदी ने कहा कि 'आईगॉट कर्मयोगी' मंच, जिस पर लोक सेवक अब प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं हमारी सरकार की मानव पूंजी को रूपांतरित करने का सबसे बड़ा और सबसे महत्वाकांक्षी प्रयास है और आप इसके मूल में हैं। उन्होंने कहा कि मुझे बताया गया था कि साधना सप्ताह के तीन उद्देश्य हैं: तकनीकी रूप से तैयार होना, अपनी परंपराओं को समझना और नागरिक केंद्रीयता पर आधारित ठोस परिणाम प्राप्त करना। ये वास्तव में आदर्श सिद्धांत हैं और जब इन सभी सिद्धांतों को एक साथ पिरोया जाता है, तो शासन आधुनिक, संस्कृति में निहित और 'जन सेवा' में दृढ़ता से निहित बन जाता है। यह याद रखना होगा कि भारत की प्रगति हर राज्य और हर विभाग में मिली सामूहिक जीत का योग है।

अगले चार-पांच दिन देश के कई हिस्सों में चलेगी लू

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बुधवार को कहा कि अगले चार से पांच दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिमी, मध्य और पूर्वी भारत के अधिकतर हिस्सों में उष्ण लहर की स्थिति बने रहने की संभावना है। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली के कुछ इलाकों में 24 और 25 अप्रैल को उष्ण लहर की स्थिति रह सकती है। आईएमडी के अनुसार, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 23-25 अप्रैल; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 22 - 26 अप्रैल; राजस्थान में 24-26 अप्रैल; मध्य प्रदेश में 23-26 अप्रैल, विदर्भ और छत्तीसगढ़ में 24 से 27 अप्रैल और पश्चिम बंगाल के गंगा मैदानी क्षेत्र, बिहार तथा झारखंड में 22 से 23 अप्रैल तक की अवधि में उष्ण लहर की संभावना है। मौसम विभाग ने कहा है कि 22 से 25 अप्रैल के बीच ओडिशा, तटीय आंध्र प्रदेश, यानम, पश्चिम बंगाल के गंगा मैदानी क्षेत्र, तमिल नाडु, पुडुचेरी, कराईकल, केरल, माहे, तटीय कर्नाटक और गुजरात के तटीय क्षेत्रों के कुछ इलाकों में गर्म और आर्द्र स्थिति बनी रह सकती है। इस दौरान हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, ओडिशा, कोंकण और गोवा के कुछ इलाकों में रात के दौरान गर्मी बढ़ने की संभावना है। आईएमडी के अनुसार, पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों में इस सप्ताह गरज के साथ बारिश हो सकती है।

जांच के दौरान मुख्यमंत्री का हस्तक्षेप लोकतंत्र को खतरा

नई दिल्ली, एजेंसी

- **आई-पैक छापेमारी में ममता की भूमिका पर सुप्रीम टिप्पणी**

कोलकाता में आई-पैक के कार्यालय पर ईडी द्वारा की गई छापेमारी के दौरान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा कथित तौर पर बाधा डाले जाने के मामले की बुधवार को उच्चतम न्यायालय ने गहन पड़ताल की और कहा कि यदि कोई मुख्यमंत्री जांच में हस्तक्षेप करता है तो लोकतंत्र खतरे में पड़ जाता है।

न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति एनवी अंजारी की पीठ ने कहा कि यह केंद्र और राज्य के बीच का विवाद नहीं है। किसी भी राज्य का कोई भी मुख्यमंत्री किसी जांच के बीच में आकर लोकतंत्र को खतरे में डालता है और फिर आप कहते हैं कि यह केंद्र और राज्य के बीच का विवाद है। न्यायालय ने यह टिप्पणी तब की जब पश्चिम बंगाल के एक वरिष्ठ अधिकारी की ओर से अदालत में पेश हुईं वरिष्ठ अधिवक्ता मेनका गुरुस्वामी ने ईडी की याचिका की वैधता पर सवाल उठाते हुए कहा कि विवाद मूल रूप से केंद्र और राज्य के बीच है। न्यायमूर्ति मिश्रा ने टिप्पणी की, यह (कथित अवरोध) स्वतः ही एक ऐसे व्यक्ति द्वारा किया गया कृत्य है जो संयोगवश एक राज्य का मुख्यमंत्री है, जिससे पूरी व्यवस्था और लोकतंत्र खतरे में पड़ गया है। न्यायालय ईडी की उस याचिका पर सुनवाई कर रहा था जिसमें आरोप लगाया गया है कि धनशोधन जांच के सिलसिले में 8 जनवरी को कोलकाता में राजनीतिक परामर्श फर्म इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी (आई-पैक) के कार्यालय की तलाशी के दौरान बनर्जी और राज्य के अन्य अधिकारियों ने बाधा डाली थी।

न्यायमूर्ति मिश्रा ने कहा कि लेकिन उनमें से किसी ने भी कभी ऐसी स्थिति की कल्पना नहीं की होगी कि इस देश में एक दिन ऐसा आएगा जब एक मौजूदा मुख्यमंत्री कार्यालय में प्रवेश करेगा... । गुरुस्वामी ने कहा कि मैं इस मामले के गुण-दोष पर हूं... कोई दुर्व्यवहार नहीं हुआ, किसी अधिकारी को धमकाया नहीं गया। पीठ इस दलील से सहमत नहीं हुई कि मामले में उठाए गए प्रश्नों को एक बड़ी पीठ के पास भेजा जाना चाहिए। कहा कि हम तय करेंगे कि अनुच्छेद 32 के तहत दायर याचिका सुनवाई योग्य है या नहीं।

साड़ी के बजाय नाइट ड्रेस पहनने पर पत्नी को जलाया

बेलगावी, एजेंसी। कर्नाटक के बेलगावी जिले में एक व्यक्ति ने 'नाइटड्रेस' पहनने पर आपत्ति जताते हुए कथित तौर पर उसमें आग लगा दी। पुलिस ने बुधवार को बताया कि यह घटना मंगलवार रात खानापुर तालुका के नंदगढ़ गांव में हुई। पुलिस के अनुसार, आरोपी कृष्णा पाटिल (34) को अपनी 32 वर्षीय पत्नी मंजुला पाटिल के घर में 'नाइटड्रेस' पहनने पर आपत्ति थी और वह अक्सर इस मुद्दे पर उससे बहस करता था। पुलिस ने बताया कि इसी बात को लेकर दंपति के बीच बहस हुई, जिसके बाद आरोपी ने अपनी पत्नी पर कथित तौर पर मिट्टी का तेल छिड़क कर उसे आग लगा दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि महिला करीब 80 प्रतिशत झुलस गई है। पहले उसे बेलगावी आयुर्विज्ञान संस्थान में भर्ती कराया गया था लेकिन हालत गंभीर होने के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए गोवा के एक अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। पुलिस ने कहा कि इस संबंध में नंदगढ़ थाने में मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार, मामले की जांच जारी है।

- **कर्नाटक के बेलगावी जिले में मंगलवार को हुई घटना**

सेप्टिक टैंक की जहरीली गैस से दम घुटने से तीन मज़दूरों की मौत

भागलपुर। बिहार में भागलपुर जिले के कदवा थाना क्षेत्र में बुधवार को शौचालय की टंकी की सफाई के दौरान जहरीली गैस से दम घुटने से तीन मज़दूरों की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने बुधवार को बताया कि इस क्षेत्र के खैरपुर गांववासी ज्वाला यादव के घर मे निर्मित शौचालय की टंकी सफाई के लिए तीन मजदूर अंदर घुसे। इस दौरान जहरीली गैस से दम घुटने तीनों बेहोश हो गए। गृहस्वामी ने अन्य लोगों के सहयोग से टंकी के दीवार को तोड़वाया और बेहोशी की हालत तीनों मजदूरों को नवगछिया अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान लक्ष्मिनिया गांव निवासी बमबम मंडल, श्री लाल मंडल एवं जननंदन मंडल के रूप में की गयी है।

दो लाख रुपये की रिश्वत लेते हेड कांस्टेबल गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीबीआई ने एक महिला से दो लाख रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में एंटी-नारकोटिक्स सेल (द्वारका) में तैनात दिल्ली पुलिस के हेड कांस्टेबल अजय को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि शिकायतकर्ता को झूठे मामले में न फंसाने के बदले 15 लाख रुपये की मांग की गई थी, पहली किस्त में पांच लाख रुपये 21 अप्रैल तक देनी थी।

प्रवासी भारतीय जर्मनी व भारत के बीच मजबूत सेतु

बर्लिन, एजेंसी

- **रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने किया प्रवासी भारतीयों से संवाद**

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जर्मनी में रहने वाले करीब तीन लाख भारतीय प्रवासियों को दोनों देशों के बीच सबसे मजबूत सेतु बताते हुए कहा है कि उन्होंने व्यापार, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और कला जैसे विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

उन्होंने भारतीय प्रवासियों से अपनी विरासत से जुड़े रहते हुए भारत-जर्मनी साझेदारी को और मजबूत बनाने में अपना योगदान जारी रखने का आग्रह किया। तीन दिन की यात्रा पर यहां आए सिंह ने पहले दिन भारतीय प्रवासी समुदाय के साथ संवाद किया। रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि रक्षा मंत्री ने जर्मनी में मौजूद भारतीयों से वैश्विक स्तर पर भारत के दृष्टिकोण को बढ़ावा देने और आर्थिक संबंधों को मजबूत करने का आग्रह किया। सिंह ने कहा

कि वर्ष 2026 जर्मनी के साथ राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष पूर्ण होने का प्रतीक है, जो विश्वास, आपसी सम्मान और साझा लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित हैं। उन्होंने भारतीय प्रवासियों से आग्रह किया कि वे अपनी विरासत से जुड़े रहते हुए भारत-जर्मनी साझेदारी को और मजबूत बनाने में अपना योगदान जारी रखें। उन्होंने भारतीय प्रवासियों को सरकार के निरंतर समर्थन और सुरक्षा का आश्वासन दिया।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष – आज जल्दबाजी में प्रतिक्रिया देना आपके लिए नुकसानदेह हो सकता है। किसी भी बात को समझकर ही जवाब दें।

वृष – आज अनावश्यक खर्च से बचें और जरूरी कामों को प्राथमिकता दें। सही योजना बनाने से आगे का समय आसान होगा।

मिथुन – आज आप सक्रिय रहेंगे और कई काम एक साथ करने की कोशिश करेंगे। सही दिशा में प्रयास करने पर अच्छे परिणाम मिल सकते हैं।

कर्क – आज भावनाओं में बहकर कोई निर्णय लेने से बचें। घर या परिवार से जुड़ा कोई विषय महत्वपूर्ण हो सकता है।

सिंह – आज लोगों से जुड़कर काम करने से फायदा मिलेगा। किसी संपर्क या मित्र के जरिए नया अवसर मिल सकता है।

कन्या – आज काम को टालने से बचें। जो जिम्मेदारी आपके पास है, उसे समय पर पूरा करना जरूरी होगा। अनुशासन बनाए रखने से ही संतोषजनक परिणाम मिलेंगे।

तुला – आज आपको अपने सोचने का तरीका थोड़ा बदलना पड़ सकता है। नई परिस्थिति के अनुसार खुद को ढालना ही सही रहेगा।

वृश्चिक – आज किसी स्थिति में अचानक बदलाव आ सकता है। आपको हर कदम सोच-समझकर रखना होगा।

धनु – आज रिश्तों और सहयोग का महत्व बढ़ेगा। किसी के साथ मिलकर किया गया काम बेहतर परिणाम देगा।

मकर – आज काम का दबाव रहेगा और आपको लगातार व्यस्त रहना पड़ेगा। प्राथमिकताएं तय करके चलेंगे तो दिन संभाल लेंगे।

कुंभ – आज आपको अपने तरीके से काम करने का मौका मिलेगा। रचनात्मक सोच से आप अलग पहचान बना सकते हैं।

मीन – आज किसी बात को सुलझाने का सही समय है। संतुलन बनाए रखेंगे तो मन भी शांत रहेगा और काम भी सही होंगे।

आज का पंचांग

-आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
astrompandey@gmail.com

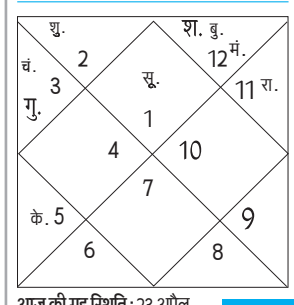

आज की ग्रह स्थिति : 23 अप्रैल, गुरुवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- वैशाख, पक्ष-शुक्ल पक्ष, सप्तमी 20 .49 तक तत्पश्चात अष्टमी।

दिशाशूल-दक्षिण, **ऋतु**- ग्रीष्म। **चन्द्रबल**- मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर।

ताराबल-भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।

नक्षत्र-पुनर्वसु 08 .57 तक तत्पश्चात पुष्य।

सुडोकू - 127 का हल

6	3	7	9	4	2	5	8	1
8	5	4	7	6	1	9	3	2
1	2	9	5	8	3	4	6	7
9	6	3	4	7	8	2	1	5
5	8	1	3	2	9	7	4	6
7	4	2	1	5	6	8	9	3
2	9	6	8	1	7	3	5	4
4	1	8	2	3	5	6	7	9
3	7	5	6	9	4	1	2	8

सुडोकू -128

8				1	5			6
		2		3	7		5	
	1					3	2	
	9		8			5		
		6				4		
		7			2		1	
	3						8	
	2		1	6				
4	7							3

संवाद | यूएनएसजी उम्मीदवार बाचेलेत ने कहा-स्थायी और अस्थायी दोनों श्रेणियों में होना चाहिए अधिक प्रतिनिधित्व

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में वास्तव में सुधार की आवश्यकता

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र महासचिव पद की उम्मीदवार मिशेल बाचेलेत ने कहा है कि सुरक्षा परिषद में वास्तव में सुधार और स्थायी तथा अस्थायी दोनों श्रेणियों में अधिक प्रतिनिधित्व की आवश्यकता है और इसे प्राप्त करने की दिशा में वह काम करेंगी।

चिली की पूर्व राष्ट्रपति मिशेल बाचेलेत संयुक्त राष्ट्र महासचिव पद के चार उम्मीदवारों में से एक हैं। वर्तमान संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंतोनियो गुतारेस 31 दिसंबर को अपना कार्यकाल पूरा करेंगे। उन्होंने लगातार पांच वर्ष के दो कार्यकाल में दुनिया के शीर्ष राजनयिक के रूप में सेवाएं दी हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधारों और भारत जैसे विकासशील देशों की स्थायी सदस्य के रूप में इस शक्तिशाली मंच पर मौजूदगी के संबंध में पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में बाचेलेट ने मंगलवार को यहां कहा कि मुझे लगता है कि सुरक्षा परिषद में सुधार की वास्तव में आवश्यकता है।

भारत वर्षों से सुरक्षा परिषद में सुधारों की मांग करने में अग्रणी रहा है, जिसमें इसके स्थायी और अस्थायी दोनों श्रेणियों का विस्तार शामिल है। भारत का कहना है कि 1945 में स्थापित 15 देशों की परिषद 21वीं सदी के लिए उपयुक्त नहीं है और समकालीन भू-राजनीतिक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित नहीं करती है। बाचेलेत ने कहा कि सुरक्षा परिषद में सुधार का निर्णय संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों को लेना है। उन्होंने 2024 में विश्व नेताओं द्वारा अपनाए गए भविष्य के समझौते का जिक्र करते हुए कहा कि लेकिन मुझे लगता है कि एक अवसर है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त रह चुकीं बाचेलेत ने कहा कि जब दुनिया भर के लोग संयुक्त राष्ट्र को देखते हैं, तो वे सुरक्षा परिषद को देखते हैं, वे एक ऐसे निकाय को देखते हैं जो समस्या का समाधान नहीं कर रहा है, जो पंगु है, जिसमें लाखों लोग पीड़ित हैं। मंगलवार को यहां तीन घंटे चले संवाद सत्र में बाचेलेत से सदस्य देशों और सिविल सोसायटी ने महासचिव पद को लेकर उनकी सोच तथा यह पूछा कि वे इस पद के लिए सबसे उपयुक्त उम्मीदवार क्यों हैं।

भारत ने बाचेलेत से पूछे सुधार-विकास के लक्ष्य

भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार और ग्लोबल साउथ के विकास लक्ष्यों का मुद्दा उठाते हुए चिली की पूर्व राष्ट्रपति तथा संयुक्त राष्ट्र महासचिव पद की उम्मीदवार मिशेल बाचेलेत से पूछा कि अगर वह इस वैश्विक संगठन के नेतृत्व के लिए चुनी जाती हैं तो इन मुद्दों पर उनकी क्या योजना होगी। विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) राजदूत सिबी जॉर्ज ने संवाद के दौरान कहा, आपके दृष्टिपत्र में संयुक्त राष्ट्र में जारी सुधारों को बनाए रखने और आगे बढ़ाने की बात कही गई है। बताएं कि इस उद्देश्य को हासिल करने के लिए आप कौन से कदम उठाएंगी।

ब्रिटेन में सिगरेट क्रय रोक बिल संसद में पारित

लंदन। ब्रिटिश संसद ने उस विधेयक को पारित कर दिया है, जिसमें 31 दिसंबर 2008 के बाद जन्मे लोगों के सिगरेट खरीदने पर प्रतिबंध लगाने का प्रावधान है। मंगलवार को पारित टोबैको एंड वेप्स बिल के समर्थन में दशकों लंबा अभियान चलाने वाली संस्था एक्शन ऑन स्मोकिंग एंड हेल्थ की मुख्य कार्यकारी हेजल चीजमैन ने कहा कि धूम्रपान और उससे होने वाले विनाशकारी नुकसान का अंत अब तय है। टोबैको एंड वेप्स बिल को महाराजा चार्ल्स तृतीय की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा।

अभिषेक शर्मा का रन-आउट और कैच छोड़ना हमें भारी पड़ा। मैं बॉलर्स से भी यही कह रहा था, कि अगर तुमने अच्छा एग्जीक्यूट किया, और उसके बाद भी उसने अच्छा शॉट मारा, तो तुम कुछ नहीं कर सकते। तुम्हें पता है, तुम्हें आगे बढ़ना होगा।
-अक्षर पटेल

स्टेडियम

लखनऊ, गुरुवार, 23 अप्रैल 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

IPL 2026

आज के मुकाबले

मुंबई इंडियंस — बनाम — चेन्नई सुपर किंग्स

समय - शाम 7:30 बजे

ऑरेंज कैप

- अभिषेक शर्मा हैदराबाद-323 रन
- हेनरिच क्लोसेन हैदाराबाद -320
- शुभमन गिल गुजरात -265 रन

पर्पल कैप

- प्रिंस यादव गुजरात - 13 विकेट
- अंशुल कंबोज चेन्नई - 13 विकेट
- इशान मलिंगा हैदाबाद- 12 विकेट

हाईलाइट

जापान का माचिदा एशियाई चैंपियंस लीग के फाइनल में

जेद्दा। जापान के क्लब माचिदा जेलविया ने संयुक्त अरब अमीरात के शबाब अल-अहली को 1-0 से हराकर एशियाई चैंपियंस लीग एलीट फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। युकी सोमा के पहले हाफ में किए गए गोल से जापान के क्लब ने जीत दर्ज की। शनिवार को होने वाले फाइनल में उसका मुकाबला सऊदी अरब के क्लब और मौजूदा चैंपियन अल-अहली सऊदी से होगा। सोमा ने 12वें मिनट में गोलकीपर हमाद अल-मेकबाली को छकाकर गोल दागा जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ। अल-अहली सऊदी ने सोमवार को जापान के विसेल कोबे को 2-1 से हराकर लगातार दूसरी बार फाइनल में जगह बनाई थी। जेद्दा स्थित इस क्लब ने पिछले साल मई में फाइनल में जापान के कावासाकी फ्रंटेल को 2-0 से हराया था।

टीम माहौल के मुताबिक ढलना मेरी जिम्मेदारी : वेंकटेश अय्यर

बेंगलुरु। वेंकटेश अय्यर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की एकादश में नियमित तौर पर जगह बनाना चाहते हैं, लेकिन यह हरफनमौला खिलाड़ी टीम की उन परिस्थितियों को भली-भांति समझता है जिनकी वजह से उन्हें बेंच पर बैठना पड़ रहा है। वह टीम मैनेजमेंट द्वारा दी गई भूमिका की स्पष्टता से संतुष्ट हैं। आईपीएल 2024 में केकेआर के विजयी अभियान का हिस्सा रहे वेंकटेश आईपीएल 2026 से पहले आरसीबी से जुड़े, पर अब तक उन्हें केवल एक ही मैच खेलने का मौका मिला है, क्योंकि बेंगलुरु टीम के शीर्ष और मध्यक्रम में कड़ी प्रतिस्पर्धा है। वेंकटेश ने मीडिया से बातचीत में कहा मुझे बाहर बैठने की आदत नहीं है, पर ये एक टीम का माहौल है। एक ऐसे खिलाड़ी के रूप में जो टीम को सबसे ऊपर रखता है, मेरा कर्तव्य है कि मैं इस माहौल का पालन करूं।

लखनऊ को घर में फिर मिली हार बल्लेबाजों ने किया आत्मसमर्पण

आईपीएल-2026 : रवींद्र जडेजा के हरफनमौला प्रदर्शन से राजस्थान ने 40 रनों से हराया

लखनऊ, एजेंसी

रविंद्र जडेजा के हरफनमौला खेल और गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से राजस्थान रॉयल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 मैच में बुधवार को यहां लखनऊ सुपर जायंट्स को 40 रन से शिकस्त दी। 'प्लेयर ऑफ द मैच' जडेजा ने 29 गेंद में नाबाद 49 रन की पारी खेलने के बाद गेंदबाजी में भी कमाल दिखाते हुए 29 रन देकर एक विकेट लिया। राजस्थान रॉयल्स ने आठ विकेट पर 159 रन का औसत स्कोर खड़ा करने के बावजूद सुपर जायंट्स को 18 ओवर में महज 119 रन पर आउट कर 40 रन की बड़ी जीत दर्ज की।

जीत का जश्न मनाते राजस्थान रॉयल्स के विकेटकीपर ध्रुव जुरेल, रवींद्र जडेजा और शुभम दुबे। एजेंसी

जोफ्रा आर्चर (20 रन पर तीन विकेट) और नांद्रे बर्गर (27 रन पर दो विकेट) ने सुपर जायंट्स के शीर्ष क्रम को झकझोरा, तो वहीं बृजेश शर्मा (18 रन पर दो विकेट), जडेजा और रवि बिश्नोई (23 रन पर एक विकेट) ने मध्य और निचले क्रम को क्रीज पर जमने का मौका नहीं दिया। सुपर जायंट्स के लिए मिचेल मार्श ने 41 गेंदों में सबसे ज्यादा 55 रन का योगदान दिया। उन्हें हालांकि दूसरे छोर से किसी और का साथ नहीं मिला। उनके अलावा निकोलस पूरन (22) और हिम्मत सिंह (15) ही दोहरे अंक में रन बना सके। इससे पहले जडेजा के अलावा यशस्वी जायसवाल (22), रियान पराग (20), शिमरॉन हेटमायर (22) और डोनोवन फरेरा (20) को भी अच्छी शुरुआत मिली, लेकिन कोई भी बड़ा स्कोर नहीं बना सका। मोहम्मद शमी और मोहसिन खान की अगुवाई में सुपर जायंट्स के भारतीय गेंदबाजों के आक्रमण ने राजस्थान रॉयल्स की मजबूत बल्लेबाजी को कम स्कोर पर रोका लेकिन सुपर जायंट्स के बल्लेबाजों ने गेंदबाजों के प्रयास को जाया कर दिया। यह लगातार तीसरा मैच है जब राजस्थान रॉयल्स का शीर्ष क्रम पूरी तरह विफल रहा है, जिससे टीम बड़ा स्कोर खड़ा करने में नाकाम रही है। अनुभवी गेंदबाज शमी (चार ओवर में 30 रन पर दो विकेट) एक बार फिर अपने कौशल के बूते सबसे अलग नजर आए, जबकि लंबे कद के मोहसिन (चार ओवर में 17 रन पर दो विकेट) बेहद अनुशासित रहे। दोनों गेंदबाजों ने मिलकर राजस्थान के चार प्रमुख बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। शमी ने जायसवाल और ध्रुव जुरेल (शून्य) को लगातार गेंदों पर आउट किया, जबकि मोहसिन ने वैभव सूर्यवंशी (11 गेंदों पर 8 रन) और शिमरॉन हेटमायर को अलग-अलग स्पेल में आउट किया। तेजी से उभरते प्रिंस यादव (चार ओवर में 29 रन पर दो विकेट) ने भी अपनी स्विंग गेंदों से आक्रमण को मजबूती दी, जबकि लंबे समय के बाद वापसी कर रहे मयंक यादव (56 रन बिना किसी सफलता के) लय में नहीं दिखे और महंगे साबित हुए। लक्ष्य का पीछा करते हुए मिचेल मार्श ने शुरुआती ओवर में आर्चर के खिलाफ लगातार चौके जड़े, लेकिन इसके बाद सुपर जायंट्स के तीन बल्लेबाज खाता खोले बिना पवेलियन लौटे। आयुष बडोनी गफलत का शिकार होकर रन आउट हुए, जबकि कप्तान ऋषभ पंत नांद्रे बर्गर के खिलाफ बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में विकेटकीपर ध्रुव जुरेल को कैच दे बैठे। आर्चर ने अपने अगले ओवर में एडेन मारक्रम को विकेट के पीछे कैच कराया, जिससे सुपर जायंट्स ने 11 रन तक तीन विकेट गंवा दिए। खराब लय में चल रहे पूरन ने क्रीज पर आते ही चौके से खाता खोला, जबकि मार्श ने बर्गर के खिलाफ पारी का पहला छक्का जड़ा, जिससे पावरप्ले में स्कोर तीन विकेट पर 31 रन हो गया। पूरन ने बृजेश के खिलाफ दो शानदार चौके लगाकर वापसी के संकेत दिए, लेकिन 10वें ओवर में जडेजा के खिलाफ बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में लंबा शॉट खेल बैठे और डोनोवन फरेरा द्वारा लपके गए।

राजस्थान रॉयल्स

159/6 (20 ओवर)

यशस्वी जायसवाल का पंत बो शमी	22
वैभव सूर्यवंशी का राठी बो मोहसिन	08
ध्रुव जुरेल का पंत बो शमी	00
रियान पराग का पूरन बो प्रिंस	20
शिमरोन हेटमायर का प्रिंस बो मोहसिन	22
रविंद्र जडेजा नाबाद	43
डोनोवन फरेरा का मोहसिन बो प्रिंस	20
शुभम दुबे नाबाद	19

अतिरिक्त : 05, **विकेट पतन :** 1-32, 2-32, 3-32, 4-62, 5-77, 6-110

गेंदबाजी : शमी 4-0-30-2, प्रिंस 4-0-29-2, मोहसिन 4-1-17-2, मयंक 4-0-56-0, राठी 4-0-26-0

लखनऊ सुपर जाएंट्स

119/10 (18 ओवर)

मिचेल मार्श का पराग बो बर्गर	55
आयुष बडोनी रन आउट	00
ऋषभ पंत का जुरेल बो बर्गर	00
एडेन मारक्रम का जुरेल बो आर्चर	00
निकोलस पूरन का फरेरा बो जडेजा	22
हिम्मत सिंह बो बिश्नोई	15
मुकुल चौधरी का पराग बो बृजेश	07
मोहम्मद शमी बो बृजेश	06
मयंक यादव का जुरेल बो आर्चर	02
दिग्वेश राठी नाबाद	02
मोहसिन खान बो आर्चर	00

अतिरिक्त : 07, **विकेट पतन :** 1-9, 2-10, 3-11, 4-54, 5-91, 6-105, 7-111, 8-113, 9-119

गेंदबाजी : आर्चर 4-0-20-3, बर्गर 4-0-27-2, बृजेश 3-0-18-2, जडेजा 4-0-29-1, बिश्नोई 3-0-23-1

अंक तालिका

	टीम	मैच	जीते	हारे	रद्द	अंक	नेट रन रेट
1.	पंजाब किंग्स	6	5	0	1	11	1.420
2.	राजस्थान रॉयल्स	7	5	2	0	10	0.790
3.	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	6	4	2	0	8	1.171
4.	सनराइजर्स हैदराबाद	7	4	3	0	8	0.820
5.	दिल्ली कैपिटल्स	6	3	3	0	6	-0.130
6.	गुजरात टाइटंस	6	3	3	0	6	-0.821
7.	मुंबई इंडियंस	6	2	4	0	4	0.067
8.	चेन्नई सुपर किंग्स	6	2	4	0	4	-0.780
9.	लखनऊ सुपर जाएंट्स	7	2	5	0	4	-1.277
10.	कोलकाता नाइट राइडर्स	7	1	5	1	3	-0.879

कमिंस की वापसी के बाद भी ईशान किशन ही करें सनराइजर्स हैंददाबाद की कप्तानी

हैदराबाद। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय बांगड़ ने कहा कि पैट कमिंस की चोट से उबरकर वापसी करने के बाद भी ईशान किशन को ही सनराइजर्स हैदराबाद की कप्तानी करनी चाहिए। कमिंस अपनी पीठ के निचले हिस्से में दर्द के कारण टी20 विश्व कप में नहीं खेल पाए थे और उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूदा सत्र के शुरुआती मैचों से भी बाहर रहना पड़ा था। वह राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ शनिवार को जयपुर में होने वाले मैच में वापसी कर सकते हैं। भारत के पूर्व बल्लेबाजी कोच बांगड़ ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहा एक कप्तान के तौर पर ईशान किशन ने दिखाया कि वह अपने गेंदबाजों का इस्तेमाल करने के मामले में रणनीतिक रूप से बहुत कुशल हैं। उन्हें पता है कि किस बल्लेबाज के खिलाफ किस गेंदबाज का इस्तेमाल करना है। इससे स्पष्ट होता है वह खेल की कितनी अच्छी समझ रखते हैं। वह दबाव में नहीं आते, जल्दबाजी नहीं करते और मैदान पर सही फैसले ले रहे हैं। उन्होंने कहा दिल्ली के खिलाफ जिस तरह से उन्होंने अपने स्पिनरों का इस्तेमाल किया, वह प्रभावशाली था। इसलिए मेरा मानना है कि भले ही पैट कमिंस वापसी कर लें, ईशान किशन को ही सनराइजर्स की कप्तानी करनी चाहिए। बांगड़ ने कहा अमूमन देखा गया है कि भारतीय कप्तान होने से टीम को स्थिरता

मिलती है। पैट कमिंस जैसे काबिल गेंदबाज की हाल की चोटों को देखते हुए यह कहना मुश्किल है कि वह आईपीएल के बाकी मैचों में कितने फिट रहेंगे। उन्होंने कहा कि किशन को ही कप्तान बनाए रखना सनराइजर्स के सर्वोत्तम हित में होगा। बांगड़ ने कहा ईशान को कप्तान बनाए रखने से खिलाड़ियों को भी अपले प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने में मदद मिलेगी। मुझे लगता है कि हैदराबाद के लिए यही सही होगा। इस बीच किशन ने कहा कि उनकी सफलता का राज असफलता के भय पर काबू पाना, आगे बढ़ते रहना और मैचों के बीच टीम को नए सिरे से आगे के लिए तैयार करना है। किशन ने कहा इस स्तर पर, कौशल का स्तर काफी हद तक समान होता है। असली अंतर मानसिकता में आता है। मेरे लिए यह महत्वपूर्ण था कि मैं मैचों के बीच खुद को नए सिरे से कैसे तैयार करूं। उन्होंने कहा लगातार ध्यान केंद्रित रखना, जीतने की ललक रखना और मानसिक रूप से वर्तमान में रहना ही सफलता की कुंजी है।

अभिषेक की परिपक्वता पर कोई सवाल नहीं : एरोन

हैदराबाद, एजेंसी

- बोले- उन जैसे खिलाड़ी को कुछ छूट देना जरूरी

सनराइजर्स हैदराबाद के गेंदबाजी कोच वरुण एरोन ने कहा कि अभिषेक शर्मा जैसे 'ज्यादा जोखिम, ज्यादा इनाम' की रणनीति पर चलने वाले खिलाड़ी का बीच में खराब प्रदर्शन करना अपरिपक्वता का संकेत नहीं है। एरोन ने कहा कि परिपक्व हुए बिना कोई भी दुनिया का नंबर एक टी20 बल्लेबाज नहीं बन सकता और उनके जैसे असाधारण खिलाड़ी को कुछ छूट मिलनी चाहिए।

अभिषेक शर्मा।

अभिषेक ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ शुरू से लेकर आखिर तक बल्लेबाजी करते हुए 68 गेंद पर नाबाद 135 रन बनाए जिससे उनकी टीम ने यह मैच 47 रन से जीता। इस सलामी बल्लेबाज की टी20 विश्व कप में शुरुआत निराशाजनक रही थी लेकिन इसके बाद उन्होंने लय हासिल कर ली थी।

एरोन ने पत्रकारों से कहा मेरा मानना है कि वह शुरू से ही परिपक्व खिलाड़ी रहे हैं और पिछले कुछ वर्षों में यह बात और भी स्पष्ट हो गई है। परिपक्व हुए बिना आप दुनिया के नंबर एक टी20 बल्लेबाज नहीं बन सकते। वह विपक्षी टीम के आक्रमण और पिच को देखकर ही अपना खेल खेलते हैं। एरोन ने कहा कि अभिषेक ने दिखाया कि उनके पास क्रिकेट की बहुत अच्छी समझ है। उन्होंने शुरू में सावधानी से बल्लेबाजी की। उन्होंने कहा यह पिच ऐसी नहीं थी कि आप हर गेंद पर लंबे शॉट लगा सको। आपको विरोधी टीम का सम्मान करना होता है। आपको पिच का सम्मान करना होता है और उन्होंने (अभिषेक ने) ऐसा ही किया। जब आप ज्यादा जोखिम, ज्यादा इनाम की रणनीति पर चलते हैं तो कभी-कभी यह कारगर साबित नहीं होता है लेकिन आपको अभिषेक जैसे खिलाड़ी को ऐसी छूट देनी पड़ती है।

युवा तेज गेंदबाज साकिब हुसैन ने दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाजों को नियंत्रण में रखा और एक विकेट लिया। श्रीलंका के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ईशान मलिंगा ने चार विकेट हासिल किए। एरोन ने इन दोनों की प्रशंसा करते हुए कहा उनके पास ऐसे कौशल हैं जो उन्हें किसी भी अन्य गेंदबाज से अलग करते हैं। अगर हम मलिंगा की बात करें, तो वह गेंद को रिवर्स स्विंग कराते हैं। हमने आज 11वें, 12वें ओवर से रिवर्स स्विंग देखी जिससे विपक्षी टीम के लिए मुश्किल हो जाती है क्योंकि सफेद गेंद से आप वास्तव में यह नहीं देख सकते कि चमकदार साइड कौन सी है।

निरंतरता बनाए रखने के लिए टकराएंगे मुंबई-चेन्नई

मुंबई, एजेंसी

- पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और महेंद्र सिंह धोनी की वापसी की संभावना

अब तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाने वाली पूर्व चैंपियन मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम गुरुवार को यहां जब आईपीएल में आमने-सामने होंगी तो वे अपने पूर्व कप्तानों रोहित शर्मा और महेंद्र सिंह धोनी की संभावित वापसी पर नजर रखकर अपने खेल में निरंतरता बनाए रखने की कोशिश करेंगी।

रोहित (हैमस्ट्रिंग) और धोनी (पिंडली में खिंचाव) वापसी की राह पर हैं, लेकिन यह देखना बाकी है कि क्या इनमें से कोई भी इस महत्वपूर्ण मुकाबले के लिए वानखेड़े स्टेडियम में मैदान पर उतरेगा। रोहित ने मंगलवार को वैकल्पिक अभ्यास सत्र में भाग नहीं लिया लेकिन वर्तमान टूर्नामेंट में अभी तक एक भी मैच नहीं खेलने वाले धोनी ने जमकर अभ्यास किया।

इससे उनकी इंपैक्ट प्लेयर के रूप में वापसी की संभावना बन गई है। इन दोनों दिग्गज खिलाड़ियों की वापसी इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है कि अब तक पांच-पांच खिताब जीतने वाली यह दोनों टीम कई समस्याओं से जूझ रही हैं। सीएसके ने प्रत्येक टीम की तरह टूर्नामेंट की शुरुआत फॉर्म और सही संयोजन की तलाश में की लेकिन जैसे ही वे लय में आने लगे, उसके युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए जो सीएसके के लिए बड़ा झटका है। इससे सीएसके को बल्लेबाजी में नए सिरे से रणनीति बनानी पड़ रही है। गुजरात के विकेटकीपर-बल्लेबाज उर्विल पटेल को म्हात्रे की जगह टीम में शामिल किया जा सकता है।

अभ्यास सत्र के दौरान महेंद्र सिंह धोनी। एजेंसी

रोहित-धोनी ने फिटनेस चिंताओं के बीच किया अभ्यास

रोहित शर्मा और महेंद्र सिंह धोनी मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच होने वाले मैच की पूर्व संध्या पर बुधवार को यहां अपनी-अपनी टीमों की ट्रेनिंग किट में नजर आए और बल्लेबाजी अभ्यास करते दिखे। बृहस्पतिवार को खेले जाने वाले मैच के लिए हालांकि दोनों की उपलब्धता को लेकर मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपरकिंग्स ने अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

टीम

मुंबई इंडियंस : हार्दिक पंड्या (कप्तान), क्विंटन डीकॉक, रयान रिकेलटन, रॉबिन मिंज, रोहित शर्मा, दानिश मालेवार, शेरफेन रदरफोर्ड, सूर्यकुमार यादव, राज बावा, कॉर्बिन बॉश, विल जैक्स, मयंक रावत, नमन धीर, मिचेल सेंटनर, शार्दुल ठाकुर, तिलक वर्मा, अश्विनी कुमार, ट्रेंट बोल्ट, जसप्रीत बुमराह, दीपक चाहर, एएम गजनफर, कृष भगत, मयंक मारकंडे, मोहम्मद इज़हार, रघु शर्मा।

चेन्नई सुपर किंग्स : रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), एमएस धोनी, संजू सैमसन, कार्तिक शर्मा, डेवाल्ड ब्रेविस, सरफराज खान, उर्विल पटेल, अमन खान, शिवम दुबे, जैक फॉल्क्स, रामकृष्ण घोष, अंशुल कंबोज, जेमी ओवरटन, मैथ्यू शॉर्ट, प्रशांत वीर, राहुल चाहर, श्रेयस गोपाल, गुरजापनीत सिंह, मैट हेनरी, अकील हुसैन, स्पेंसर जॉनसन, मुकेश चौधरी, नूर अहमद।

नया नाम — स्पेनिश खिलाड़ी 19 वर्षीय राफेल जोडर पूरे टेनिस जगत में बटोर रहे सुर्खियां

टेनिस जगत में धूम मचाने को तैयार है स्पेन का एक और 'राफा'

मैड्रिड, एजेंसी

विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज की उम्र केवल 22 वर्ष है, लेकिन उनके देश स्पेन में प्रतिभाशाली टेनिस खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी के बारे में पहले से ही चर्चा हो रही है। इनमें से सबसे चर्चित नाम उस खिलाड़ी का है जिनका पहला नाम सर्वकालिक महान खिलाड़ी राफेल नडाल के समान है।

यह खिलाड़ी है 19 वर्षीय राफेल जोडर, जो रैंकिंग में शीर्ष 50 में जगह बनाने से स्पेन और पूरे टेनिस जगत में सुर्खियां बटोर रहे हैं। जोडर को नडाल की तरह 'राफा' उपनाम से भी जाना जाता है। वह मैड्रिड ओपन में अपने पदार्पण से ठीक पहले शीर्ष 50 में जगह बनाने में कामयाब रहे हैं। एक और होनहार

खिलाड़ी 20 वर्षीय मार्टिन लैंडालुस हैं, जिन्होंने हाल में पुरुष रैंकिंग में शीर्ष 100 में जगह बनाई है।

अल्काराज़ के कलाई में चोट के कारण नाम वापस लेने के बाद मैड्रिड ओपन में यह दोनों दर्शकों के पसंदीदा खिलाड़ियों में से एक होंगे। अल्काराज इन दोनों खिलाड़ियों के प्रदर्शन से बेहद प्रभावित हैं और उन्हें उम्मीद है कि वह स्पेन में टेनिस को नए मुकाम तक पहुंचाने में सफल रहेंगे। उन्होंने कहा ये दोनों एक-दूसरे की मदद से लगातार बेहतर प्रदर्शन करते हुए शीर्ष पर पहुंचेंगे। उनका भविष्य उज्ज्वल है। जोडर एक साल पहले तक विश्व रैंकिंग में शीर्ष 600 खिलाड़ियों में भी शामिल नहीं थे। मार्च में उन्होंने शीर्ष 100 में प्रवेश किया और सोमवार को जारी नवीनतम एटीपी रैंकिंग में 42वें स्थान पर पहुंच गए हैं। जोडर ने कहा मैं बचपन से ही दबाव में अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करता रहा हूं। मैं शुरू से ही कोर्ट के अंदर और बाहर बहुत शांत स्वभाव का रहा हूं। मैं जानता हूं कि ऐसा समय भी आएगा जबकि परिस्थितियां आपके अनुकूल नहीं होंगी और ऐसे समय में आपकी मानसिक मजबूती की परीक्षा होती है। इस तरह का दौर मुझे और मजबूत बनाएगा। जोडर ने बार्सिलोना ओपन में तीन सीधे सेटों में जीत हासिल करके सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। सेमीफाइनल में उन्हें आर्थर फिल्स से तीन सेटों में हार का सामना करना पड़ा।

मैं कभी लक्ष्य की ओर ध्यान नहीं देता : राफेल जोडर

स्पेनिश खिलाड़ी ने इसी महीने की शुरुआत में मोरक्को में अपना पहला टूर-स्तरीय खिताब जीता था। वह यूएस ओपन में लड़कों के एकल वर्ग के चैंपियन भी रह चुके हैं। जोडर जब छोटे थे तब वह दर्शक के रूप में मैड्रिड ओपन देखने आते थे और अब इस टूर्नामेंट में खेलने को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा मैंने कभी कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किया।, यह टूर पर मेरा पहला साल है। मैं अभी सीख रहा हूं। मुझे अनुभव हासिल करने और शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने की जरूरत है। सात बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन अल्काराज ने जोडर को उत्कृष्ट खिलाड़ी करार दिया।

एकल में लगातार हार के बावजूद फ्रेंच ओपन में खेलना चाहती हैं वीनस

मैड्रिड। विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी वीनस विलियम्स महिला एकल में लगातार दसवां मैच हारने के बावजूद अगले महीने होने वाले फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट में खेलना चाहती हैं। इस 45 वर्षीय खिलाड़ी मैड्रिड ओपन में स्पेन की 20 वर्षीय खिलाड़ी कैटलिन क्वेडो से 6-2, 6-4 से हार गईं।

सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस ने बाद में पत्रकारों से कहा मैं लंबे समय से क्ले कोर्ट पर नहीं खेली थी और मैं इसमें खेलने का अनुभव लेना चाहती थी। उन्होंने कहा दुर्भाग्य से मैं इटालियन ओपन में नहीं खेल पाऊंगी क्योंकि मेरी कुछ प्रतिबद्धताएं हैं। मेरे पति इटालियन हैं, इसलिए हमें भी दुख है कि हम वहां नहीं जा सकते। लेकिन हम क्ले कोर्ट पर खेलना जारी रखना चाहेंगे।

एमबाप्पे -विनीसियस ने रियल मैड्रिड को जिताया

मैड्रिड, एजेंसी

- स्पेनिश लीग फुटबाल टूर्नामेंट ला-लीगा में शीर्ष के करीब

काइलियन एमबाप्पे और विनीसियस जूनियर ने एक-एक गोल किया, जिससे रियल मैड्रिड ने अलावेस को 2-1 से हराकर चार मैचों के बाद पहली जीत का स्वाद चखा। इस जीत से वह स्पेनिश लीग फुटबाल टूर्नामेंट लालीगा में शीर्ष पर मौजूद बार्सिलोना के करीब पहुंच गया है।

सैंटियागो बर्नाबेउ स्टेडियम में मिली जीत के बाद रियल मैड्रिड अब बार्सिलोना से छह अंक पीछे रह गया है। बार्सिलोना के 31 मैच में 79 और रियाल मैड्रिड के 32 मैच में 73 अंक हैं।

बायर्न म्यूनिख से हारने के कारण चैंपियंस लीग के क्वार्टर फाइनल में बाहर होने के बाद रियाल मैड्रिड का यह पहला मैच था। रियाल मैड्रिड को बायर्न से अपने घरेलू मैदान पर 2-1 से और दूसरे चरण में जर्मनी में 4-3 से हार का सामना करना पड़ा था। उसे लालीगा में पिछले दो मैच में जीत नहीं मिली थी।

उसने गिरोना के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला था जबकि मालोर्का से 2-1 से हार गय था। एमबाप्पे ने 30वें मिनट में गोल किया। वह इस टूर्नामेंट में अब सर्वाधिक 24 गोल कर चुके हैं।

यह फरवरी के बाद इस प्रतियोगिता में उनका पहला गोल भी था। विनीसियस ने 50वें मिनट में गोल करके मैड्रिड की बढ़त को और मजबूत कर दिया।